खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :30°C
न्यूनतम: 17°C

हल्द्वानी, सोमवार 3 नवम्बर 2025 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 68 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | कार्तिक शुक्ल पक्ष 13 विक्रमी सम्वत् 2082 | 11 जमादिउल उला 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

न्याय से बढ़कर कुछ नहीं, अति आत्मविश्वास से बचें: जस्टिस सूर्यकांत पेज 2

सुंदर की आतिशी पारी ने भारत को दिलाई बराबरी खेल टाइम्स

चुनावी मौसम में देश के पत्रकारों का कर्तव्य सम्पादकीय

ट्रम्प 2.0 में भारतवंशियों के खिलाफ हेट क्राइम 91 प्रतिशत बढ़ा पेज 12

इसरो ने लॉन्च किया 'बाहुबली' एलवीएम3-एम5 रॉकेट

जीटीओ तक लॉन्च होने वाला सबसे भारी सैटेलाइट, नौसेना की क्षमताओं को करेगा और मजबूत

श्रीहरिकोटा, वार्ता

इसरो ने 2 नवम्बर को शाम 5.26 बजे बाहुबली रॉकेट से 4400 किलो का सैटेलाइट लॉन्च किया। ये भारतीय जमीन से जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) तक लॉन्च होने वाला सबसे भारी सैटेलाइट है। ये नौसेना की कम्युनिकेशन क्षमताओं को और मजबूत करेगा। जीटीओ (29,970 किमी) एक अंडाकार ऑर्बिट है। रॉकेट ने इस आर्बिट में सैटेलाइट छोड़ दिया है।

अब 3-4 दिन बाद सैटेलाइट इंजन फायर होगा और ये ऑर्बिट को सर्कुलर कर लेगा। इसे जियोस्टेशनरी आर्बिट (जीईओ) कहते हैं। इसमें सैटेलाइट 24 घंटे कवरेज दे सकता है। इससे पहले इसरो ने चंद्रयान-3 मिशन में 3900 केजी पेलोड जीटीओ में भेजा था। जीटीओ में भेजा गया दुनिया का सबसे भारी सैटेलाइट इकोस्टार 24 (जुपिटर 3) है। इसका वजन लॉन्च के समय करीब 9,000 किलो था। इसे स्पेसएक्स के फाल्कन हैवी रॉकेट से लॉन्च किया गया था। स्टड3 लॉन्च व्हीकल की ये पांचवीं ऑपरेशनल फ्लाइट (एलवीएम3-एम5) है। व्हीकल ज्यादा वजन ले जा सके इसके लिए इसमें स्ट्रक्चरल चेंजेस किए गए हैं। इसके अलावा थ्रस्ट बढ़ाने के लिए इंजन में भी कुछ बदलाव हुए हैं। स्ट्रक्चरल चेंजेस से इसे थोड़ा हल्का किया गया है। सीएम-03 एक मल्टी-बैंड कम्युनिकेशन सैटेलाइट है, जो हिंद महासागर के बड़े इलाके सहित पूरे भारतीय इलाके को सर्विस देगा। ये भारत को कंटीन्यूएस कवरेज देगी। ये एक जीएसएटी-7 आर सैटेलाइट है, जिसका कोडवर्ड सीएमै-03 है। ये श्रीहरिकोटा स्पेसपोर्ट से लॉन्च होगा। ये पुराने हो चुके जीएसएटी-7 (रुक्मिणी) सैटेलाइट की जगह लेगा, जो फिलहाल नौसेना के कम्युनिकेशन्स का मुख्य आधार है। रुक्मिणी ने युद्धपोतों, पनडुब्बियों, विमानों और किनारे पर बने कमांड सेंटर्स के बीच सुरक्षित रीयल-टाइम कनेक्शन मुमकिन किए हैं। सीएईएस-03 आर सैटेलाइट भारत की नेटवर्क-सेंट्रिक वॉरफेयर क्षमताओं को कई गुना मजबूत कर देगा। ये नौसेना के ऑपरेशन्स, एयर डिफेंस और स्ट्रैटेजिक कमांड कंट्रोल के लिए रीयल-टाइम कम्युनिकेशन मुहैया कराएगा, वो भी विशाल समुद्री और जमीन वाले इलाकों में। जियोस्टेशनरी ऑर्बिट (जीईओ) यानी धरती से 36,000 किलोमीटर ऊपर की गोल कक्षा। इस आर्पबिट में सैटेलाइट पृथ्वी को लगातार देख सकता है। ये 24 घंटे कवरेज के लिए जरूरी है। इसी वजह से कम्युनिकेशन सैटेलाइट्स को हमेशा जीईओ में ही रखना पड़ता है। इसरो आमतौर पर भारी कम्युनिकेशन सैटेलाइट्स को फ्रेंच गयाना में यूरोपीय स्पेसपोर्ट से लॉन्च करता है। ये पहली बार है जब ये भारतीय मिट्टी से 4.4 टन का सैटेलाइट लॉन्च हुआ। इसरो ने पहले 5 दिसम्बर 2018 को एरियन-5 रॉकेट की मदद से फ्रेंच गयाना से जीएसएटी-11 लॉन्च किया था, जो 5,854 किलो का था। ये इसरो का अब तक का सबसे भारी सैटेलाइट है। स्टड3 रॉकेट का सबसे भारी पेलोड लो अर्थ आर्बिट तक पहुंचाने का रिकॉर्ड वन वेब मिशन से जुड़ा है। इसमें 5,800 किलो का पेलोड धरती से 450 किमी ऊपर भेजा गया था। ए 36 छोटे सैटेलाइट्स का ग्रुप था, सिंगल नहीं। ये सिंगल कम्युनिकेशन सैटेलाइट के मामले में नया रिकॉर्ड है। 1999 में हुई कारगिल जंग में कम्युनिकेशन के लिए अमेरिका ने मदद से मना कर दिया था। इसके बावजूद भारत ने इस जंग में पाकिस्तान को हरा दिया था। 1999 में कारगिल की ऊंची-ऊंची चोटियों पर पाकिस्तानी घुसपैठिए छिपे हुए थे। भारतीय सेना को सटीक लोकेशन और सैनिकों की मूवमेंट ट्रैक करने के लिए ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम की सख्त जरूरत थी। भारत ने अमेरिका से मदद मांगी, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। कारगिल खत्म होने के बाद भारत ने दो मोर्चों पर काम चालू किया। भारत के पास पहले से इनसैट सीरीज के सैटेलाइट्स थे, जो वाइस काल्स, डेटा ट्रांसमिशन और सिचुएशनल अवेयरनेस में थोड़ी मदद कर रहे थे।

■ कारगिल जंग से सबक लेकर इसरो ने बनाया अपना सैटेलाइट नेटवर्क, नेवी की ताकत बढ़ेगी

डाटा सुरक्षित और तेजी से उपलब्ध होगा

सीएमएस-03 का पूरा नाम कम्युनिकेशन सैटेलाइट मिशन-03 है। यह मल्टी-बैंड संचार उपग्रह कई तरह की रेडियो तरंगों पर काम करेगा। इसमें इंटरनेट कनेक्टिविटी, वीडियो कान्फेंसिंग और सुरक्षित डाटा ट्रांसमिशन जैसी सुविधाएं होंगी। इससे दूरदराज के इलाकों, जहाजों और हवाई जहाजों तक मजबूत संचार नेटवर्क उपलब्ध होगा और पहले के संचार उपग्रहों की तुलना में तेजी से डाटा उपलब्ध होगा। इसरो ने बताया कि विशेष तौर पर नौसेना के लिए विकसित यह संचार उपग्रह सात साल काम करेगा।

संक्षिप्त समाचार

तेलंगाना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीआरएस ऑफिस पर हमला किया

हैदराबाद। तेलंगाना के खम्मम जिले के मनुगुरु इलाके में रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) के स्थानीय ऑफिस पर हमला कर दिया। उन्होंने ऑफिस में तोड़फोड़ की, फर्नीचर जलाया और कांग्रेस का झंडा फहरा दिया। वायरल वीडियो में कांग्रेस के झंडे थामे लोग बीआरएस ऑफिस में घुसते और नारेबाजी करते दिखाई दिए। झड़प के दौरान दोनों पक्षों में मारपीट हुई और कुछ लोग घायल भी हुए। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी के घायल होने की पुष्टि नहीं की है। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हमें हमारा ऑफिस वापस दो के नारे लगाते हुए प्रदर्शन भी किया। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। इधर, कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि बीआरएस शासन के दौरान उनका ऑफिस जबरन कब्जा कर लिया गया था। उनका कहना है कि तब के विधायक ने पुलिस सुरक्षा में कांग्रेस दफ्तर पर कब्जा कर उसे बीआरएस के गुलाबी रंग में रंगवा दिया था। हम इसे फिर वापस लेंगे।

'मोन्था' का असर खत्म, अब बारिश नहीं, ठंड बढ़ेगी

नई दिल्ली। मोन्था तूफान का असर लगभग खत्म हो गया है। इसके रूट में आने वाले राज्यों में अब बारिश नहीं होगी। हालांकि राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब और हिमाचल में बारिश हो सकती है। आईएमडी के मुताबिक पहाड़ी राज्यों और मैदानी इलाकों में अगले 3-4 दिन में तापमान में गिरावट होगी, जिससे ठंड बढ़ेगी। हिमाचल में 4 और 5 नवम्बर को बर्फबारी के आसार बन रहे हैं। तीन नवम्बर की रात से वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होगा। फिलहाल कुकुमसेरी में तापमान माइनस 1.2 डिग्री सेल्सियस और ताबो में माइनस 0.8 डिग्री सेल्सियस चल रहा है। इधर, राजधानी दिल्ली और एनसीआर के कई इलाकों में प्रदूषण गंभीर होता जा रहा है। रविवार को हवा क्वालिटी और बिगड़ गई। एम्स और आसपास के इलाकों में एआईक्यू लेवल 420 तक पहुंच गया है।

SIR नहीं रोका गया, तो अदालत जाएगा तमिलनाडु

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने चुनाव आयोग पर केंद्र सरकार के अधीन काम करने का आरोप लगाते हुए आयोग से तमिलनाडु में 4 नवम्बर से शुरू होने वाले प्रस्तावित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को रोकने की मांग की। श्री स्टालिन की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में सर्वसम्मति से पारित इस प्रस्ताव में कहा गया कि अगर चुनाव आयोग इस प्रक्रिया को नहीं रोकता है, तो तमिलनाडु के पास देश की शीर्ष अदालत में जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। श्री स्टालिन ने एसआईआर को लोगों के मताधिकार छीनने वाली प्रक्रिया कहा। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया की घोषणा ऐसे समय में की है जब तमिलनाडु में 2026 के अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने हैं।

महागठबंधन के अंदर चल रही खींचतान पर मोदी का तंज

पटना, वार्ता

बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण के मतदान से चार दिन पहले आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महागठबंधन के अंदर चल रही खींचतान पर बड़ा बयान दे दिया है। उन्होंने पहले राजद और कांग्रेस को देश के मुद्दे पर घेरा और फिर बिहार चुनाव में खींचतान तक लेकर आए।

पीएम मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में देश की सेना की इतनी बड़ी सफलता कांग्रेस और राजद को पसंद नहीं आई। धमाके पाकिस्तान में हो रहे थे और नींद कांग्रेस के शाही परिवार की उड़ी हुई थी। आज तक कांग्रेस और राजद के नामदार ऑपरेशन सिंदूर के सदमे से बाहर नहीं निकल पाए। आज विकसित बिहार के संकल्प के साथ पूरा एनडीए एकजुट होकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद के अंदर घमासन मचा हुआ है। अंदर की बात यह है कि नामांकन वापस लेने के एक दिन पहले बंद कमरे में गुंडागर्दी का खेल खेला गया। कांग्रेस कभी नहीं चाहती थी कि सीएम पद पर राजद के उम्मीदवार का नाम तय हो, लेकिन, राजद ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रखकर सीएम पद चोरी कर लिया। फिर जबरन सीएम पद की घोषणा करवाई गई। पीएम मोदी ने आगे कहा कि राजद और कांग्रेस में झगड़ा भयंकर बढ़ गया।

■ कहा: आरजेडी ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रख सीएम पद का ऐलान कराया

■ कांग्रेस की पहचान सिखों के कत्लेआम से है, कांग्रेस के लोगों ने सिखों को नरसंहार किया था

न तेजस्वी मुख्यमंत्री बनेंगे, न राहुल प्रधानमंत्री बनेंगे: शाह

नई दिल्ली/पटना। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मुजफ्फरपुर के बिशुनपुर सरैया में चुनावी सभा की। उन्होंने राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि आपका वोट बिहार को जंगलराज से बचाने के लिए होगा। ये लोग कपड़े और चेहरे बदलकर फिर जंगलराज लाएंगे। इन लोगों को वापस मत आने देना।

शाह ने कहा कि लालू यादव और सोनिया गांधी को देश की कोई परवाह नहीं है। लालू अपने बेटे को मुख्यमंत्री और सोनिया अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। उनकी यह इच्छा पूरी होने वाली नहीं है, क्योंकि जगह ही खाली नहीं है। यहां नीतीश कुमार सीएम हैं और दिल्ली में नरेंद्र मोदी पीएम हैं। दूसरी तरफ, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बेगूसराय में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि 56 इंच की छाती वाला डरपोक है। महात्मा गांधी की छाती बड़ी नहीं थी, लेकिन वो किसी से डरते नहीं थे। इंदिरा भी किसी से नहीं डरती थीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुजफ्फरपुर में पब्लिक रैली में रविवार को कहा कि 1994 में लालू-राबड़ी के शासन में गोपालगंज में डीएम कृष्णैया को पीट-पीटकर मार डाला गया था।

■ केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा: दोनों जगह खाली नहीं, राहुल ने कहा- 56 इंच की छाती वाला डरपोक है

मुझे दबाने के लिए मेरे परिवार पर दर्ज हुए मुकदमे: रमणा

अमरावती। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) एनवी रमणा ने कहा कि सांविधानिक सिद्धांतों की रक्षा करने वाले न्यायिक अधिकारियों को भी दबाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा कि जिन जजों का किसी राजनीतिक मामले में कोई हाथ नहीं था, उनके परिवार को भी राजनीतिक संगठनों ने निशाना बनाया। रमणा अमरावती में वीआईटी-एपी विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आप सभी जानते हैं कि मेरे परिवार को कैसे निशाना बनाया गया और उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए।

■ सांविधानिक सिद्धांतों की रक्षा करने वाले न्यायिक अफसरों को भी दबाव व उत्पीड़न का सामना करना पड़ा: पूर्व सीजेआई

प्रियंका गांधी ने प्रदूषण को लेकर जताई चिंता

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने प्रदूषण को लेकर चिंता जताई है। प्रियंका गांधी ने कहा कि पहले वायनाड और फिर बिहार के बछवाड़ा से दिल्ली की हवा में लौटना वाकई परेशान करने वाला है। इस शहर को प्रदूषण ने मानो उस पर एक धुएं और ग्रे रंग का चादर डाल दिया हो।

अब समय आ गया है कि हम सब अपनी राजनीतिक मजबूरियों की परवाह किए बिना एकजुट होकर प्रदूषण के बारे में कुछ कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। इस भयावह स्थिति को कम करने के लिए वे जो भी कदम उठाएंगे, हम सब उनका समर्थन और सहयोग करेंगे।

■ कहा: सभी एकजुट होकर प्रदूषण के बारे में कदम उठाएं

देहरादून : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उनका स्वागत करते हुए।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में मक्का पर खींचतान

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। मक्का आयात को लेकर अमेरिका की ओर से दबाव के बावजूद भारत अपने किसानों के पक्ष में मज़बूती से खड़ा है और पीएम मोदी और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल दोनों साफ़ कर चुके हैं कि भारतीय किसानों हितों के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

दोनों देशों के बीच इस समय चल रही व्यापार वार्ताओं में अमेरिका की ओर से, खास कर कृषि उपजों के भारतीय बाजार को खोलने का मुद्दा उठता रहा है। हाल ही में अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने वाशिंगटन पत्रकारों से बातचीत में भारत के प्रति नाराजगी जताते हुए कहा था कि भारत कहता है कि उसकी आबादी 1.4 अरब की है, तो क्या ये 140 करोड़ लोग अमेरिका का एक बुशल (लगभग 25 किलो) मक्का भी नहीं खरीद सकते? वे हमें भी चीजें बेचते हैं, लेकिन हमारे माल पर भारी भरकम आयात शुल्क लगा देते हैं, क्या यह उचित है? अमेरिकी मंत्री लुटनिक की हताशा के पीछे दो प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। एक तो अमेरिका में इस बार मक्के की बम्पर पैदावार हुई है और दूसरे, चीन ने मक्के का आयात घटा दिया है। अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) ने गत अगस्त में बताया कि 1866 के बाद 2025-26 में वहां मक्के का उत्पादन अनुमानित 16.7 अरब बुशल के साथ एक नया रिकॉर्ड बना सकता है। अमेरिकी मक्के के सबसे बड़ा खरीदार चीन ने इसकी खरीद में भारी कटौती कर रखी है। चीन पहले अमेरिकी सोयाबीन का भी प्रमुख आयातक था, लेकिन हाल के वर्षों में उसने वहां से सोयाबीन का आयात कम कर दिया था। बीते साल अमेरिका के कुल सोयाबीन निर्यात का लगभग 45 प्रतिशत चीन ने खरीदा था, पर इस बार अभी कोई सौदा नहीं हुआ है।

■ प्रधानमंत्री मोदी की दो टूक: भारतीय किसानों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा

सबसे ज्यादा कपड़ों व खाने-पीने पर खर्च करते हैं भारतीय

नई दिल्ली। शॉपिंग मॉल और शहरों के बड़े बाजारों में भारतीय सबसे ज्यादा पैसा परिधानों पर और उसके बाद खाने-पीने पर खर्च करते हैं।

एक हालिया अध्ययन के अनुसार, देश में शॉपिंग सेंटरों का कुल कारोबार लगभग 4.9 लाख करोड़ रुपये है जिसमें 30.35 (1,500-1,700 अरब रुपये) प्रतिशत कमाई परिधानों की बिक्री से होती है। इसके बाद मुख्य बाजारों का कारोबार लगभग 3.8 लाख करोड़ रुपये का है। इसमें 32:35 प्रतिशत पैसा (1,200-1,400 अरब रुपये) लोग परिधानों पर खर्च करते हैं। परिधानों के बाद दूसरे नंबर पर खाने-पीने की चीजें हैं। मॉलों में अपने कुल खर्च का 20:25 प्रतिशत (1,000-1,100 अरब रुपये) लोग खाने-पीने पर खर्च डालते हैं। वहीं, बड़े बाजारों में लोग 800-950 अरब (22-25 प्रतिशत) इस मद में खर्च कर डालते हैं।

■ एक अध्ययन से रिपोर्ट आई सामने

संक्षिप्त समाचार

उमर अब्दुल्ला व सुनील शेट्टी ने मैराथन में लगाई दौड़

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने रविवार सुबह श्रीनगर में कश्मीर मैराथन 2-0-2025 को संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखा किया रवाना। दौड़ सुबह छह बजे पोलो व्यू से शुरू हुई, जहां प्रतिभागियों ने खूबसूरत बुलेवार्ड रोड पर दौड़ते हुए शहर की प्रतिष्ठित डल झील के लुभावने दृश्यों का आनंद लिया।इस मैराथन का आयोजन कश्मीर पर्यटन विभाग द्वारा जम्मू और कश्मीर खेल परिषद के सहयोग से किया गया था और इसमें कई श्रेणियां शामिल थीं, जैसे पूर्ण मैराथन (42 किमी), हाफ मैराथन (21 किमी) और शौकिया और स्थानीय प्रतिभागियों के लिए छोटी दौड़। इस वर्ष के आयोजन में देश भर के 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 1,500 से अधिक धावकों और 11 देशों से 77 विदेशी प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिससे वैश्विक खेल मानचित्रा पर कश्मीर की बढ़ती उपस्थिति का पता चलता है।

मायावती की रैली से बिहार में बढ़े टिकट के दाम

लखनऊ/पटना। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती की हालिया लखनऊ रैली ने बिहार की राजनीति में हलचल मचा दी है। यह रैली मान्यवर कांशीराम जी की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित की गई थी, लेकिन राजनीतिक गलियारों में सवाल उठ रहे हैं कि इस बार का आयोजन असामान्य रूप से बीज.पी के पक्ष में माहौल बनाने के लिए किया गया था। रविवार को अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस के पूर्व सांसद डा. उदित राज ने कहा कि बिहार में भाजपा को जिताने के लिए मायावती ने लखनऊ में रैली आयोजित की थी।

नीतीश सरकार में पक्षपात नहीं, न्याय होता है: केशव प्रसाद मौर्य

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ/पटना। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बिहार विधानसभा चुनाव के बीच मोकामा में हुई हिंसक वारदात और अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह मजबूत है और नीतीश कुमार की सरकार निष्पक्ष कार्रवाई कर रही है।

रविवार को मीडिया से बात. चीत में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि चुनाव के दौरान ऐसी घटना होना दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। लेकिन बिहार में कानून-व्यवस्था दुरुस्त है। नीतीश कुमार की सरकार में कोई पक्षपात नहीं होता, न्याय होता है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर गिरफ्तारी की, यह सुशासन की मिसाल है। राजद नेता तेजस्वी यादव के बयान पर भी केशव मौर्य ने पलटवार किया। तेजस्वी ने कहा था कि अगर राजद को बहुमत मिला, तो सभी विधायकों को मंत्री बनाया जाएगा।

इस पर मौर्य ने कहा कि अगर तेजस्वी यादव सभी विजई प्रत्याशियों को उपमुख्यमंत्री भी बना दें, तब भी राजद-कांग्रेस गठबंधन का बिहार में कोई भविष्य नहीं है। वे 50 का आंकड़ा पार कर लें, वही बड़ी बात होगी। मौर्य ने कहा कि बिहार की जनता अब परिवारवाद और भ्रष्टाचार की राजनीति से उब चुकी है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास और सुशासन के पक्ष में है। गौरतलब है कि मोकामा में आरजेडी समर्थक दुलार चंद यादव की हत्या के बाद से राजनीतिक माहौल गर्माया हुआ है। इस हत्या को लेकर सियासी बयानबाज़ी तेज़ हो गई है। विपक्ष इस घटना को 'सामाजिक न्याय बनाम मनुवाद' की लड़ाई बता रहा है, जबकि सत्तारूढ़ जेडीयू और भाजपा इसे कानून-व्यवस्था की सख्ती का परिणाम बता रहे हैं।

यूपी में चक्रवात मोंथा का प्रभाव समाप्त

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ प्रदेश में शुष्क मौसम, सुबह धुंध और कोहरा पड़ने की संभावना

लखनऊ। बंगाल की खाड़ी में बने गंभीर चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का प्रभाव अब समाप्त हो गया है। इसके प्रभाव से बीते सप्ताह उत्तर प्रदेश में मौसम में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया।

राज्य के कई हिस्सों जैसे आगरा, इटावा, बाराबंकी, झांसी और फुर्सतगंज (अमेठी) में अक्टूबर महीने में अधिकतम तापमान न्यूनतम स्तर तक दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के वैज्ञानिक डा. एके सिंह के अनुसार अब चक्रवात का असर समाप्त होने के साथ ही प्रदेश का मौसम धीरे-धीरे साफ़ हो रहा है। पिछले 24 घंटों में पश्चिमी और मध्य उत्तर प्रदेश के जिलों में अधिकतम तापमान में 3 से 7 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि आज पूर्वी उत्तर प्रदेश में तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी की संभावना व्यक्त की गई है। इसके बाद तापमान में किसी बड़े परिवर्तन की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार वर्तमान में प्रदेश में कोई सक्रिय मौसम तंत्रा नहीं है। ऐसे में आगामी एक सप्ताह तक मुख्यत: शुष्क मौसम बना रहेगा। हालांकि 4 से 5 नवम्बर के दौरान पश्चिमी हिमालई क्षेत्रा पर सक्रिय होने वाले पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश के उत्तरी भागों में आंशिक बादलों की आवाजाही संभव है।

मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि इस अवधि में न्यूनतम तापमान में पहले 48 घंटों में लगभग 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट, उसके बाद अगले 48 घंटों में करीब 2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि, और फिर क्रमिक रूप से 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की पुन: गिरावट दर्ज की जा सकती है। इसके साथ ही, 3 और 4 नवम्बर की सुबह राज्य के पूर्वांचल एवं उत्तरी तराई क्षेत्रों में कहीं-कहीं कम से मध्यम को. हरा और हल्की धुंध पड़ने की संभावना है। यह कोहरा प्रात:काल के समय सीमित रहेगा और सूर्योदय के बाद दिन चढ़ने के साथ समाप्त हो जाएगा। विभाग ने किसानों और आम नागरिकों को सलाह दी है कि इस दौरान दृश्यता कम होने पर सुबह के समय वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण बुजुर्गों और बच्चों को ठंड से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी गई है।

विद्यार्थियों को न्याय की मूल भावना को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा दी

न्याय से बढ़कर कुछ नहीं, अतिआत्मविश्वास से बचें

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ सुप्रीम कोर्ट के भावी मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने विधि स्नातकों को संबोधित किया

लखनऊ। डा. राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्व. विद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह रविवार को गरिमामय माहौल में सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट के भावी मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने विद्यार्थियों को न्याय की मूल भावना को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि किसी भी केस को जीतने से अधिक महत्वपूर्ण है उसमें न्याय मिलना।

विधि स्नातकों से उन्होंने कहा कि जीवन में आत्ममंथन अत्यंत आवश्यक है। क्या मेरी तैयारी पूरी थी? क्या मैंने बहस सही से की? जैसे सवाल खुद से पूछने की आदत सुधार की दिशा में पहला कदम है। जस्टिस सूर्यकांत ने अपने वकालत के दिनों का अनुभव साझा करते हुए कहा कि एक बार अतिआत्मविश्वास के कारण वह केस हार गए थे। उसके बाद से उन्होंने हर केस के लिए नोटबुक रखना शुरू किया, ताकि हर गलती से सीख ली जा सके। उन्होंने नए विधि स्नातकों को अतिआत्मविश्वास से बचने और विनम्रता बनाए रखने की सलाह दी। समारोह में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ ने विद्यार्थियों को तीन मंत्रा दिए मेहनत, ईमानदारी और खुशमिजाजी। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति इन तीन बातों का पालन करता है, वह जीवन में अवश्य सफल होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्राी योगी आदित्यनाथ ने की। उन्होंने कहा कि न्यायिक व्यवस्था जितनी सशक्त होगी, सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करना उतना ही आसान होगा। यही वह व्यवस्था है जिसे हमारे पूर्वजों ने रामराज्य कहा था। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि पहले हमारे डीजे के चैम्बर में एसी नहीं था।

आज ये लग्जरी नहीं, जरूरत है, ताकि जब बार को गुस्सा आए, तो एसी से गुस्सा ठंडा हो सके। मुख्यमंत्री ने सभी उपाधिधारकों के लिए गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि सत्य बोलना और धर्म का आचरण करना है।

मजबूत न्याय व्यवस्था ही सुशासन का आधार: सीएम योगी

लखनऊ। डा. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (आरएमएलएनएलयू) का चौथा दीक्षांत समारोह रविवार को आयोजित हुआ। इस मौके पर बीए-एलएलबी आनर्स, एलएलएम वन इयर, पीजीडीसीएल, पीजीडीआईपीआर पाठ्यक्रमों के मेधावियों को स्वर्ण, रजत और कांस्य सहित कुल 21 पदक दिए गए। इस दौरान 309 उपाधियां सफल विधार्थियों को दी गईं। इस मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर सुप्रीम के जस्टिस सूर्यकांत की मौजूदगी में मेधावियों ने न्याय की राह पर चलने का संलल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपाधियां अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि देश की मजबूत न्याय व्यवस्था ही सुशासन का आधार है।

समारोह में इलाहाबाद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण कुमार भंसाली, उच्च शिक्षा मंत्राी योगेंद्र उपाध्याय, विधायक डा. राजेश्वर सिंह और कुलपति प्रो. अमरपाल सिंह भी मौजूद रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पाठ्यक्रमों के 309 विद्यार्थियों को उपाधियां और 21 मेधावियों को स्वर्ण, रजत, कांस्य व स्मृति पदक प्रदान किए गए। विशेष स्वर्ण पदक पाने वालों में प्रदीप कुमार अग्रवाल, मुस्कान शुक्ला, दर्शिका पांडेय, धीरज दिवाकर और अभ्युदय प्रताप शामिल हैं। इस वर्ष 24 पीएचडी उपाधियां भी प्रदान की गईं।

प्रदेश में पर्याप्त खाद उपलब्ध: सूर्य प्रताप शाही

लखनऊ, वार्ता

उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किसानों को आश्वस्त किया कि रबी 2025-26 सीजन के लिए प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है, जिसे किसानों को उनकी जोत के अनुपात में उपलब्ध कराया जा रहा है।

रविवार को विभागीय अधिकारियों के साथ प्रदेश में खाद की अद्यतन उपलब्धता की समीक्षा करते हुए कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि एमएफएमएस पोर्टल के अनुसार 2 नवम्बर 2025 तक प्रदेश में कुल 35.68 लाख मीट्रिक टन उर्वरक प्राप्त हो चुका है, जिनमें से 9.77 लाख मीट्रिक टन की बिक्री की जा चुकी है। इस प्रकार राज्य में 25.91 लाख मीट्रिक टन का स्टॉक किसानों की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उपलब्ध है। यह मात्राा गत वर्ष की इसी अवधि में उपलब्ध 24.32 लाख मीट्रिक टन की तुलना में 1.59 लाख मीट्रिक टन अधिक है। रबी सीजन के लिए उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। वर्तमान में प्रदेश में 4.35 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 4.80 लाख मीट्रिक टन एनपीके, 12.71 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 3.03 लाख मीट्रिक टन एसएसपी तथा 1.02 लाख मीट्रिक टन एमओपी उपलब्ध है। इनमें से डीएपी की उपलब्धता गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में 1.94 लाख मीट्रिक टन अधिक है, जबकि एनपीके की मात्राा 2.60 लाख मीट्रिक टन अधिक है। सहकारी समितियों के पास वर्तमान में 5.27 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 1.80 लाख मीट्रिक टन डीएपी तथा 1.13 लाख मीट्रिक टन एनपीके का भंडार मौजूद है।

सेंसेक्स 84556.40
निफ्टी 25891.40

सोना रु. 125770
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 155000
प्रति किलो

आर्थिक आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में घरेलू अर्थव्यवस्था के आंकड़े और वैश्विक कारक बाजार को दिशा देंगे। आने वाले सप्ताह में विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़े जारी होने हैं।

इसके अलावा अक्टूबर के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और वाहनों की बिक्री से शनिवार को आए आंकड़ों का असर भी सोमवार को बाजार खुलने पर दिखेगा। वैश्विक स्तर पर भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता अब भी अटकी हुई है। साथ ही भू-राजनैतिक स्थिति में भी तनाव बना हुआ है। इसका असर भी शेयर बाजारों पर दिखेगा। बीते सप्ताह सोमवार और बुधवार को बाजार में तेजी रही, जबकि शेष तीन दिन गिरावट देखी गई। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के दौरान 0.32 प्रतिशत टूटकर सप्ताहांत पर 83,938.71 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 0.28 फीसदी की साप्ताहिक गिरावट में 25,722.10 अंक पर बंद हुआ। सप्ताह के दौरान बुधवार को दोनों प्रमुख सूचकांक अबतक की ऐतिहासिक ऊंचाई पर बंद हुए थे। मझौली और छोटी कंपनियों में लिवाली रहने से एनएसई का निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.61 प्रतिशत चढ़कर शुक्रवार को 17,006.30 अंक पर बंद हुआ। स्मॉलकैप-100 सूचकांक भी 0.70 अंक पर आ गया।

शीर्ष चार कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 95,447 करोड़ बढ़ा

मुंबई। शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बीच बीएसई की शीर्ष 10 में शामिल चार कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 95,447 करोड़ रुपए बढ़ गया, जबकि अन्य छह के संयुक्त एमकैप में 91,686 करोड़ रुपए की गिरावट दर्ज की गई। विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का एमकैप सबसे अधिक 47,431 करोड़ रुपए बढ़ी और उसका बाजार पूंजीकरण सप्ताह के दौरान 20 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक का एमकैप 30,092 करोड़ रुपए, भारती एयरटेल का 14,540 करोड़ रुपए और भारतीय जीवन बीमा निगम का 3,384 करोड़ रुपए बढ़ा। बाजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण सबसे अधिक 29,090 करोड़ रुपए घट गया।

विदेशी मुद्रा भंडार में 6.9 अरब डॉलर की गिरावट फिर भी रिकॉर्ड के करीब

नई दिल्ली। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार यानी फारेक्स रिजर्व में पिछले सप्ताह 6.925 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 24 अक्टूबर 2025 को समाप्त सप्ताह में देश का कुल भंडार घटकर 695.355 अरब डॉलर पर आ गया। हालांकि यह आंकड़ा अब भी सितम्बर 2024 के सर्वाधिक रिकॉर्ड स्तर 704.89 अरब डॉलर के करीब बना हुआ है। आरबीआई के अनुसार वो विदेशी मुद्रा संपत्तियां, जो भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा हैं, घटकर 566.548 अरब डॉलर रह गईं। इसमें 3.862 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं सोने के भंडार में भी 3.010 अरब डॉलर की कमी आई और यह 105.536 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह गिरावट वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और निवेशकों द्वारा सोने की मांग में बढ़ोतरी के चलते आई है। भले ही भंडार में गिरावट आई है, लेकिन यह अब भी स्थिर और मजबूत स्थिति में है।

चावल, दाल, खाद्य तेलों में साप्ताहिक गिरावट रही

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव घट गए। दालों और खाद्य तेलों की कीमतों में भी गिरावट रही जबकि गेहूं और चीनी के दाम कमोबेश स्थिर रहे। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 38 रुपए बढ़कर सप्ताहांत पर 3,826 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गई।

गेहूं 2,859.91 रुपए प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटे की कीमत छह रुपए गिरकर 3,318.60 रुपए प्रति क्विंटल रह गई। बीते सप्ताह सरसों तेल की औसत कीमत 111 रुपए प्रति क्विंटल टूट गई। पाम ऑयल में 18 रुपए की गिरावट रही। मूंगफली तेल 85 रुपए और सोया तेल 21 रुपए प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। सूरजमखी तेल की कीमत 14 रुपए और वनस्पति की 28 रुपए प्रति क्विंटल घट गई। दाल-दलहनों में मसूर दाल की औसत कीमत में 29 रुपए प्रति क्विंटल की साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। चना दाल की कीमत 13 रुपए और मूंग दाल की 50 रुपए प्रति क्विंटल घट गई। तुअर दाल 11 रुपए और उड़द दाल 62 रुपए प्रति क्विंटल टूट गई। मीठे के बाजार में सप्ताह के दौरान गुड़ के औसत भाव छह रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गए। वहीं चीनी के भाव में कमोबेश टिकाव रहा। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के औसत थोक भाव शनिवार को इस प्रकार रहे। दाल-दलहन: दाल चना 7859.91 रुपए, मसूर काली 8071.18 रुपए, मूंग दाल 10078.30 रुपए, उड़द दाल 10338.44 रुपए, तुअर दाल 10513.88 रुपए प्रति क्विंटल। अनाज: (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2859.91 रुपए और चावल 3826 रुपए प्रति क्विंटल। चीनी-गुड़: चीनी एस 4326.43 रुपए और गुड़ 5039.27 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए। खाद्य तेल: सरसों तेल 17778.60 रुपए, मूंगफली तेल 17536.92 रुपए, सूरजमुखी तेल 15624.98 रुपए, सोया तेल 13751.96 रुपए, पाम ऑयल 12509.23 रुपए और वनस्पति 14476.94 रुपए प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

आढ़ती-मुनीम किसानों का आठ करोड़ लेकर फरार

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश में पीलीभीत मंडी समिति से लगभग आठ करोड़ रुपए लेकर फरार आरोपी आढ़ती और उसके मुनीम के विरुद्ध पुलिस ने कानूनी कार्रवाई की है। शाहजहांपुर जनपद के दो पीड़ित किसानों की शिकायत पर पुलिस ने धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। मंडी सचिव प्रवीण अवस्थी के अनुसार आढ़ती का लाइसेंस निलंबित किया जा चुका है। इस बीच आढ़ती संगठन ने भी उनकी सदस्यता समाप्त कर दी है।

शाहजहांपुर जिले के निगोही थाना क्षेत्र के ग्राम संडा खास निवासी संदीप कुमार और हरीश कुमार ने सुनगढ़ी पुलिस को संयुक्त दी। उन्होंने आरोप लगाया कि पीलीभीत की मंडी समिति में बालमुकुंद राममूर्ति आढ़त कृषि मंडी के आढ़ती प्रियांशु अग्रवाल (पुत्र सुरेंद्र कुमार अग्रवाल) और उनके मुनीम अरुण कुमार ने उनके धान की बिक्री का भुगतान नहीं किया। हरीश कुमार ने 7 अक्टूबर को 140 क्विंटल धान 1910 रुपए प्रति क्विंटल की दर से बेचा था। इसी प्रकार संदीप कुमार ने 17 और 19 अक्टूबर को कुल 1280 क्विंटल धान उसी आढ़त पर बेचा था। इन दोनों किसानों को उनके धान की बिक्री का भुगतान नहीं मिला। भुगतान न मिलने पर किसानों ने आढ़ती से मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया। जब वे मंडी समिति पहुंचे, तो आढ़त पर ताला लगा मिला। पूछताछ करने पर उन्हें पता चला कि प्रियांशु और मुनीम अरुण कई किसानों के लगभग आठ करोड़ रुपए लेकर फरार हो गए हैं। उनके मोबाइल नंबर भी बंद आ रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सुनगढ़ी नरेश कुमार त्यागी ने मीडिया को बताया पुलिस ने दोनों किसानों की तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है। धोखधड़ी प्रकरण की विवेचना आसाम रोड चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक रविंद्र बालियान को सौंपी गई है।

दो वर्षीय बच्ची को दबोच ले गया भेड़िया, गांव में मचा हड़कंप

बहराइच। उत्तर प्रदेश के जनपद बहराइच के फखरपुर थाना क्षेत्रा के ग्राम पंचायत कंदौली में रविवार की सुबह भेड़िए ने एक बार फिर हमला कर दो वर्षीय बालिका को दबोच लिया और खेत की ओर भाग गया। घटना से पूरे गांव में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल है। लगभग 20 दिन बाद हुई इस दूसरी घटना से ग्रामीणों में भय व्याप्त हो गया है।

योगी ने नाव हादसे के पीड़ितों से की मुलाकात पुनर्वास व मुआवजे का दिया आश्वासन

बहराइच। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को बहराइच जिले का दौरा किया और हाल ही में कौड़ियाला नदी में नाव पलटने से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। इस दु:खद हादसे में एक महिला की मौत हो गई थी, जबकि आठ लोग लापता हो गए थे। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों को हरसंभव सरकारी मदद का आश्वासन दिया, साथ ही उनके लिए पुनर्वास, आवास और मुआवजे की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दोपहर करीब 2:50 बजे मिहींपुरवा तहसील पहुंचे। यहां उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से रेस्क्यू ऑपरेशन की विस्तृत जानकारी ली और नाव दुर्घटना स्थल का हवाई सर्वेक्षण भी किया। पीड़ित परिवारों से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने उन्हें सांत्वना दी और एक बड़ी राहत की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गांव वालों के पुनर्वास की व्यवस्था की जाएगी। एक कॉलोनी बनाकर दी जाएगी। इनके लिए सभी प्रकार की सुविधाएं और बाजार उपलब्ध होंगे। इसके लिए जमीन लेकर इनके रहने की व्यवस्था की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि नाव हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों के लिए जमीन, राशि और आवास की सुविधा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया अगले एक महीने में पूरी करने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने नाव हादसे में जान गंवाई है, उनके परिवार के प्रति हमारी संवेदना है। उनकी दु:ख की इस घड़ी में हम परिवार के साथ में हैं। उनकी सारी मदद सरकार करेगी। मुख्यमंत्री योगी ने इस दौरान वन्य ग्रामों में रह रहे लोगों की सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि अगर वन्य गांव या कोई ऐसी जगह है, जहां लोग घने जंगलों में रहने को मजबूर हैं। उन्हें वहां से विस्थापित कर सुरक्षित जगह पर रहने की व्यवस्था करेंगे। जिससे आनी वाली पीढ़ियां अपना सुरक्षित जीवन यापन कर सकेंगी। उन्होंने यह कहते हुए पीड़ित परिवारों के साथ खड़े रहने का विश्वास दिलाया कि इस दुख की घड़ी में सरकार और जनप्रतिनिधि पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहे फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

CMYK

लोक संस्कृति के रंग में रंगी देवभूमि उत्तराखंड

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । उत्तराखंड में रविवार को सोशल मीडियापर रुफ्हेंस्वाचंतअॅपजीकींउप जमकर ट्रेंड हुआ। इस ट्रेंड के जरिए प्रदेश की जनता मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के उस प्रयास की सराहना कर रही है, जिसके तहत राज्य की लोक संस्कृति, परंपराओं और पर्वों को नई पहचान दी जा रही है।

लोक संस्कृति को संजीवनी

मुख्यमंत्री धामी ने इस अवसर पर कहा कि "हमारे पर्व हमारी पहचान हैं, इन्हें संजोना और आगे बढ़ाना हम सबका कर्तव्य है।" उनकी इस पहल से प्रदेशभर में यह संदेश गया कि उत्तराखंड की लोक परंपराएं केवल इतिहास का हिस्सा नहीं, बल्कि आज की पीढ़ी की जीवनशैली का गर्वपूर्ण प्रतीक हैं।

लोक पर्वों को मिला सम्मान

मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में इस बार ईगास-बग्वाल पर्व को पूरे उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। प्रदेश सरकार ने ईगास पर्व पर सार्वजनिक अवक. ाश घोषित किया, जिससे न केवल सरकारी स्तर पर बल्कि जन-जन तक पर्व की खुशियां फैल सकीं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री धामी पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने उत्तराखण्ड के लोकपर्व ईगास पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करना शुरू किया है। मुख्यमंत्री आवास देहरादून में भी ईगास पर्व की भव्य झलक देखने को मिली, पारंपरिक वेशभूषा, लोकगीत, नृत्य और पहाड़ी व्यंजनों के बीच पूरा परिसर लोकसंस्कृति के रंग में रंग गया।

सोशल मीडिया पर जनता की प्रतिक्रियाएं

(ट्विटर) और इंस्टाग्राम पर रुफ्हेंस्वाचंतअॅपजीकींउप हैशटैग के तहत हजारों लोगों ने मुख्यमंत्री के इस कदम की सराहना की। कुछ यूजर्स ने लिखा कि सीएम धामी ने पर्वों को सिर्फ परंपरा नहीं, पहचान बना दिया, तो किसी ने कहा कि ईगास पर सार्वजनिक अवकाश देकर सरकार ने अपनी संस्कृति को सम्मान दिया। मुख्यमंत्री धामी की इस पहल ने साबित किया है कि विकसित उत्तराखंड की राह केवल आधुनिक विकास से नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़ाव से भी होकर गुजरती है। ईगास पर्व का यह उत्सव जनभावनाओं, संस्कृति और सरकार की संवेदनशीलता का अद्भुत संगम बन गया ख्र जहाँ "विकास और विरासत" दोनों एक साथ दिखे।

आदि कैलाश में हाई एल्टीट्यूड अल्ट्रा रन मैराथन का आयोजन

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

पिथौरागढ़/ देहरादून। उत्तराखंड के पौराणिक और आध्यात्मिक धरोहर स्थल आदि कैलाश की पवित्र छाया में आज राज्य की पहली हाई एल्टीट्यूड अल्ट्रा रन मैराथन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित यह आयोजन उत्तराखंड की साहसिक खेल क्षमता, प्राकृतिक धरोहर और पर्यटन संभावनाओं के नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है।

यह 60 किलोमीटर लंबी अल्ट्रा रन आदि कैलाश से प्रारंभ हुई, जिसमें देश के 22 राज्यों से 700 से अधिक धावकों ने भाग लिया। ऊँचाई, कठोर मौसम और चुनौतीपूर्ण हिमालयी ट्रैक के बीच प्रतिभागियों ने अदम्य साहस, धैर्य और फिटनेस का अद्भुत प्रदर्शन किया।प्रतिभागियों ने उत्तराखंड सरकार और जिला प्रशासन द्वारा की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की जमकर प्रशंसा की। धावकों ने कहा कि

आईटीबीपी तथा भारतीय सेना का सहयोग और मार्गदर्शन अतुलनीय रहा, जिसने इस कठिन रूट पर आयोजन को सफल और सुरक्षित बनाया। प्रतिभागियों एवं स्थानीय लोगों ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आदि कैलाश आगमन के बाद इस क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों में तेजी आई है। प्रधानमंत्री के हिमालयी क्षेत्रों में शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण और राज्य सरकार के सतत प्रयासों से सीमांत क्षेत्र में साहसिक पर्यटन, धार्मिक पर्यटन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल रही है। कार्यक्रम में

सीमांत क्षेत्रों का विकास हमारी प्राथमिकता है। अल्ट्रा मैराथन जैसे आयोजन न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देते हैं बल्कि युवा पीढ़ी में साहसिक खेलों के प्रति उत्साह भी पैदा करते हैं। आने वाले समय में उत्तराखंड साहसिक खेलों और पर्वतीय पर्यटन का वैश्विक केंद्र बनेगा।"

पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री उत्तराखंड

सचिव पर्यटन, आईटीबीपी अधिकारी श, जिला प्रशासन, पुलिस विभाग के अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान स्थानीय जनता में भारी उत्साह देखने को मिला और हजारों लोगों ने धावकों का उत्साहवर्धन किया। रजत जयंती वर्ष के अवसर पर यह आयोजन उत्तराखंड की ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में दर्ज हुआ है, जो राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में एडवेंचर टूरिज्म और खेल संस्कृति को नई ऊँचाई प्रदान करेगा। आदि कैलाश जैसे पवित्र और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थल से इस साहसिक पहल की शुरुआत को दूरगामी परिणामों वाला कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आदि कैलाश में पहली हाई एल्टीट्यूड अल्ट्रा रन मैराथन के सफल आयोजन पर सभी प्रतिभागियों, आयोजनकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों को बधाई देते हुए कहा कि " 'यह आयोजन उत्तराखंड के लिए गर्व का क्षण है। आदि कैलाश जैसे पवित्र व आध्यात्मिक धाम में आयोजित यह ऐतिहासिक अल्ट्रा रन न केवल साहस और समर्पण की मिसाल है, बल्कि यह सीमांत क्षेत्रों में साहसिक पर्यटन और खेल संस्कृति को नई दिशा देगा। राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यह आयोजन उत्तराखंड के उज्ज्वल भविष्य और असीम संभावनाओं का प्रतीक है।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और उनके द्वारा आदि कैलाश में किए गए दर्शन के बाद इस संपूर्ण क्षेत्र में पर्यटन और आध्यात्मिक गतिविधियों को अभूतपूर्व प्रोत्साहन मिला है। राज्य सरकार भी प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में हिमालयी और शीतक. ालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

विद्यार्थी राष्ट्र-निर्माण में निभाएं सक्रिय भूमिका : राष्ट्रपति

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार के द्वितीय दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित किया। रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 1454 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। 62 शोधार्थियों को विद्या वारिधि और 3 शोधार्थियों को विद्या वाचस्पति की उपाधि प्रदान की गई, जबकि 615 विद्यार्थियों को परास्नातक और 774 विद्यार्थियों को स्नातक की उपाधि प्रदान की गई। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि.) ने राष्ट्रपति को राष्ट्रपति भवन की विविध वनस्पतियों पर आधारित दो पुस्तकें 'फ्लोरा ऑफ राष्ट्रपति भवन' एवं 'मेडिसिनल प्लांट्स ऑफ राष्ट्रपति भवन' की प्रतिलिपियाँ भी भेंट कीं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने पदक प्राप्त विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के जीवन-निर्माण में योगदान देने वाले अध्यापकों और अभिभावकों का भी विशेष अभिनंदन किया जाना चाहिए। उन्होंने खुशी जताई कि इस वर्ष

■ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार के द्वितीय दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त विद्यार्थियों को किया सम्मानित

उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों में 64 प्रतिशत बेटियाँ हैं तथा पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं की संख्या छात्रों की तुलना में चार गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विक. सित भारत के उस स्वरूप का परिचायक है ,जिसमें महिलाएँ नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय महर्षि पतंजलि की तप, साधना और ज्ञान परंपरा को आधुनिक समाज के लिए सुलभ बना रहा है। विश्वविद्यालय योग, आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान के माध्यम से स्वस्थ भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

उन्होंने विश्वविद्यालय की भारत-केन्द्रित शिक्षा-दृष्टि की सराहना करते हुए कहा कि इसमें विश्व बंधुत्व की भावना, वैदिक ज्ञान एवं आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण का समन्वय और वैश्विक चुनौतियों के समाधान जैसी विशेषताएँ निहित हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से वसुधैव कुटुंबकम् की भावना पर आधारित जीवन-मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान-प्राप्ति नहीं है, बल्कि सदाचार, तपस्या, सरलता और कर्तव्यनिष्ठा जैसे जीवन-मूल्यों को आत्मसात करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को न केवल आत्म-विकास बल्कि राष्ट्र-निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। गंगा तट पर स्थित हरिद्वार की सांस्कृतिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि ये पवित्र स्थल ज्ञान और अध्यात्म का संगम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी स्वाध्याय और तपस्या जैसे आदर्शों का पालन करते हुए स्वस्थ, संस्कारित और समरस समाज के निर्माण में योगदान देंगे।कार्यक्रम में पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार के कुलाधिपति स्वामी रामदेव, कुलपति आचार्य बालकृष्ण, सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, डॉ. कल्पना सैनी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

राष्ट्रपति का जीवन हम सबके लिए प्रेरणा स्रोतः सीएम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का देवभूमि उत्तराखंड की सवा करोड़ देवतुल्य जनता की ओर से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने सदैव अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए समाज के वंचित, शोषित एवं पिछड़े वर्गों के सशक्तिकरण के लिए कार्य किया है। हाल ही में जब उन्होंने लड़ाकू विमान 'राफेल' में उड़ान भरी, तो पूरे देश ने उनके अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और दृढ़ संकल्प का प्रेरक उदाहरण देखा। उनके व्यक्तित्व में मातृत्व की ममता, सेवा का संकल्प और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण का अद्भुत संगम निहित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हम सभी उत्तराखंडवासियों का सौभाग्य है कि राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के इस ऐतिहासिक अवसर पर हमें राष्ट्रपति का सान्निध्य और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है।

उत्तराखंड योग, आयुर्वेद और अध्यात्म का प्राण-केंद्रः राज्यपाल

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि.) ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए उनके देवभूमि आगमन को गर्व का क्षण बताया। राज्यपाल ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड केवल एक राज्य नहीं, बल्कि योग, आयुर्वेद और अध्यात्म का प्राण-केंद्र है। इस पवित्र धरती से प्रचलित योग और आयुर्वेद की परंपरा ने न केवल भारत को, बल्कि समूचे विश्व को स्वास्थ्य, संतुलन और सद्भाव का संदेश दिया है। उत्तराखंड की यह ऋषि-परंपरा आज भी हमें यह प्रेरणा देती है कि ज्ञान का सर्वोच्च उद्देश्य केवल आत्म-विकास नहीं, बल्कि विश्व-कल्याण है।

गोरखा दशै-दीपावली महोत्सव एवं राजकीय मेला-2025 का समापन

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले गोरखा दशै-दीपावली महोत्सव एवं राजकीय मेला-2025 का आज रविवार को भव्य, जोशीले अंदाज तथा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की बेहतरीन मधुर संध्या के साथ समापन हो गया है ု गोरखा समुदाय की संस्कृति को बढ़ावा देने एवं समाज में आपसी सद्भाव-सौहार्द स्थापित करने के मूल उद्देश्य को लेकर वीर गोरखा कल्याण समिति का यह भव्य आयोजन सभी के लिए कई सकारात्मक संदेश भी दे गया है ု गोरखा दशैं दीपावली महोत्सव में आज समापन अवसर पर भी बहुत ही मनमोहक अंदाज वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने जमकर रंग जमाया और कोई कोर कसर नहीं छोड़ी ု मेला समापन कार्यक्रम में मुख्य रूप से दिल्ली के पुलिस कमिश्नर अतुल कटियार, वीर गोरखा कल्याण समिति के संरक्षक ई० मेग बहादुर थापा, मेजर बीपी थापा, मेजर अमर राई,गोरखाली सुधार सभा के अध्यक्ष पदम सिंह थापा, वीर गोरखा कल्याण समिति के मुख्य संरक्षक लेफ्टिनेंट जनरल राम सिंह प्रधान, वीर गोरखा कल्याण समिति के अध्यक्ष कमल थापा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष उर्मिला तमांग, उपाध्यक्ष सूर्य बिक्रम शाही, महासचिव विशाल थापा, कोषाध्यक्ष/मीडिया प्रभारी टेकु थापा, सचिव देविन शाही, सह-सचिव आशु थापा, सांस्कृतिक सचिव देव कला दिवान, सह सांस्कृतिक सचिव करमिता थापा, संगठन मंत्री लोकेश बन, सोनु गुरुंग, सदस्य पूरन बहादुर थापा, यामु राना, सोना शाही, ज्योति राना , बबिता गुरुंग ,एनबी थापा, बुद्धेश राई, मीन गुरुंग, मौजूद रहे।

मेले के समापन समारोह में वीर गोरखा कल्याण समिति के महासि. चव विशाल थापा ने उत्तराखंड प्रशासन, बिजली विभाग, अग्निशमन विभाग एवं समस्त प्रशासनिक अधिकारियों सफल आयोजन में सहयोग करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा यह हमारे संस्कृति, रीति रिवाज, पहनावा, बोली, खानपान सभी को संरक्षित करने का एक मुहिम है और हम चाहते हैं कि हमारी आने वाले जेन. रेशन उन सभी पारंपरिक चीजों को लेकर अपने साथ चले। वहीं वीर गोरखा कल्याण समिति के कोषाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी टेकू थापा ने महोत्सव में भाग लेने वाले सभी कलाकारों, स्पॉन्सरस, समिति के सदस्य, वॉलिंटियर्स एवं समस्त सहयोगियों को इस मेले के सफल आयोजन में सहयोग करने के लिए धन्यवाद दिया।

प्राथमिक शिक्षकों के 2100 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्राथमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत सहायक अध्यापकों के रिक्त 2100 पदों के सापेक्ष भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दे दिये गये हैं। जिसके तहत जनपदवार रिक्तियों के सापेक्ष आवेदन पत्र आमंत्रित किये जायेंगे। इस संबंध में निदेशक प्राथमिक शिक्षा को भर्ती प्रक्रिया शुरू कराने के आदेश दे दिये गये हैं।

सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी बयान में बताया कि वर्तमान में प्रदेश में प्राथमिक शिक्षकों के करीब 2100 पद रिक्ति चल रहे हैं, जिनमें से लगभग 451 पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्व से ही उच्च न्यायालय में निर्णयाधीन है। इन पदों को छोड़कर शेष 1649 रिक्त पदों के सापेक्ष भर्ती

प्रक्रिया शुरू करने हेतु निदेशक प्राथमिक शिक्षा को निर्देश दे दिये गये हैं। डॉ. रावत ने बताया कि प्राथमिक शिक्षकों का जनपद कैडर होने के कारण भर्ती संबंधी विज्ञप्ति भी जिला स्तर से ही जारी की जानी है। जिसके तहत जिला शिक्षा अधिकारी बेसिक के स्तर से जनपदवार रिक्तियों के सापेक्ष आवेदन मांगे जायेंगे। उन्होंने बताया कि सरकार प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से पिछले दो वर्षों से प्राथमिक

■ विभागीय मंत्री डॉ. रावत के निर्देश पर शासन ने जारी किये आदेश, रिक्तियों के सापेक्ष जनपदवार शीघ्र मांगे जायेंगे आवेदन

शिक्षकों की निरंतर नियुक्ति कर रही है। जिसके तहत 3000 से अधिक रिक्त पदों को भरा जा चुका है। जबकि कुछ अभ्यर्थियों द्वारा एनआईओएस डीएलएड को शामिल करने को लेकर न्यायालय में चले जाने के कारण भर्ती प्रक्रिया बाधित हो गई थी। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के उपरांत राज्य कैबिनेट ने बेसिक शिक्षक सेवा नियमावली में आवश्यक संशोधन कर वर्ष 2017 से 2019 एनआईओएस डीएलएड प्रशिक्षुओं को प्राथमिक शिक्षक भर्ती में शामिल करने के साथ ही सहायक अध्यापक (विशेष शिक्षा) के पदों को नियमावली में शामिल कर लिया है। जिससे प्राथमिक शिक्षक आगामी भर्ती में इन अभ्यर्थियों को भी मौका मिलेगा। इस संबंध में शासन स्तर से भी निदेशक प्राथमिक शिक्षा को आदेश जारी कर दिये गये हैं, ताकि भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र प्रारम्भ किया जा सके। डॉ. रावत ने बताया कि प्राथमिक शिक्षकों की उक्त भर्ती प्रक्रिया सम्पन्न होने के बाद प्रदेश के सभी प्राथमिक विद्यालयों में शत-प्रतिशत शिक्षकों की तैनाती हो सकेगी, जिससे प्राथमिक शिक्षा के ढांचे को और मजबूत किया जा सकेगा।

विभिन्न बैंको ने वित्तीय जागरूकता अभियान चलाया

देहरादून। इंडियन बैंक की और से उत्तराखंड के ऋषिकेश में वित्तीय जागरूकता, पुनः-केवाईसी और बधिरता पर एक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में इंडियन बैंक की आरबीआई नामित निदेशक के. निखिला की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में कॉर्पोरेट मुख्य महाप्रबंधक एसएसपी रॉय, फील्ड महाप्रबंधक आरएस सरकार और विभिन्न बैंकों जैसे एसबीआई, पीएनबी, बीओबी, आईओबी, बीओआई, बीओएम, नाबार्ड, उत्तराखंड ग्रामीण बैंक आदि के अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में सभी बैंकों के बड़ी संख्या में ग्राहक भी उपस्थित थे।इंडियन बैंक, पीएनबी, आईओबी, बीओआई और अन्य बैंकों की और से अलग-अलग स्टॉल पर लाइव प्रदर्शन और केवाईसी अपडेशन भी किया गया।

राष्ट्रपति निकेतन में आधुनिक्ता की उड़ानः मुर्मू ने किया लोकार्पण

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून, उत्तराखंडः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को उत्तराखंड की राजधानी देहरादून स्थित राष्ट्रपति निकेतन में दो नई और महत्त्वपूर्ण सुविधाओं- एक आकर्षक फुट ओवर ब्रिज और एक आधुनिक घुड़सवारी क्षेत्र का लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं ने राष्ट्रपति निकेतन परिसर को सुरक्षा, आधुनिकता और हिमालयी स्थापत्य कला के एक अनूठे संगम के रूप में स्थापित कर दिया है।

9 करोड़ की लागत से बना शहिमालयी डिजाइनश का फुट ओवर ब्रिज

राजपुर रोड पर निर्मित 105 फीट लंबा पैदल पार पुल स्थानीय वास्तुकला का शानदार उदाहरण है। इसे मात्र छह माह में राज्य लोक निर्माण विभाग द्वारा ७9 करोड़ की लागत से तैयार किया गया है। इसे षहिमालयी डिजाइन की आधुनिक मिसालष कहा जा रहा है, जो राष्ट्रपति निकेतन और आगामी राष्ट्रपति उद्यान के बीच निर्बाध और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करेगा। रैंप और रेलिंग सहित इसका डिजाइन इसे सभी आयु वर्गों के लिए सुगम और सुरक्षित बनाता है।

राष्ट्रपति के अंगरक्षकों के घोड़ों का नया ठिकाना,

राष्ट्रपति ने इसके बाद राष्ट्रपति निकेतन परिसर में विकसित अत्याधुनिक घुड़सवारी क्षेत्र का उद्घाटन किया। 0.7 एकड़ में फैले इस क्षेत्र का विकास सीपीडब्ल्यूडी ने किया है, जहाँ राष्ट्रपति अंगरक्षकों के 8 चयनित घोड़े रखे जाएंगे। इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मू ने घोड़ों को स्वयं घास खिलाई और उनके रखरखाव की जानकारी ली।

राष्ट्रपति ने उठाया लो. कसंगीत का आनंद

देर शाम राष्ट्रपति ने उत्तराखंड संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित एक सांस्कृतिक संध्या में शिरकत की। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। राष्ट्रपति ने उत्तराखंड के लोकसंगीत और लोकनृत्य की प्रस्तुतियों का आनंद लिया और कलाकारों से मिलकर उनका उत्साह बढ़ाया।यह लोकार्पण उत्तराखंड के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण रहा, जहाँ आधुनिक अवसं. रचना ने हिमालयी परंपरा का सम्मान करते हुए राष्ट्रपति निकेतन को भविष्य के लिए तैयार किया है।

25 वर्षों में गांव-गांव खुले स्कूल, बदली शिक्षा की तस्वीर

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखंड राज्य गठन के बाद विगत 25 वर्षों में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था सीमित संसाधन, विषम भौगोलिक परिस्थितियां, विद्यालयों तक पहुंच और ड्राप आउट जैसी चुनौतियों के बावजूद न सिर्फ मजबूत हुई है बल्कि कई क्षेत्रों में मील के पत्थर भी स्थापित किये हैं। शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिये राज्य सरकार ने कई सुधारात्मक कदम उठाये। इसके अलावा राज्य में भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं सर्व शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान, साक्षर भारत कार्यक्रम, नव भारत साक्षरता कार्यक्रम, पीएम श्री योजना, पीएम जनमन कार्यक्रम और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान आदि का सटीक क्रियान्वयन कर गांव-गांव तक शिक्षा का उजियारा फैलाया।

बस्तियों तक बनी शिक्षा की पहुंच

राज्य में आज 97 फीसदी बस्तियों में एक किलोमीटर की परिधि में प्राथमिक विद्यालय जबकि 98 फीसदी बस्तियों में तीन किलोमीटर की परिधि में उच्च प्राथमिक विद्यालय, 92 फीसदी बस्तियों में 5 किमी की परिधि में हाईस्कूल एवं 94 फसदी बस्तियों में 7 किमी की परिधि में इंटरमीडिएट विद्यालयों की पहुंच है। शेष बस्तियां मानक पूरे न होने के कारण विद्यालय खुलने से वंचित रह गई हैं। जबकि राज्य गठन के उपरांत प्राथमिक स्तर के 18 फीसदी एवं माध्यमिक स्तर पर 26 फीसदी नये विद्यालय खोले गये हैं।

राष्ट्रीय औसत से अधिक प्रदेश की जीईआर

राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों तक विद्यालय खोले जाने से राज्य गठन के बाद सकल नामांकन अनुपात (ग्रॉस एनरॉलमेंट रेसियो-जीईआर) में अत्याधिक सुधार हुआ है। विशेषकर उच्च प्राथमिक स्तर पर यह अनुपात

80 से लेकर 104 प्रतिशत तथा माध्यमिक स्तर पर 56 से 93 प्रतिशत तक हो गया है। जो कि वर्तमान स्थितियों में शैक्षिक सूचकांकों के क्रम में राज्य का प्रदर्शन कुल राष्ट्रीय औसत से अच्छा है।

बोर्ड परीक्षा परिणामों में बढ़ा उत्तीर्ण प्रतिशत

राज्य गठन के बाद विद्यालय शिक्षा की पहुंच आसान होने, जन जागरूकता, विद्यालयों में संसाधनों की प्रयाप्त उपलब्धता, शिक्षकों के प्रशिक्षण आदि के परिणाम स्वरूप छात्र-छात्राओं के बोर्ड परीक्षा परिणामों में निरंतर सुधार हुआ है। जहां एक ओर राज्य गठन के समय हाईस्कूल स्तर पर बोर्ड परीक्षा में छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत मात्र 32.6 फीसदी था वहीं वर्तमान में यह प्रतिशत 90.8 फीसदी हो गया है। इसी प्रकार इंटरमीडिएट स्तर पर बोर्ड परीक्षा में छात्रों का तत्कालीन उत्तीर्ण प्रतिशत 61.2 था जो अब 83.3 फीसदी हो गया है।

भौतिक संसाधन सम्पन्न बने विद्यालय

राज्य गठन के बाद विद्यालयों में भौतिक संसाधनों का चरणवद्ध ढंग से विकास किया गया। जिसके परिणाम स्वरूप वनभूमि क्षेत्रांतर्गत आने वाले 0.5 फीसदी विद्यालयों को छोड़कर शेष सभी विद्यालयों में भवन निर्माण कराये गये। जहां पर शत प्रतिशत विद्यालयों में बच्चों के बैठने के लिये फर्नीचर उपलब्ध है। करीब 98 फीसदी विद्यालयों में बालक-बालि. कों के लिये शौचालय, 99 फीसदी विद्यालयों में पेयजल सुविधा तथा 95 फीसदी विद्यालयों में विद्युतीकरण आदि सुविधाएं उपलब्ध हैं। ढांचागत विकास में प्रगति के लिये राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर विद्यालयी शिक्षा के बजट में वृद्धि की जाती रही है। जहां राज्य गठन के समय प्रारम्भिक स्तर पर 342 करोड़ का बजट स्वीकृत था वहीं वर्तमान में 4384 करोड़ हो गया है। इसी प्रकार माध्यमिक स्तर पर बजट 323 करोड़ से बढ़कर 7017 करोड़ हो गया है।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार को कई योजनाएं लागू'

राज्य की शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार के लिये राज्य गठन के बाद समय-समय पर विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों का क्रियान्वयन किया गया। जिसके संतोषजनक परिणाम मिले हैं। उदाहरण स्वरूप वर्ष 2003-04 में राज्य के दूर्गम एवं दूरस्थ क्षेत्रों के प्रतिभावान बालक-बालिकों को गुणवतापरक शिक्षा प्रदान करने के लिये एक-एक आवासीय विद्यालय राजीव गांधी नवोदय विद्यालय नाम से स्थापित किये गये। जिसका सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। इसी प्रकार वर्ष 2015-16 में राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में 04 राजीव गांधी अभिनव आवासीय विद्यालय व प्रत्येक विकासखंड में दो-दो मॉडल स्कूल विकसित किये गये।

अल्मोड़ा में चलेगा पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल लाइफ सर्टिपिफकेट अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून : पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय 01 से 30 नवंबर, 2025 तक राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (डीएलसी) अभियान 4.0 आयोजित करेगा। सरकार के पेंशनभोगियों के डिजिटल सशक्तिकरण के दृष्टिकोण के तहत यह अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है, जो डिजिटल इंडिया और ईज ऑफ लिविंग मिशन के साथ जुड़ा हुआ है।

इसी कड़ी में 3 नवम्बर को अल्मोड़ा के माल रोड स्थित हेड पोस्ट ऑफिस मेम डीएलसी कैंप का आयोजन किया जाएगा । डीएलसी अभियान 4.0 का उद्देश्य संतृप्ति-आधारित आउटरीच दृष्टिकोण के साथ 2,000 से अधिक शहरों और कस्बों में दो करोड़ पेंशनभोगियों तक पहुंचना है। इस अभियान में आधार-आधारित फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक के उपयोग पर बल दिया जाएगा, जिससे पेंशनभोगियों को बायोमेट्रिक उपकरणों पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा और वे स्मार्ट फोन द्वारा घर बैठे आसानी से अपना जीवन प्रमाणपत्र जमा कर सकेंगे। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की डोरस्टेप डीएलसी सेवा के माध्यम से अति-वरिष्ठ और दिव्यांग पेंशनभोगियों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम (24 नवंबर, 2024) और संविधान दिवस संबोधन (26 नवंबर, 2024) में भी इस बात पर बल दिया कि डिजिटल भारत की नई पहलों जैसे डिजिटल प्रमाणपत्र द्वारा देशभर के वरिष्ठ नागरिकों की पेंशन प्रक्रिया को आसान बनाया जा रहा है।

CMYK

मुख्यमंत्री कल काशीपुर में

प्रदेश स्तरीय निकाय सम्मेलन में शिरकत करेंगे पुष्कर सिंह धामी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मंगलवार, 4 नवंबर को यहां राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती पर शहरी विकास विभाग उत्तराखंड सरकार द्वारा राज्य के सभी नगर निगमों के मेयर, समस्त नगर पालिकाओं व नगर पंचायतों के अध्यक्षों व नगर आयुक्त और अधिशाषी अधिकारीगणों के काशीपुर में होने जा रहे एक दिवसीय सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करेंगे। यह सम्मेलन रामनगर रोड स्थित काशीपुर के अनन्या होटल में आयोजित होगा, जिसका मुख्य उद्देश्य निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के सुझाव और कार्य करने में आ रही दिक्कतों पर अपना अभिमत रखना और उसके निदान की दिशा में रणनीति बनाया जाना है। होटल अनन्या में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मीडिया को जानकारी देते हुए काशीपुर भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज पाल व नगर निगम महापौर दीपक बाली ने बताया कि उक्त एक दिवीसय सम्मेलन तीन सत्र में होगा व सम्मेलन के प्रथम सत्र में प्रातः 9 बजे से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उपस्थित होंगे और अपना सम्बोधन देंगे। दूसरे सत्र में शहरी विकास विभाग द्वारा बनाई गयी विकास योजनाओं का विमोचन किया जायेगा, जबकि तीसरे सत्र में मेयर, चेयरमैन और नगर पंचायत के अध्यक्ष और अधिकारीगण अपना सम्बोधन एवं सुझाव देंगे। इस दौरान प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी। महापौर बाली ने बताया कि यह सम्मेलन कुमाऊं में पहली बार होने जा रहा है कि जिसे आयोजित करने का सौभाग्य नगर निगम काशीपुर को मिला है। उन्होंने कहा कि हम अतिथिगण के स्वागत के लिए तैयार हैं। कहा कि यह सम्मेलन युवाओं के लिए मील का पत्थर साबित होगा। सम्मेलन में प्रदेश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट एवं अन्य प्रदेश पदाधिक. ारी भी उपस्थित रहेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भाजपा प्रदेश प्रवक्ता गुरविन्दर सिंह चण्डोक, संयोग चावला, गंधार अग्रवाल, चौधरी समरपाल, लवीश अरा. ेरा, अमित सिंह, बिट्टू राणा आदि उपस्थित थे।

काशीपुर में पहली बार किया गया इगास बग्वाल उत्सव का भव्य आयोजन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। उत्तराखंड की लोक संस्कृति और पारंपरिक धरोहर को जीवंत करने के उद्देश्य से काशीपुर में पहली बार इगास बग्वाल उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन पहाड़ी स्वराज संघ के तत्वावधान में किया गया, जिसमें शहर और आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों से भारी संख्या में लोग पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। छोटे-छोटे नौनिहालों ने जब मंच पर कदम रखा, तो दर्शक दीर्घा तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठी। इसके बाद स्थानीय महिलाओं ने पारंपरिक झोड़ा नृत्य प्रस्तुत कर कुमाऊंनी संस्कृति की जीवंत झलक पेश की। क्षेत्रीय कलाकारों ने लोकगीतों और पारंपरिक नृत्यों के माध्यम से उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को मंच पर साकार किया। हास्य कलाकार संदीप चिलबत की शानदार प्रस्तुति पर पूरा पंडाल ठहाकों से गूंज उठा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा पारंपरिक भेलो नृत्य, जिसमें पुरुष कलाकारों ने अपनी जोशभरी प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीत लिया। इस अवसर पर मौजूद स्थानीय नागरिकों ने कहा कि इगास बग्वाल हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का प्रतीक है। पहाड़ी स्वराज संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि इगास बग्वाल उत्सव का उद्देश्य उत्तराखंड की विलुप्त होती लोक परंपराओं को पुनर्जीवित करना है। कार्यक्रम में विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, पीसीयू चेयरमैन राम मेहरोत्रा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व आमजन मौजूद थे।

एक नजर

अंशु पांडेय को संसद में मिला विशेष अवसर

पंतनगर। विश्वविद्यालय की छात्रा अंशु पांडेय को भारतीय संसद, नई दिल्ली में आयोजित अपने नेता को जानें कार्यक्रम में भाग लेने का विशेष अवसर मिला। राष्ट्रीय एकता दिवस पर अंशु ने संसद के केंद्रीय कक्ष में श्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन और बलिदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए। अंशु, जो मत्स्य विज्ञान की छात्रा हैं, उत्तराखंड के पारंपरिक पहाड़ी परिधान में मंच पर उपस्थित हुईं, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ संवाद उनके लिए एक प्रेरणादायक अनुभव रहा। उन्होंने इस सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के साहित्यिकी सोसाइटी के स्टाफ काउंसलर डा. अमित केसरवानी को दिया। इस उपलब्धि पर अंशु का परिवार, विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान और अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. आनंद सिंह जीना ने भी उन्हें बधाई दी।

संस्कृत छात्रा प्रतियोगिताएं 14 नवम्बर से

बागेश्वर। उत्तराखंड संस्कृत अकादमी, हरिद्वार द्वारा 14-15 नवंबर को बागेश्वर जिले के राजकीय इंटर कालेज बागेश्वर, गरुड़ और सोंग में विकास खंड स्तर पर संस्कृत छात्रा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। 14 नवंबर को कनिष्ठ वर्ग की प्रतियोगिताएं (संस्कृत नाटक, नृत्य, समूह गान, वाद-विवाद, आशु भाषण और श्लोक उच्चारण) होंगी, जबकि 15 नवंबर को वरिष्ठ वर्ग की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। पुरस्कार स्वरूप विकास खंड स्तर पर 18 हजार रुपये और जनपद स्तर पर 37,800 रुपये की धनराशि दी जाएगी। प्रतिभागी कक्षा 6 से स्नातकोत्तर तक के छात्र-छात्राएं हो सकते हैं, और उन्हें आवेदन पत्र संबंधित खंड संयोजकों को जमा करना होगा। जनपद संयोजक दीप चंद्र जोशी ने यह जानकारी दी।

खेल विभाग ने कराई रन फॉर यूनिटी

बागेश्वर। रविवार को खेल विभाग द्वारा रन फॉर यूनिटी के तहत जिला स्तरीय क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 14 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिका, पुरुष ओपन एवं महिला ओपन वर्ग शामिल रहे। युवा कल्याण अधिकारी अर्जुन सिंह रावत ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया। यह दौड़ आरे बाईपास, कपकोट मार्ग होते हुए द्वारसो पुल से वापस डिग्री कालेज गेट तक संपन्न हुई। प्रतियोगिता में कुल 110 पुरुष एवं 60 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। विभिन्न वर्गों में विज. ेताओं में बालक वर्ग (14-17 वर्ष), योगेश कुमार, नवनीत कुमार, चित्रांशु, सूरज चंद, करण कुमार, नितेश गोस्वामी। बालिका वर्ग (14-17 वर्ष), देवाशी, मान्यता, हिमानी, दीपाशा परिहार, भूमिका भट्ट, यशिका देवली। पुरुष ओपन वर्ग में अनिल कुमार, रोशन कुमार, नीरज कुमार, लक्ष्मण कुमार, शांतुक, रवि। महिला ओपन वर्ग में खुशबू आर्य, वर्षा आर्य, इमला, साधना, मंजू खेतवाल, अंजलि बिष्ट। इस अवसर पर सहायक निदेशक डेयरी अनुराग मिश्रा, प्रभारी खेल अधिकारी गुंजन बाला, पूनम मेहता, राजेंद्र सिंह, गणेश धपोला एवं नीरज पांडे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गुरुदत्त बाठला की आंखों से दो लोग देखेंगे दुनिया

काशीपुर। एक नवंबर की रात गुरुदत्त बाठला के देहावसान के पश्चात उनके सुपुत्र श्यामलाल बाठला, राजेश बाठला एवं संजीव बाठला ने नेत्रदान की सहमति प्रदान कर एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। समाज सेवा एवं धार्मिक कार्यों में संलग्न रहे गुरुदत्त बाठला के नेत्रदान से दो नेत्रहीनों के नेत्र प्रकाशित होंगे और उनके प्रिय जन उनकी स्मृति को अमरत्व प्रदान करेंगे। वसुधैव कुटुम्बकम काशीपुर के दायित्वधारियों की उपस्थिति में रुद्रपुर से आई टीम ने कागजी औपचारिकता पूरी कर ब्रह्मलीन गुरुदत्त बाठला के शरीर से दान की गई आंख की ऊपरी परत (कॉर्निया) प्राप्त कीं। वसुधैव कुटुम्बकम् काशीपुर के सदस्य अक्षत बंसल ने बताया कि वसुधैव कुटुम्बकम् क्षेत्र के लोगों में नेत्रदान हेतु जागृति लाने के लिए प्रयासरत है। बताया कि नेत्रदान करवाने के लिए वसुधैब कुटुम्बकम् के नेत्रदान सहायता हेतु किसी भी समय संपर्क किया जा सकता है।

दो पक्षों के बीच मारपीट, जमकर चले लाठी-डंडे

काशीपुर। कुंडा थाना क्षेत्र में मामूली कहासुनी के बाद दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। दोनों पक्षों में लाठी-डंडे चले। दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने क्रॉस एफआईआर दर्ज की है। ग्राम कुंडा निवासी मोहब्बत अली पुत्र मुस्तकीम ने थाना पुलिस को दी तहरीर में कहा कि 29 अक्टूबर को उसकी पत्नी निशा और राबिया पत्नी हैदर अली के बीच कहासुनी हो रही थी। बीच-बचाव करने पहुंचे शहजादी पत्नी मुस्तकीम और अजीम पुत्र यामीन को राबिया ने अपने भांजों, बहनोई शेर अली, उमर, अपने पुत्र आरिफ और शमशेर के बेटे को बुला लिया। आरोप है कि सभी आरोपी मोहब्बत अली के घर पहुंचकर गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। जिसमें शहजादी और अजीम को गंभीर चोटें आई। वहीं दूसरे पक्ष के आदिल पुत्र हैदर अली निवासी ग्राम कुंडा थाना पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि उसी दिन जब वह कॉलेज से लौट रहा था, तब नूरा पुत्र मुस्तकीम, मोसिम पुत्र मोहब्बत अली, रियाज, अजीम, निजामुद्दीन पुत्र यामीन, कासिम पुत्र मोहब्बत अली, हनीसा पत्नी मोहब्बत अली, मुस्कान पत्नी मोसिम व अक्षा पुत्री मोहब्बत अली सहित कई लोगों ने उसके घर में घुसकर उसको माता व परिवारजनों पर लाठी-डंडों और लोहे की राड से हमला कर दिया। आदिल को भी बुरी तरह पीटा। आरोप है कि नूरा ने रॉड से हमला किया। आरोप लगाया कि आरोपी उसके घर पर कब्जा करना चाहता है। कुंडा थाना प्रभारी रवि सैनी ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

शिवम फ्रांस में अंतर्राष्ट्रीय सेवा स्वयंसेवक चुने गए

शाह टाइम्स संवाद्दाता

पंतनगर। पिथौरागढ़ निवासी शिवम कोठारी को फ्रांस सरकार ने सात महीने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सेवा स्वयंसेवक के रूप में चुना है। वे 3 नवंबर 2025 से 2 जून 2026 तक फ्रांस के औच शहर स्थित प्रतिष्ठित लाइसी एग्रीक. ोल में काम करेंगे, जहां उन्हें भारतीय संस्कृति, भाषा और परंपराओं पर प्रस्तुति देने का अवसर मिलेगा। शिवम का चयन भारत-फ्रांस सहयोग कार्यक्रम के तहत हुआ है, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच अंतर्राष्ट्रीय गतिशीलता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। शिवम इस कार्यक्रम के तहत पंतनगर विश्वविद्यालय के पहले छात्र हैं, जो उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्र से चुने गए हैं। इस उपलब्धि पर पंतनगर विश्वविद्यालय के कुल. पति, डा. मनमोहन सिंह चौहान और अन्य प्रशास. निक अधिकारियों ने उन्हें बधाई दी है। शिवम ने अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के अधिकारियों, अपने परिवार और मित्रों को दिया है। वे इस अनुभव को कृषि विकास और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में योगदान देने के लिए उपयोग करेंगे।

व्यापारी एकता और व्यवस्था पर जोर

प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की पहली बैठक संपन्न

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। प्रान्तीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल नगर इकाई की पहली बैठक बागनाथ मंदिर परिसर में नगर अध्यक्ष सूरज जोशी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन नगर सचिव देवेंद्र अधिक. ारी ने किया। बैठक में जिला पदा. धिकारियों, नगर कार्यकारिणी तथा नगर क्षेत्र के व्यापारियों ने प्रतिभाग किया। बैठक में मुख्य रूप से व्यापारियों की एकजुटता पर बल देते हुए यह निर्णय लिया गया कि नगर में व्यापारिक गतिविधियों को सुचारू एवं संगठित रूप से संचा. लित किया जाएगा। सदस्यों ने कहा कि व्यापारियों की एकता से ही व्यापारिक हितों की रक्षा संभव है। बैठक में फेरी व्यापारियों के संच. ालन के लिए नियम तय करने पर विचार किया गया, ताकि नगर की व्यवस्था एवं स्थानीय व्यापारियों के हित प्रभावित न हों। सदस्यों ने झूला पुल को शीघ्र खोले जाने की मांग उठाई।

व्यापारियों का कहना था कि पुल बंद होने से व्यापार के साथ ही स्थानीय जनजीवन भी प्रभावित हो रहा है। साथ ही एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए व्यापार मंडल ने बताया कि जल्द ही हर वार्ड से सदस्यों का चुनाव किया जाएगा। इन प्रतिनिधियों की राय के आधार पर मंडल के निर्णय लिए जाएंगे। इस वार्ड कमेटी को कोर कमेटी के तहत कार्य करने की जिम्मेदारी मिलेगी। बैठक में व्यापार संघ की आय बढ़ाने के लिए भी अहम प्रस्तावों पर चर्चा की गई। तय किया गया कि संघ की आर्थिक रूप से मजबूती के लिए सदस्यता अभियान चलाया जाएगा तथा पारदर्शिता के साथ वित्तीय योजनाओं पर कार्य होगा। उत्तरायणी मेले के संदर्भ में व्यापारियों ने कहा कि बाहरी व्यापारियों को समयावधि से अधिक रुकने की अनुमति न दी जाए। मंडल ने निर्णय लिया कि मेले से पूर्व व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मुलाकात कर इस संबंध में औपचारिक मांग करेगा। साथ ही मेले के समापन के बाद नगर में बाहरी व्यापारियों की अवैध रूप से दुकान लगाने पर रोक लगाने की मांग भी की गई। बैठक में प्रदेश संगठन मंत्री हरीश सोनी, जिला महामंत्री अनिल कार्की, जिला संरक्षक नवीन लाल साह, नगर संयोजक उमेश लाल साह, गिरीश बिष्ट, माया गड़िया, आलोक बिष्ट, किशन सोनी, चंदन सिंह, नवीन रावल, हरीश साह समेत अनेक व्यापारी उपस्थित रहे।

ध्रुव ने स्वर्ण, अदिति ने जीता कांस्य पदक

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। मंगलौर के उर्वा इंडोर स्टेडियम में आयोजित मंगलौर इंडिया सीनियर इंटरनेशनल चैलेंज बैडमिंटन टूर्नामेंट में उत्तराखंड के शटलरों ने अपने शानदार प्रदर्शन से उत्तराखंड राज्य तथा अल्मोड़ा का गौरव बढ़ाया है। जहां ध्रुव रावत ने अपनी तेलंगाना की जोड़ीदार मनीषा के साथ तीन सैट तक चले एक कड़े मुकाबले में थाइलैंड के थानविन मोड़े और एन तुंगकुशाटन की जोड़ी को 18-21, 21-18, 22-20 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं अदिति भट्ट ने अपनी जोड़ीदार सावनी वालेकर के साथ खेलते हुए पहले क्वार्टर फाइनल में अपने ही देश की निशा एम करिअप्पा और अगधा अरविंदा पाई की जोड़ी को 21-17, 21-10 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा। दोनों ही खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर उत्तरांचल राज्य बैडमिंटन संघ की अध्यक्ष डा. अलकनंदा अशोक, कोच डीके सेन, जिला बैडमिंटन संघ अल्मोड़ा के चेयरमैन राम अवतार, अध्यक्ष सुरेश कर्नाटक, अतुल जोशी, उपाध्यक्ष प्रशासनिक गोकुल सिंह मेहता, उपाध्यक्ष राकेश जायसवाल, सचिव डा. संतोष बिष्ट, संजय नज्जोंन, विजय प्रताप सिंह, डीके जोशी, सलाहकार जगनमोहन सिंह फर्त्याल, शेखर लखचौरा, प्रतीक महरा, हेम पांडे, जयमित्र बिष्ट, डा. जेसी दुर्गापाल, डीएसओ महिशी आर्या, अरुण बंग्याल समेत अन्य ने हर्ष जताया है।

खनवाल के गीतों पर थिरके लोग

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। मल्ला महल में पांच दिवसीय गोल्ज्यू महोत्सव जारी है। शनिवार देर रात विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। जिसमें लोक गायक राकेश खनवाल और ज्योति कोहली ने लोक गीतों की शानदार प्रस्तुति देकर लोगों को झूमने में मजबूर कर दिया।

संस्कार सांस्कृतिक एवं पर्यावरण संरक्षण समिति की ओर से आयोजित गोल्ज्यू महोत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक टीमों ने कुमाऊं-गढ़वाली नृत्यों और गीतों की शानदार प्रस्तुति देकर लोगों को झूमने में मजबूर कर दिया। देर रात तक दर्शक दीर्घा में लोग सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लुप्त उठाने के लिए जमे रहे। यहां पहुंचे लोक कलाकार राकेश खनवाल ने क्रीम पडोरा...., हिट दीपा म्यर दगड़ा......, हाय ककड़ी झिलमां नूण पिसौ सिल मां. ..., हे पूजा तिले धारू बोला...., अल्मोड़ा बाजार कमला ना मार लटका..., आदि कुमाऊंनी-गढ़वाली गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दी। महोत्सव में गुजरात, राजस्थान, पंजाब और जम्मू के कलाकारों ने भी अपनी अपनी प्रस्तुतियां देकर दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों की खूब तालियां बटोरी। महोत्सव के दौरान महिलाओं के बीच झोड़ा गायन प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। जिसमें विभिन्न मोहल्लों की टीमों ने पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने झोड़े का सुंदर गायन किया। महिलाओं की प्रस्तुति से पूरा मल्ला महल गूंजा रहा। इसके अलावा बच्चों के एकल नृत्य प्रतियोगिता में भी एक से बढ़कर एक प्रस्तुति हुई।

कार्यालय, अधीक्षक, उप कारागार, हल्द्वानी, जनपद नैनीताल (उत्तराखण्ड)

द्वितीय ई-निविदा आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपकारागार, हल्द्वानी, चिकित्सालय हेतु वित्तीय वर्ष-2025-26 में माननीय विधायक निधि-59, विधानसभा हल्द्वानी से आवंटित धनराशि के सापेक्ष प्रतिष्ठित कम्पनी के 82.5 के.वी.ए. (Silent CPCB IV+) जनरेटर की आपूर्ति हेतु इच्छुक निविदाताओं से उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2025 के सुसंगत नियमों/प्रावधानों के अन्तर्गत ई-निविदा एकल चरण दो लिफाफा प्रणाली (01. तकनीकी निविदा एवं 02. वित्तीय निविदा) में दिनांक 23.10.2025 तक आमंत्रित की गयी थी। किन्तु ई-निविदा कोरम पूर्ण न होने के कारण ई-निविदा निरस्त कर पुनः नवीन समय सारणी के अनुसार ई-निविदा आमंत्रित की जाती है-

ई-निविदा समय सारिणी

01	ऑनलाइन निविदा प्रकाशन तिथि व समय	दिनांक 03.11.2025 पूर्वाहन समय 12.00 बजे।
02	ऑनलाइन निविदा प्रपत्र अपलोड करने की प्रारम्भ तिथि व समय	दिनांक 03.11.2025 अपराह्न समय 01.00 बजे।
03	ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 09.11.2025 अपराह्न समय 12.00 बजे तक।
04	निविदा शुल्क व धरोहर धनराशि की मूल प्रति अधीक्षक, उपकारागार हल्द्वानी के कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि व समय।	दिनांक 09.11.2025 सायंकाल 05.00 बजे तक।
05	तकनीकी निविदा खोलने की तिथि, समय व स्थान।	दिनांक 10.11.2025 अपराह्न समय 01.00 बजे स्थान-कार्यालय, अधीक्षक, उपकारागार, हल्द्वानी।
06	ऑनलाइन वित्तीय निविदा खोलने की तिथि व समय।	तकनीकी निविदा खोलने एवं स्वीकृत होने के पश्चात दिनांक 10.11.2025 को ही समय अपराह्न 02.00 बजे।
07	निविदा की वैद्यता	वित्तीय वर्ष 2025-26 में कार्य पूर्ण होने तक।

निविदा से संबंधित समस्त प्रपत्र/जानकारी/शर्तों का विवरण वेबसाइट www.uktenders.gov.in से डाउनलोड/प्राप्त किया जा सकता है। निविदादाता को ऑनलाइन माध्यम से निविदा प्रस्तुत करने के लिए DSC की आवश्यकता होगी। अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताए किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को निरस्त किये जाने का पूर्ण अधिकार होगा।

पृष्ठांकन सं0-756/द्वितीय ई-निविदा-जनरेटर/2025-26

अधीक्षक
उप कारागार, हल्द्वानी

विधायक ने मार्ग निर्माण के निर्देश दिए

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। नगर के रोडवेज वर्कशॉप के पास बनाए गए नाले से रास्ता तोड़े जाने से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। मामले को लेकर स्थानीय विधायक मनोज तिवारी को जानकारी दी।

मौके पर पहुंचे विधायक ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को तत्काल नाले का निर्माण करने के निर्देश दिए। बीते कुछ समय से लक्ष्मेश्वर वार्ड के लोग नाले के निर्माण में रास्ते को तोड़े जाने से नाराज है। सिंचाई विभाग, नगर निगम और विधायक से मुलाकात कर समस्या के समाधान की गुहार लगा चुके हैं। लोगों का कहना है कि जाखनदेवी से निकलने वाला नाला रोडवेज वर्कशॉप से आगे निकलता है। जो लक्ष्मेश्वर वार्ड में आता है। आरोप लगाया है कि सिंचाई खंड की ओर से नाला निर्माण के दौरान रास्ते को तोड़ दिया गया।

इसके बाद नाले पर रास्ते का निर्माण नहीं किया। तमाम जगह शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। इस पर शनिवार को विधायक मनोज तिवारी मौके पर पहुंचे और सिंचाई खंड के अधिका. रियों को रास्ता निर्माण के निर्देश दिए। यहां जगदीश तिवारी, सुंदर सिंह बोरा, भूपेश तिवारी, कमलेश उप्रेती, सौरव उप्रेती, बिमला तिवारी, पुष्पा बोरा, ज्योति जोशी, दीपा गुसाईं, हेमा गुसाई, कमला मेहता, बबीता जोशी, मीरा तिवारी, तनुजा तिवारी, हेमा गुसाई मौजूद रहे।

महिला का फोन छीनकर उचक्का फरार

काशीपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में बाईक सवार एक अज्ञात उचक्के ने महिला पर झपट्टा मारकर दिनदहाड़े कीमती मोबाइल फोन छीन लिया और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात बदमाश के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। नई बस्ती विजय नगर निवासी नन्दन सिंह की पत्नी मीना बिष्ट ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीती 31 अक्टूबर की दोपहर 2.15 बजे के लगभग जब वह चामुंडा बिहार के पास खरबंदा अगरबत्ती की दुकान के पास से होकर गुजर रही थी इसी दौरान बाइक सवार अज्ञात बदमाश ने झपटा मारकर उसका कीमती मोबा. इलफोन छीन लिया और फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर बदमाश की तलाश शुरू कर दी है।

सदस्यता बढ़ाएगी भीम आर्मी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नव नियुक्त भीम आर्मी जिला महासचिव महेश चंद्र आर्य के नेतृत्व में तथा जिलाध्यक्ष नफीस अहमद खान की अध्यक्षता में गोलछा कम्पाउण्ड स्थित भीम आर्मी जिला कार्यालय में एक सभा का आयोजन किया गया। सभा में भीम आर्मी को मज़बूत करने के लिए प्रत्येक वार्ड में जाकर सदस्यता अभियान चलाने पर विचार किया गया जो सर्वसम्मति से पारित हो गया, जिले और नगर कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए कर्मठ कार्यकर्ता आकाश भारती को जिला मीडिआ प्रभारी नियुक्त किया गया और शालिनी भारती को महिला नगर उपाध्यक्ष की ज़िम्मेदारी दी गई। सभी साथियों ने आकाश और शालिनी को उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए नफीस अहमद खान, महेश चंद्र आर्य, हरीश लोधी, पंकज अम्बेडकर, अनवर अंसारी, आफताब आलम, सखावत हुसैन, रितिक कांत, कमल आर्य, संजय कुमार टम्टा, जीतराम, सुंदरलाल बौद्ध ने बधाई दी।

महिलाओं तथा युवाओं ने किया रक्तदान

लायनेस क्लब हल्द्वानी ने सिटी ब्लड सेंटर में लगवाया कैंप

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। लायनेस क्लब की अध्यक्ष तनुजा जोशी के नेतृत्व में ठंडी सड़क स्थित सिटी ब्लड सेंटर में एक सफल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 30 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन नगर निगम मेयर गजराज सिंह बिष्ट ने किया। शिविर में रक्तदान करने वाले सभी व्यक्तियों को संस्था की ओर से सर्टिफिकेट और बैग मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया, जिससे उनका उत्साह बढ़ा। कार्यक्रम में नगर निगम के मेयर गजराज सिंह बिष्ट मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में ललित जोशी ने मध्याह्न में आकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम संयोजक तनुजा जोशी ने बताया कि ब्लड बैंकों में रक्त की कमी और थैलेसीमिया मरीजों के लिए रक्त की आवश्यकता को देखते हुए इस शिविर का आयोजन किया गया था, जो पूरी तरह से सफल रहा। कैंप में विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं में उत्साह देखा गया। आमतौर पर महिलाओं को हीमोग्लोबिन की कमी के कारण रक्तदान में कठिनाई होती है, लेकिन इस शिविर में कई महिलाओं ने रक्तदान किया, जो एक सकारात्मक बदलाव को दर्शाता है। सिटी सेंटर ब्लड बैंक सेक्रेटरी शालिनी गुप्ता ने जानकारी दी कि शिविर में कुल 30 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष तनुजा जोशी, सेक्रेटरी शालिनी गुप्ता, मीडिया प्रभारी पूनम सैनी, अलका वार्ष्णेय, मंजू दानू, रीता अग्रवाल, ऊषा मुकेश, नीलम डसीला, राधा अग्रवाल, कामिनी पाल, कुसुम दिगारी, सुचित्रा जायसवाल और शर्मिला का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

त्रिलोचन जोशी को 'काव्य भूषण'

शाह टाइम्स संवाद्दाता

टनकपुर। राजकीय हाईस्कूल छीनीगोठ चंपावत के शिक्षक त्रिलोचन जोशी (टीसी गुरु) को केबी हिंदी सेवा न्यास द्वारा काव्य भूषण सम्मान से सम्मानित किया। उत्तरप्रदेश के बदायूं के विसौली में आयोजित हिंदी सेवा न्यास के 11वें सम्मान समारोह में त्रिलोचन जोशी को ओम प्रकाश स्मृति काव्य भूषण सम्मान प्रदान किया गया। शिक्षक को सम्मान स्वरूप 1100 रुपए का नगद राशि, स्मृति चिह्न और शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह उत्तर प्रदेश के जनपद बदायूं के बिसौली कस्बे में आरके इंटरनेशनल स्कूल में रविवार को आयोजित किया गया, जिसमें भारत वर्ष के विभिन्न राज्यों से जाने माने कवियों ने शिरकत की। त्रिलोचन जोशी की छंदबद्ध रचनाएं अपनी सहज भाषा, सजीव चित्रण और भावनात्मक गहराई के लिए विशिष्ट स्थान रखती हैं। उनकी कविताओं में लोक संस्कृति और लोक पर्वों के संरक्षण की सशक्त भावना दिखाई देती है, जो जनमानस की मिट्टी से गहराई से जुड़ी है। उनकी रचनाओं में समाज सुधार की चेतना, नशा मुक्ति, व्यंग्य की सजग दृष्टि और मानवीय सरोकारों की सच्ची अभिव्यक्ति झलकती है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज से दो दिन नैनीताल

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। अपर जिलाधिकारी नैनीताल शैलेंद्र सिंह नेगी द्वारा अवगत कराया गया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार आज से दो दिवसीय नैनीताल जनपद प्रवास और भ्रमण पर पहुंच रही हैं। नेगी के मुताबिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार आज को शाम को 3 बजकर 5 मिनट पर जीटीसी हेलीपैड देहरादून से प्रस्थान कर शाम को 4 बजकर 10 मिनट पर आर्मी हेलीपैड हल्द्वानी पहुंचेंगी और 04 बजकर 20 मिनट पर आर्मी हैलीपैड हल्द्वानी से कार द्वारा राजभवन नैनीताल के लिए प्रस्थान करेंगी।

राजभवन पंहुचने के उपरांत राष्ट्रपति राजभवन नैनीताल की स्थापना के 125 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में प्रतिभाग करेंगी। नेगी ने बताया कि वह राजभवन में रात्रि प्रवास करेगी जबकि अगले दिन यानी मंगलवार 4 नवंबर को सुबह 8.50 बजे राजभवन नैनीताल के मुख्य द्वार का शिलान्यास समारोह में प्रतिभाग करने के पश्चात नीम करोली बाबा आश्रम कैंची धाम के लिए प्रस्थान करेंगी और पूर्वाहन 10.05 बजे से 10.35 बजे तक नीम करोली बाबा आश्रम के दर्शन करने के पश्चात नैनीताल को प्रस्थान करेंगी और 11.15 बजे बजे कुमाऊं विश्व. विद्यालय के डीएसबी परिसर नैनीताल में पहुंचेंगी। राष्ट्रपति पूर्वाह्न 11.5 से 12.15 बजे तक कुमाऊं विवि नैनीताल द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह के 20वें दीक्षांत समारोह कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगी। राष्ट्रपति कार्यक्रम को सबोधित करने के पश्चात दोपहर 12.15 बजे कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल से प्रस्थान कर 12.25 बजे राजभवन नैनीताल पहुंचेंगी और अपराह्न 2.30 बजे राजभवन नैनीताल से प्रस्थान कर शाम को 3.50 बजे आर्मी हेलीपैड हल्द्वानी पंहुचेंगी जहां से शाम को 4 बजे बरेली हवाई अड्डे को प्रस्थान करेंगी।

राज्यपाल भी आज पहुंचेंगे नैनीताल

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। अपर जिलाधिकारी नैनीताल शैलेंद्र सिंह नेगी ने अवगत कराया कि सूबे के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के उत्तराखंड प्रवास कार्यक्रम के दृष्टिगत सोमवार आज से जनपद नैनीताल के भ्रमण पर रहेंगे। नेगी के मुताबिक राज्यपाल सोमवार आज अपराह्न 2.35 बजे जीटीसी हेलिपैड देहरादून से प्रस्थान करेंगे तथा राजभवन नैनीताल में राष्ट्रपति के कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न गति. विधियों में समिलित होंगे। उसी रात्रि उनका निवास राज भवन नैनीताल में रहेगा। मंगलवार 4 नवंबर को को प्रातः से लेकर अपराह्न तक राज्यपाल राष्ट्रपति के कार्यक्रमों में समिलित रहेंगे, शाम को 4 बजे आर्मी हेलिपैड हल्द्वानी से तराई भवन पंतनगर के लिए प्रस्थान करेंगे।

वीवीआइपी मूवमेंटः ज़िले में सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम

राष्ट्रपति का दो दिवसीय दौराः एडीजी ने नैनीताल में पुलिस फोर्स को किया ब्रीफ

- चप्पे-चप्पे पर रहेगी नजर
- बम निरोधक दस्ता और एलआईयू भी रहेंगी एक्टिव मोड पर
- ड्रोन पर प्रतिबंध, एंटी ड्रोन टीम करेगी निगरानी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। जिले के पुलिस कप्तान डा. मंजूनाथ टीसी के निर्देशन में नैनीताल पुलिस ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सोमवार तथा मंगलवार को नैनीताल जनपद दौरे को लेकर कड़ी सुरक्षा व यातायात प्रबंध किए गए हैं।

इसी परिप्रेक्ष्य में रविवार को डा. वी. मुरुगेशन (अपर पुलिस महानिद. शक अपराध एवं कानून व्यवस्था उत्तराखंड) द्वारा राष्ट्रपति के दौरे की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी राजपत्रित अधिकारियों समेत अन्य पुलिस अधिकारियों और पुलिस बल की ब्रीफिंग लेकर सुरक्षा के सभी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए सभी अधिकारियों को अपनी जिमेदारियों के बारे में स्पष्ट निर्देश दिए।

ड्यूटी प्वाइंट में वीवीआईपी को थ्रेट अवधारणा के सापेक्ष कार्यवाही करें। ड्यूटी में नियुक्त अधिकारी व कर्मचारी गणों को आमजन के साथ मित्रवत व्यवहार करने व पूर्ण मनोयोग से ड्यूटी का निष्पादन करने के निर्देश दिये गये। ब्रीफिंग के दौरान रिद्धिम अग्रवाल (पुलिस महानिरीक्षक कुमाऊं परिक्षेत्र नैनीताल, पुलिस महानिरीक्षक (सुरक्षा अभिसूचना मुख्यालय) करन सिंह नगन्याल एवं एसएसपी नैनीताल डा. मंजुनाथ टीसी द्वारा सभी ड्यूटीरत पुलिस बल को वीवीआईपी सुरक्षा ड्यूटी के सभी मापदंडों के अनुसार कार्यवाही करने समेत अलर्ट मोड में रहते हुए सुव्यवस्थित मार्ग व्यवस्था स्थापित करने तथा कार्यक्रम स्थल में किसी का भी अनाधिकृत प्रवेश वर्जित करने तथा त्रुटिरहित सुरक्षा व्यवस्था स्थापित करने के निर्देश दिए गए। सभी उच्चाधिकारियों द्वारा अपने-अपने अनुभवों के अनुसार वीवीआईपी ड्यूटियों की बारीकियों के बारे में भी आवश्यक बातों को साझा किया गया। ब्रीफिंग के दौरान आईजी कुमाऊं रेंज द्वारा ड्यूटीरत पुलिस बल को ड्यूटी के प्रति संवे. दनशीलता बरतने तथा उत्तराखंड पुलिस के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हुए अच्छे टर्नआउट के साथ सजगता और मुस्तैदी से ड्यूटी करने के निर्देश दिये गये।

जनपद नैनीताल के सभी थानों में सत्यापन अभियान चलाने तथा बॉर्डरों पर प्रभावी चेकिंग के निर्देश दिए गए। आईजी सुरक्षा अभिसूचना मुख्यालय द्वारा विगत माहों में घटित आतंकी घटनाओं के मद्देनजर सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए सभी अधिकारी और कर्मचारियों को सतर्क रहकर अपना कर्तव्य निर्वहन करने को कहा गया। कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना से तत्काल उच्चाधिकारियों को अवगत कराएं।

इस दौरान ललित मोहन रयाल (जिलाधिकारी नैनीताल) द्वारा भी अपने अनुभवों को साझा करते हुए पुलिस को प्रशासन की टीमों द्वारा सभी आवश्यक सहयोग देने हेतु आश्वस्त किया। सभी टीमों को बेहतर समन्वय के साथ वीवीआईपी कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराने के दिशा निर्देश दिए गए। एसएसपी नैनीताल द्वारा ड्यूटी में लगे संपूर्ण पुलिस बल को पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए तथा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया। यह भी कहा गया कि वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान इस प्रकार डाइवर्जन किया जाए कि जनता के सुगम आवागमन की व्यवस्था बनी रहे। जनता को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। सभी इंटेलिजेंस टीम, श्वान दल समेत सोशल मीडिया मॉनिटरिंग टीम समेत फायर टीमों को एकटिवेट मोड में कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। समस्त राजपत्रित अधिका. रियों को सौंपे गये दायित्वों से अवगत कराते हुए कुशल नेतृत्व कर भ्रमण कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराने के निर्देश दिए गए। इस दौरान डा. जगदीश चंद्रा (एसपी क्राइम/ट्रैफिक नैनीताल) द्वारा वीवीआईपी कार्यक्रम की रूट व्यवस्था तथा फोर्स डिप्लॉयमेंट के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई साथ ही रेवाधर मठपाल (अपर पुलिस अधीक्षक पुलिस दूर संचार नैनीताल) द्वारा भी संचार व्यवस्था के बारे में जानकारी दी।

17 प्वाइंट से कंट्रोल होगा ट्रैफिक, दो दिन भारी वाहनों की नो एंट्री

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के दो दिवसीय जनपद भ्रमण को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने व्यापक ट्रैफिक प्लान जारी किया है। जिले में कुल 17 डायवर्जन प्वाइंट से पुलिस ट्रैफिक कंट्रोल करेगी। यह प्लान 3 नवम्बर को सुबह 8 बजे से समापन तक और 4 नवम्बर को सुबह 8 बजे से समापन तक प्रभावी रहेगा। दोनों दिनों के दौरान सुरक्षा कारणों से कुल 17 डाइवर्जन प्वाइंट बनाए गए हैं। राष्ट्रपति के भ्रमण के दौरान हल्द्वानी-काठगोदाम से नैनीताल जाने वाले मार्गों पर सभी प्रकार के भारी वाहनों का आवागमन पूरी तरह वर्जित रहेगा। हल्द्वानी और काठगोदाम से पर्वतीय क्षेत्रों को जाने वाले वाहनों को वाया कालाढूंगी/रामनगर मार्ग से भेजा जाएगा। 3 नवम्बर को हल्द्वानी से नैनीताल भ्रमण के दौरान रोडवेज की ओर से काठगोदाम जाने वाले वाहन नैनीताल बैंक तिराहा से अटल मार्ग की ओर डायवर्ट होंगे। रोडवेज/केमू स्टेशन से पर्वतीय क्षेत्र जाने वाली बसें और टैक्सियां वहीं रोक दी जाएंगी। पनचक्की तिराहा, महाकाली जनरल स्टोर गौलापार, सलड़ी चौकी, चंदा देवी और अमृतपुर गेट पर वाहनों को रोका जाएगा। नैनीताल से हल्द्वानी जाने वाले वाहन वाया कालाढूंगी या भवालीख्रभीमताल मार्ग से भेजे जाएंगे। रूसी बैंड-1 व 2, हनुमानगढ़ी, बारापत्थर, गोलघर और ऑल सेंट तिराहा पर नियंत्रित यातायात रहेगा। भवाली की ओर से आने वाले वाहनों को टूटा पहाड़ भवाली रोड पर रोका जाएगा। जबकि 4 नवम्बर को नैनीताल से भवाली भ्रमण के दौरान सभी भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। कालाढूंगी रोड, बारापत्थर, मस्जिद तिराहा और ऑल सेंट तिराहा पर यातायात रोका जाएगा। मल्लीताल और तल्लीताल टोलटैक्स से वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। भवाली-नैनीताल मार्ग पर ज्योलीकोट नं.1 बैंड, नैनी बैंड-1 व 2, रामगढ़ तिराहा और घोड़ाखाल तिराहा पर रोक व डायवर्जन लागू रहेगा। रानीखेत, अल्मोड़ा, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चंपावत दिशा से आने वाले वाहनों को क्रमशः खैरना पुल, क्वारब, रामगढ़ व खुटानी बैंड से डायवर्ट किया जाएगा। 4 नवम्बर को नैनीताल से हल्द्वानी वापसी के दौरान वीवीआईपी काफिले के दौरान सभी भारी वाहनों का आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। कालाढूंगी रोड, बारापत्थर, मस्जिद तिराहा, टोलटैक्स तल्लीताल, कैलाखान मोड़, रूसी बैंड-1 व 2, पनचक्की तिराहा, गौलापार थाना गेट, नैनीताल बैंक तिराहा, कुल्यालपुरा चौराहा, राजपुरा और आर्मी गेट आदि पर वाहनों को रोका या डायवर्ट किया जाएगा। रोडवेज/केमू स्टेशन से पर्वतीय मार्ग पर जाने वाली बसें और टैक्सियां वीवीआईपी प्रस्थान से एक घंटा पूर्व रोक दी जाएंगी।

पर्यटकों से भरी टेम्पो ट्रैवलर गहरी खाई में गिरी

दो लोगों की मौतः शनिवार देर रात दो गांव स्थित आम पड़ाव के पास हादसा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नैनीताल रोड पर आमपड़ाव के पास शनिवार रात दिल्ली के पर्यटकों से भरी एक टेम्पो ट्रैवलर गहरी खाई में गिर गई। हादसे के समय चालक और परिच. ालक समेत 18 लोग ट्रैवलर में सवार थे। यदि बीच में खड़ा मालू का पेड़ मालू की झील वाहन को नहीं रोकता, तो हादसा और भी भयावह हो सकता था। दुर्घटना में एक पर्यटक और एक परिचालक की मौत हो गई।

बताया जाता है कि दिल्ली के पर्यटक शनिवार को कैंचीधाम दर्शन करने के बाद रामनगर की ओर लौट रहे थे। हादसा आमपड़ाव में हुआ। रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल विवेक साह और एक पर्यटक ने बताया कि जब ट्रैवलर पहाड़ी से नीचे उतर रही थी, तब एक ट्रक ऊपर से आ रहा था। ट्रक चालक ने बस चालक को डिपर देकर रुकने का संकेत दिया, लेकिन बस चालक ने उल्टा ट्रक चालक को डिपर देकर रास्ता दे दिया।

हालांकि नियम के अनुसार, बस चालक को ट्रक को रास्ता देना चाहिए था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया और मोड़ पर ट्रक को क्रॉस करते समय बस खाई में गिर गई। घटना के दौरान बस चालक कूदकर बस से बाहर निकल गया, लेकिन ट्रैवलर खाई में गिरने से पहले एक पेड़ से अटक गई। हादसे में बदरपुर दिल्ली के कारोबारी गौरव बंसल 26 वर्ष और बस के परिचालक सोनू कुमार 32 वर्ष, जो कि बरहेन गांव, थाना महम, जिला रोहतक, हरियाणा के निवासी थे, की मौत हो गई। घायल पर्यटकों ने पुलिस को बताया कि वे 16 लोग दिल्ली से कैंची धाम दर्शन के लिए आए थे। वापसी के दौरान उनकी पहले वाली टेम्पो ट्रैवलर खराब हो गई, तो उन्होंने ज्योलिकोट से दूसरी टेम्पो बुक की। यह टेम्पो ट्रैवलर एक ड्राइवर और हेल्पर के साथ थी। ड्राइवर बहुत तेजी से और लाप. रवाही से गाड़ी चला रहा था। रात करीब सवा 11 बजे ट्रैवलर अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। ड्राइवर मौके से फरार हो गया। यह भी चर्चा है कि ट्रैवलर का चालक नशे में था। सुशीला तिवारी अस्पताल के एमएस डा. अरुण जोशी ने बताया कि पूरी चिकित्सीय टीम रात भर उपचार में जुटी रही। दो लोग मृत अवस्था में लाए गए, जबकि बाकी को मामूली चोटें आईं। केवल एक घायल के हाथ में फैक्चर था। सभी घायलों को उपचार के बाद सुबह अस्पताल से रवाना कर दिया गया।

साथी की तलाश तक मौके पर रहा चालक

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के बाद बस चालक ने बस से कूदने के बाद भी भागने की बजाय, अपने परिचालक सोनू को तलाशने के लिए खाई में उतरा। जब उसे परिचालक नहीं मिला, तो उसकी लाश कुछ दूर बरामद हुई, उसकी गर्दन लगभग अलग हो चुकी थी। वहीं, उसके मोबाइल की जेब में बज रही थी और घर से फोन आ रहा था। चालक ने यह कहते हुए मौके से फरार होने का निर्णय लिया कि वह घरवालों से क्या कहेगा।

एंबुलेंस देर से पहुंची, घायलों के रेस्क्यू में मशक्कत

हादसे के बाद पुलिस ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत से सभी घायलों को खाई से बाहर निकाला। घायलों में बच्चे भी थे, जो चोटिल होने के कारण रो रहे थे। एंबुलेंस के देर से पहुंचने पर पुलिस ने अपनी डायल 112 वाहन से घायलों को अस्पताल भेजा। एंबुलेंस के साथ सीमित संसाधन थे, और स्ट्रेचर में सेफ्टी बेल्ट तक नहीं थी, जिससे रेस्क्यू में परेशानी आई। स्ट्रेचर से घायल को बांधकर खाई से बाहर निकाला जाता है, ताकि वे गिरें नहीं, लेकिन सेफ्टी बेल्ट की कमी ने रेस्क्यू ऑपरेशन को और कठिन बना दिया।

टेंपो ट्रैवलर में ये लोग थे सवार

1- अंशिका उम्र 21 वर्ष पुत्री अनिल अग्रवाल निवासी थाना बदरपुर नई दिल्ली
2- सोनिया उम्र 32 वर्ष पत्नी अजय अग्रवाल निवासी थाना बदरपुर नई दिल्ली
3- सुशांत उम्र 8 वर्ष निवासी थाना बदरपुर नई दिल्ली
4- दिशा उम्र 5 वर्ष निवासी थाना बदरपुर नई दिल्ली
5- निकिता उम्र 20 वर्ष पुत्री सुदेश अग्रवाल निवासी थाना बदरपुर नई दिल्ली
6-श्वेता उम्र 25 वर्ष पत्नी विजय अग्रवाल निवासी थाना बदरपुर नई दिल्ली
7- पूर्वा उम्र 8 माह निवासी थाना बदरपुर नई दिल्ली
8- यशी उम्र 2 वर्ष पुत्री अनु अग्रवाल निवासी थाना बदरपुर नई दिल्ली
9- अजय अग्रवाल उम्र 34 वर्ष पुत्र रमेश अग्रवाल निवासी थाना बदरपुर नई दिल्ली
10- अनु अग्रवाल पुत्र सुदेश अग्रवाल निवासी थाना बदरपुर नई दिल्ली
11- शिल्पी अग्रवाल उम्र 28 वर्ष पत्नी अनु अग्रवाल निवासी थाना बदरपुर नई दिल्ली
12- हेमंत अग्रवाल पुत्र सुदेश अग्रवाल निवासी थाना बदरपुर नई दिल्ली
13- श्रुति अग्रवाल उम्र 28 वर्ष पत्नी हेमंत अग्रवाल निवासी थाना बदरपुर नई दिल्ली
14- वंश अग्रवाल पुत्र अनिल अग्रवाल निवासी थाना बदरपुर नई दिल्ली
15- विजय अग्रवाल उम्र 30 वर्ष पुत्र रमेश अग्रवाल निवासी थाना बदरपुर नई दिल्ली

नहर में गिरे राजमिस्त्री का शव मिला

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बीते शनिवार की दोपहर सिंचाई नहर में गिरे राजमिस्त्री का शव मुखानी स्थित शिवमंदिर के पास से काठगोदाम पुलिस व एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू के दौरान बरामद कर लिया। रविवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार मूलरूप से यूपी शाहजहांपुर व हाल निवासी ब्यूराखाम टंगर काठगोदाम निवासी 45 वर्षीय बेचेलाल पुत्र भगवान दास पेशे से राजमिस्त्री का काम करता है।

काठगोदाम थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि शनिवार को कॉलटैक्स के पास एक व्यक्ति के नहर में गिरने की सूचना मिली थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि वह व्यक्ति नहर के किनारे लेटा हुआ था, और अचानक नियंत्रण खोकर नहर में गिर गया। नहर में पानी का बहाव तेज था, जिससे उसकी तलाश में मुश्किलें आईं। घटना के बाद सिंचाई विभाग से संपर्क कर नहर का पानी रोका गया। जल पुलिस और स्थानीय लोगों ने रात भर खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला, और अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू अभियान को रोक दिया। रविवार की सुबह काठगोदाम पुलिस व एसडीआरएफ की टीम ने फिर से रेस्क्यू अभियान शुरू किया। तभी टीम को मुखानी चौराहे स्थित शिवमंदिर के पास बने जाल में बेच. ेलाल का शव बरामद हुआ। शव बरामद होने के बाद पुलिस ने उसके परिजनों को सूचित किया और मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसकी शिनाख्त बेचेलाल के रूप में की। जिसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

210 नशे के इंजक्शन बरामद

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एसओजी व लालकुआं पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 210 नशे के इंजेक्शन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनो तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया जहां से दोनो को जेल भेज दिया। बता दें कि जनपद में मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत बीते शनिवार की रात्रि एसओजी टीम को मुखबिर की सूचना मिली दो युवक नशे के इंजेक्शन लेकर आ रहे है। सटीक सूचना पर एसओजी प्रभारी राजेश जोशी व लालकुआं कोतवाल बृजमोहन राणा ने मय टीम के साथ लालकुआं पुलिस को सुभाष नगर बैरियर के पास चैकिंग अभियान शुरू कर दिया। तभी पुलिस ने एक बाइक से आ रहे दो युवकों को शक के आधार पर रोक. कर उनसे पूछताछ की तो उनके पास रखे बैग से 210 नशे के इंजेक्शन बरामद हुए। पूछताछ के दौरान पकड़े गए आरोपियों ने अपना नाम मनोज कश्यप पुत्र स्व. ओमकार कश्यप निवासी हरिपुर पूर्णानन्द अर्जुनपुर हल्द्वानी, धर्मेन्द्र मौर्या पुत्र नन्हे लाल मौर्या निवासी गोल्डन फर्नीचर चौधरी कालौनी मंडी हल्द्वानी बताया। गुडवर्क करने वाली टीम में एसएसआई दीपक सिंह बिष्ट, एसआई अंजू यादव, हेड कांस्टेबल त्रिलोक सिंह रौतेला, कांस्टेबल आनन्द पुरी ससहित एसओजी कांस्टेबल संतोष बिष्ट, भूपेन्द ज्येष्ठा शामिल रहे।

बाल दिवस की तैयारियों पर चर्चा

हल्द्वानी। साथी संगठन की साप्ताहिक जनजागरूकता बैठक रविवार को शिव आशीष कॉलोनी डहरिया स्थित जन मिलन केंद्र में हुई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष आनंद सिंह भाकुनी ने की। इस अवसर पर आगामी 14 नवंबर को मनाए जाने वाले चौथे स्थापना दिवस एवं बाल दिवस समारोह की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के मुख्य अतिथि सेनि. ब्रिगेडियर संयोजक जन सैनिक एकजुटता समन्वय समिति सर्वेश चंद्र डंगवाल रहे। कार्यक्रम में अध्यक्ष आनंद सिंह भाकुनी, संरक्षक लीलाधर पांडे, नंदा बल्लभ गुणवंत, लक्ष्मण सिंह गौनिया, कोषाध्यक्ष जगदीश सिंह खोलिया, उपाध्यक्ष डीडी शर्मा, आनंद सिंह रावत, केके जोशी, भुवन चंद्र जोशी, मोहन चंद्र पांडे, मोहन सिंह मेहरा, राजेंद्र सिंह बोरा, पूरन सिंह मेहरा, सुरेंद्र सिंह बिष्ट, जीवन सिंह रावत, जीवन चंद्र आदि मौजूद रहे।

महिला दुग्ध समितियों की गोष्ठियां

शाह टाइम्स संवाद्दाता

लालकुआं। आंचल दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड लालकुआं द्वारा उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर रविवार को कालाढूंगी और रामनगर क्षेत्रों में 40 महिला दुग्ध समितियों की सामूहिक गोष्ठियां आयोजित की गईं। इन गोष्ठियों में लगभग 25,000 दुग्ध उत्पादकों ने उत्साह के साथ भाग लिया और राज्य की रजत जयंती को हर्षोल्लास के साथ मनाया। समारोहों के दौरान दुग्ध उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण और महिला सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

कालाढूंगी क्षेत्र की महिला दुग्ध समितियों की गोष्ठी दूध समिति चांदनी चौक में आयोजित की गई, जिसमें विधायक बंशीधर भगत ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। वहीं रामनगर क्षेत्र की महिला दुग्ध समितियों की गोष्ठी मंदिर प्रांगण बैड़ाझाल में आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में महिला दुग्ध उत्पादक सदस्य शामिल हुए।

रामनगर में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने उपस्थित महिलाओं को दुग्ध उत्पादन से संबंधित सरकारी योजनाओं और कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी और उन्हें इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। आंचल दुग्ध संघ के अध्यक्ष मुकेश बोरा ने कहा कि आंचल ब्रांड उत्तराखंड की ग्रामीण आत्मनिर्भरता और महिला शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के दुग्ध उत्पादक, खासकर महिलाएं, अपनी मेहनत और गुणवत्ता के प्रति समर्पण से आंचल को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिला रही हैं। बोरा ने यह भी बताया कि संघ भविष्य में डिजिटल भुगतान प्रणाली, दूध परीक्षण की वैज्ञानिक पद्धतियां और कोल्ड चेन विस्तार के माध्यम से पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करेगा। कार्यक्रम के दौरान पीड़ित पशुपालक परिवारों को आर्थिक सहायता के रूप में डेढ़ लाख रुपये के चेक भी वितरित किए गए। इस मौके पर प्रशासन/विपणन प्रभारी संजय सिंह भाकुनी, भाजपा प्रदेश मंत्री तरुण बंसल, विपिन जंतवाल, विपिन चंद्र जोशी, दुग्ध संघ उपनिदेशक संजय उपाध्याय, दीपा बिष्ट, कृष्ण कुमार शर्मा, उमेश पठालनी, पीएंडआई सुभाष बाबू, महिला डेयरी सहायक प्रबंधक गीता ओझा, कृपाल सिंह, राजेन्द्र दुम्का, खलील अहमद, शांति कोरंगा, मुन्नी आर्या, मोहन जोशी आदि मौजूद रहे।

पहाड़ी आर्मी का कुनबा बढ़ा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पहाड़ी आर्मी के जिला कमेटी नैनीताल ने गोलापार में एक सदस्यता अभियान चलाया, जिसमें दर्जनों महिला और पुरुषों ने संगठन की सदस्यता ली। इस अभियान का नेतृत्व जिलाध्यक्ष फौजी राजेंद्र कांडपाल और महिला जिलाध्यक्ष प्रेमा ने किया। फौजी राजेंद्र कांडपाल ने कहा कि सरकारों की गलत नीतियों के कारण बाहरी राज्यों से आए लोगों का जनसंख्या घनत्व बढ़ रहा है, जिसके कारण डेमोग्राफी में बदलाव हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस बदलाव से हमारी संस्कृति, भाषा और संसाधनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। महिला जिलाध्यक्ष प्रेमा ने राज्य में बढ़ते महिला शोषण के मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन इन मामलों में कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा है। उनका कहना था कि ऐसे संवेदनशील मुद्दों में उनका संगठन हमेशा महिलाओं और युवाओं के साथ खड़ा रहेगा और संघर्ष करेगा। कार्यक्रम में दीपा देवी, कमला लटवाल, बसंती देवी, नंदी देवी, दिया देवी, दीपा चौहान, भावना पाठक, विजय आर्य, अंकित सिंह, दीपक कुमार, दीया देवी, कैलाश चंद्र, लीला देवी, उमा देवी, निकिता, गंगा बिष्ट, माही, हरेन्द्र राणा, गीता बिष्ट रहे।

वार्षिक बैठक 16 को

हल्द्वानी। वेटरन सिग्नलर्स वेलफेयर एसोसिएशन (वीएसडब्लूए) की प्रथम वार्षिक आम बैठक रविवार को मुखानी स्थित बैंकेट हॉल में कर्नल (सेनि.) जगत सिंह जंतवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त सिग्नल्स के अधिकारी एवं जवान शामिल हुए। बैठक में बताया गया कि यह संगठन उत्तराखंड के कॉर्प्स ऑफ सिग्नल्स वेटरन्स का पहला संगठित मंच है। अब तक 1500 से 2000 सदस्य संगठन से जुड़ चुके हैं। बैठक में संगठनात्मक ढांचे के सुदृढ़ीकरण, सदस्यता विस्तार रणनीति तथा आगामी कॉर्प्स डे 15 फरवरी के आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि संगठन की अगली वार्षिक बैठक आगामी 16 नवंबर को देहरादून में आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर सेनि. सुबेदार मेजर रणजीत सिंह मेहता, जेएस मेहरा, डीसी पंत, डींगर सिंह, पुष्कर सिंह मेहरा सहित बड़ी संख्या में वेटरन सिग्नलर्स मौजूद रहे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादकः
एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286

मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

प्लास्टिक के कट्टे से युवती का शव बरामद, हत्या की आशंका

■ आठ माह पहले हुई थी सुनीता की शादी, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। रेलवे ट्रेक के किनारे प्लास्टिक के कट्टे युवती का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शनाख्त के लिए मोर्चरी में रखवा दिया।

खटीमा के ग्राम खेतलखंडा खाम से लगे रेलवे ट्रेक के किनारे पड़े प्लास्टिक के कट्टे से भीषण दुर्गंध आने पर सूचना पर पहुंची पुलिस ने जब कट्टे को खोला तो उसमें एक युवती का शव बरामद हुआ, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई और घटना की सूचना पुलिस के आला अधिकारियों को दी गई। खटीमा सीओ भूपेंद्र सिंह धोनी ने घटना स्थल का तत्काल मुआयना किया और कार्रवाई के लिए दिशा निर्देश दिए। पुलिस ने शव को शिनाख्त हेतु खटीमा मोर्चरी में रखवा दिया। काफी मशक्कत के बाद देर शाम युवती की शिनाख्त खटीमा पकड़िया निवासी सुनीता पत्नी आनन्द तोमर के रूप में हुई। बताया जाता है कि मृतक सुनीता का विवाह आठ माह पहले बरेली निवासी आनंद तोमर से हुआ थ्ज्ञ। कुछ समय पहले अपने मायके आई हुई थी, जिसका शनिवार की रात खटीमा मंडी के पीछे ग्राम खेतलखंडा खाम के बीच रेलवे ट्रेक पर लाश मिली। पुलिस हत्या की गुत्थी सुलझाने में जुटी है।

अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मोबाइल डेटा विश्लेषण के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि महिला की मौत कैसे हुई और इस वारदात के पीछे कौन लोग शामिल हैं। पुलिस ने अनुमान जताया है कि महिला की हत्या कहीं और कर शव को छिपाने के लिए बोरे में बंद कर यहां फेंका गया होगा।

ट्रांजिट कैंप में व्यक्ति की संदिग्ध मौत, मचा हड़कंप

■ कच्ची शराब से मौत की आशंका पर भड़के लोग

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। रविवार सुबह ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में एक व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। आशंका जताई जा रही है कि उक्त व्यक्ति की मौत जहरीली कच्ची शराब के सेवन से हुई है। घटना के बाद मोहल्ले में भारी आक्रोश फैल गया और लोगों ने अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

जानकारी के अनुसार ट्रांजिट कैंप वार्ड नंबर पांच में रॉक जिम वाली रोड पर हरेराम की दुकान के बाहर रखे एक तख्त पर सुबह एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा मिला। आसपास के लोगों ने शव देखा तो क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। पार्षद प्रतिनिधि राधेश शर्मा को सूचना दी गई।

मौके पर पहुंचे राधेश शर्मा ने पुलिस को खबर दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मौके की छानबीन की, लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो सकी। स्थानीय लोगों का कहना है कि मृतक ने संभवत: कच्ची शराब का सेवन किया था, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मोहल्ले में अवैध कच्ची शराब की बिक्री को लेकर लोगों में भारी रोष देखने को मिला।

पार्षद पति राधेश शर्मा के नेतृत्व में लोगों ने नारेबाजी करते हुए पुलिस प्रशासन और आबकारी विभाग के खिलाफ जमकर हंगामा किया।

लोगों ने आरोप लगाया कि इलाके में खुलेआम जहरीली कच्ची शराब बेची जा रही है, जिससे कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। उन्होंने कहा कि शाम के समय शराबी गलियों में झगड़े करते और नशे में सड़कों या नालियों में पड़े देखे जाते हैं, लेकिन पुलिस और आबकारी विभाग मौन है। राधेश शर्मा ने आरोप लगाया कि आबकारी विभाग और शराब माफियाओं के बीच मिलीभगत है।

उन्होंने कहा कि पहले भी मोहल्ले में अवैध शराब बिक्री की शिकायतें की गईं, मगर प्रशासन ने कभी ठोस कार्रवाई नहीं की। उन्होंने मांग की कि शराब माफियाओं पर तत्काल शिकंजा कसा जाए और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं।

एक नजर

एसएसपी मिश्रा ने किए कई उपनिरीक्षकों के स्थानांतरण

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने जनहित व प्रशासनिक आधार पर कई उपनिरीक्षकों के स्थानांतरण के आदेश जारी किए हैं। शनिवार को जारी किए आदेश के तहत तत्काल प्रभाव से चार उपनिरीक्षकों को उनके नए कार्यस्थल पर भेजा गया है।

एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने उपनिरीक्षक होशियार सिंह को प्रभारी चौकी आदर्श कॉलोनी, कोतवाली रुद्रपुर से स्थानांतरित कर प्रभारी चौकी लोहियाहेड, थाना झनकईया भेजा गया है। उपनिरीक्षक सुरेन्द्र सिंह बिष्ट को पुलिस लाइन रुद्रपुर से प्रभारी चौकी आदर्श कॉलोनी, कोतवाली रुद्रपुर का दायित्व सौंपा गया है। वहीं उपनिरीक्षक प्रदीप शर्मा को थाना झनकईया से स्थानांतरित कर थाना दिनेशपुर भेजा गया है। इसके अलावा उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार को प्रभारी चौकी रम्पुरा, कोतवाली रुद्रपुर से प्रभारी चौकी शिवराजपुर पट्टी, कोतवाली कुंडा में तैनात किया गया है। एसएसपी ने सभी स्थानांतरित अधिकारियों को अपने नए कार्यस्थल पर शीघ्र कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं।

भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष विपुल मैंदोली का रुद्रपुर में हुआभव्य स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विपुल मैंदोली के प्रदेश अध्यक्ष बनने के उपरांत प्रथम बार रुद्रपुर आगमन पर उनका जिला कार्यालय, रुद्रपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान युवा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष विपुल मैंदोली का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के संकल्प को दोहराया। प्रदेश अध्यक्ष विपुल मैंदोलीने अपने संबोधन में कहा कि युवा मोर्चा संगठन का सबसे सशक्त आधार है, और आने वाले समय में युवा ही देश के विकास और संगठन के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सेवा, संगठन और समर्पण की भावना से कार्य करें।

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री युवा मोर्चा दीप कौशयारी, प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मोर्चा विवेक दीप सिंह, जिलाध्यक्ष कमल कुमार जिंदल, महापौर विकास शर्मा, हिमांशु शुक्ला अमित नारंग, रोशन अरोरा, प्रमोद मित्तल, मोर सिंह, सुरेंद्र चौधरी, विजय पाल सिंह तोमर, अक्षय गहलोत, शशांक बिष्ट, मयंक अग्रवाल, बिट्टू चौहान,रचित सिंह, के.के त्रिपाठी, अभिषेक तिवारी आदि थे।

टैगोर नगर में घर के पास घुस आया मगरमच्छ का बच्चा, मचा हड़कंप

■ वन विभाग ने रेस्क्यू कर धौरा जलाशय में छोड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

शक्तिफार्म। क्षेत्र के टैगोर नगर में शनिवार रात उस समय सनसनी फैल गई जब आबादी क्षेत्र में एक मगरमच्छ का बच्चा दिखाई दिया। रात करीब 9 बजे टैगोर नगर निवासी सुखरंजन मंडल पुत्र समीर मंडल के घर के पास लगे नल के नीचे लगभग ढाई फीट लंबा मगरमच्छ का बच्चा अचानक घुस आया। मगरमच्छ को देखकर घरवालों में अफरा-तफरी मच गई।

शोरगुल सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत भाजपा नेता रमेश राय को सूचना दी, जिन्होंने तत्काल वन विभाग बराकोली रेंज को इसकी जानकारी दी। सूचना पाते ही वन विभाग की टीम गौरी शंकर, महेन्द्र सिंह, हरदेव सिंह और राजेश कुमार मौके पर पहुंची। टीम ने भाजपा नेता रमेश राय और स्थानीय लोगों की मदद से मगरमच्छ के बच्चे को सुरक्षित पकड़ लिया। इसके बाद वन विभाग ने उसे धौरा जलाशय में सकुशल छोड़ दिया। सौभाग्य से मगरमच्छ ने किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। घटना के बाद लोगों ने वन विभाग की तत्परता और भाजपा नेता की सक्रियता की सराहना की। इस मौके पर रमेश राय, अशोक अधिकारी, दिलीप राय, सुखदेव बढ़ई, बराकोली रेंज के गौरी शंकर, महेन्द्र सिंह, हरदेव सिंह, राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

श्री खाटू वाले श्याम के जन्मोत्सव पर निकाली गई निशान यात्रा

■ पुजारी जग प्रवेश वत्स ने किया मंदिर में विराजित श्याम बाबा का सिंगर

शाह टाइम्स संवाददाता

नानकमत्ता। श्री श्याम जन्मोत्सव नगर में धूमधाम के साथ मनाया गया। इस उपलक्ष में मंदिर कमेटी द्वारा निशान यात्रा का आयोजन किया गया, निशान यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को जगह-जगह प्रसाद वितरण किया गया।

रविवार को कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की देवउठनी एकादशी पर नगर के मां जगदंबा मंदिर में मंदिर कमेटी द्वारा श्री श्याम जन्मोत्सव पर नगर में निशान यात्रा का आयोजन किया गया। निशान यात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ होते हुए नगर के मुख्य चौराहे से सितारगंज मार्ग पर पहुंची, निशान यात्रा नगर भ्रमण के बाद मंदिर में समापन की गई तत्पश्चात मंदिर कमेटी द्वारा मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें पहुंचे श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इससे पूर्व प्रात: समय मंदिर के पुजारी जग प्रवेश वत्स द्वारा श्री श्याम बाबा का सिंगार किया गया।

इस उपलक्ष में मंदिर परिसर को भव्य एवं आकर्षक ढंग से सजाया गया। यहां मंदिर के पुजारी जग प्रवेश वत्स द्वारा श्री श्याम बाबा खाटू वाले की आरती एवं पूजा अर्चना की गई। आयोजित निशान यात्रा में शोभित रस्तोगी द्वारा श्री राम दरबार की चित्र प्रतिमा देकर विशेष आगंतुकों का सम्मान किया गया। निशान यात्रा में सैकड़ो की संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं द्वारा शिरकत की गई। श्याम बाबा के जयकारे लगाए गये। यहां जगदंबा मंदिर कमेटी के पुजारी पुजारी जग प्रवेश वत्स, मुकेश गुप्ता, प्रमोद अग्रवाल, शोभित रस्तोगी, पीयूष गुप्ता सहित आदि मौजूद रहे।

छह नवंबर को रामनगर में हुआ राज्य आंदोलनकारियों का सम्मेलन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलनकारयों की हल्द्वानी में संपन्न बैठक में राज्य की दशा दिशा पर विमर्श के लिए छह नवंबर को रामनगर में सम्मेलन आयोजित करेंगे। राज्य आंदोलनकारियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सम्मेलन में आमंत्रित किया है।

लोक निर्माण विभाग हल्द्वानी के विश्रामगृह में वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी खड़क सिंह बगड़वाल की अध्यक्षता एवं प्रभात ध्यानी के संचालन में संपन्न बैठक में राज्य आंदोलनकारियों ने राज्य गठन के 25 साल भी बाद भी राज्य की अवधारणा से जुड़े सवालों का समाधान न होने पर आक्रोश बताया। राज्य आंदोलनकारियों का कहना था राज्य गठन के 25 साल बाद भी राज्य की अवधारणा से जुड़े सवालों उत्तराखंड की स्थाई राजधानी, शिक्षा, स्वास्थ्य ,रोजगार, पलायन, विस्थापन ,भ्रष्टाचार का मुकम्मल समाधान नहीं हो पाया है जिससे लोगों में निराशा के साथ आक्रोश बढ़ता जा रहा है। बैठक में राज्य आंदोलनकारियों में इस बात को लेकर भी आक्रोश था कि मुख्यमंत्री के आश्वासन के बावजूद भी राज्य आंदोलनकारियों की समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया। राज्य आंदोलनकारी ने सरकार से मांग है कि राज्य आंदोलनकारियों को स्वतंत्रता सेनानियों की तरह वह तमाम सुविधाएं मिले जो स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को मिलती आ रही है। राज्य आंदोलनकारी में इस बात को लेकर भारी आक्रोश रहा कि धामी सरकार द्वारा 10% क्षैतिज आरक्षण का कानून बनाने के बावजूद भी राज्य आंदोलनकारी को ,उनके आश्रितों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। आंदोलनकारियों ने उत्तराखंड सरकार से किन्हीं कारण से चिन्हीकरण से वंचित आंदोलनकारी के लिए एक अवसर देने की भी मांग की।आंदोलनकारियों ने निर्णय लिया है कि 6 नवंबर को राज्य के आंदोलनकारियों का एक सम्मेलन रामनगर में आयोजित किया जाएगा जिसमें राज्य की दशा दिशा एवं राज्य आंदोलनकारी की समस्याओं पर विमर्श कर आगे की रणनीति बनाई जाएगी। सम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया जाएगा इसके लिए शीघ्र ही मुख्यमंत्री कार्यालय, एवं जिलाधिकारी से संपर्क किया जाएगा। राज्य आंदोलनकारियों ने 6 नवंबर को सभी राज्य आंदोलनकारी से सम्मेलन में पहुंचने की अपील की है।इस दौरान बैठक में खड़क सिंह बगड़वाल, प्रभात ध्यानी,भुवन जोशी,केदार पलाडिया, पुष्कर दुर्गापाल,इंदर सिंह मनराल, योगेश सती, बालम सिंह बिष्ट , भुवन चंद्र पांडे ,पीतांबर तिवारी, दीप चंद्र त्रिपाठी नरेंद्र सिंह ,हेमचंद्र पाठक,बलवंत सिंह डंगवाल ,तनिष्क गोस्वामी ,उमाशंकर तिवारी, कैलाश शाह, चंदन सिंह बिष्ट ,जगमोहन बगडवाल ,कांति जोशी, हीरा विषट ,तारा सिंह बिष्ट, महेश जोशी ,हेमचंद्र पाठक नैनीताल,नरेंद्र कुमार पांडे , भुवन चंद्र तिवारी आदि मौजूद थे।

शास्त्री नगर में हथियारबंद दबंगों का तांडव

■ युवक और युवती से की मारपीट, ताबड़तोड़ फायरिंग

■ फायरिंग में बाल बाल बचे कई लोग, वीडियो वायरल

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। ट्रांजिट कैंप थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर गड्ढा कॉलोनी में शनिवार रात मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच हुए विवाद में दूसरे मोहल्ले से पहुंचे हथियारबंद दबंगों ने एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी और देखते ही देखते ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज से पूरा इलाका दहशत में आ गया। फायरिंग में दो युवक बाल-बाल बच गए, जबकि बीच-बचाव करने आई एक युवती के साथ भी मारपीट की गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें दबंगों को खुलेआम फायरिंग करते और लोगों को धमकाते हुए देखा जा सकता है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एक युवक को मौके से हिरासत में लिया, जबकि अन्य आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने घटनास्थल से कारतूस के दो खोखे बरामद किए हैं और फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शास्त्री नगर गड्ढा कालोनी निवासी संतोष और मनोज के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि झगड़े के दौरान मनोज ने फोन कर अपने साथियों को बुला लिया। कुछ देर बाद रेशमबाड़ी क्षेत्र से करीब डेढ़ दर्जन युवक हथियारों से लैस होकर पहुंचे और आते ही संतोष पर हमला कर दिया। उसे बचाने आई उसकी बहन के साथ भी दबंगों ने हाथापाई की। इस दौरान एक हमलावर ने संतोष को जान से मारने की नीयत से उसकी कनपटी पर तमंचा रख दिया, लेकिन फायर मिस हो गया, जिससे उसकी जान बच गई। वहीं मौके पर मौजूद एक युवक जब घटना का वीडियो बना रहा था, तो दबंगों ने उस पर भी गोली चला दी। गोली घर के गेट से टकराई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। ताबड़तोड फायरिंग से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और लोग घरों में दुबक गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और एक युवक को पकड़ लिया। पुलिस का कहना है कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है। मामले में संतोष के भाई सोनू राठौर ने तहरीर में कहा है कि शनिवार की रात्रि उसका बड़ा माई सन्तोष राठौर खाना खाकर घर के मेन गेट के बाहर बैठा हुआ था। तभी पड़ोस में रहने वाला मनोज राठौर जो कि नशे में धुत होकर आया और माँ बहन की गंदी गंदी गाली गलौच करने लगा जब मां रामबेटी शोर सुनकर घर से निकल कर बाहर आई और रान्तोष राठौर को घर के अन्दर लेकर जाने लगी तभी मनोज के परिजन भी आ गये और उन्होनें कई अन्य लोगों को मौके पर बुला लिया। जिन्होंने मारपीट के साथ ही हथियार लहराते हुए जमकर फायरिंग भी की और जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर हमलावरों की तलाश तेज कर दी है।

प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट के आगमन की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। आगामी पांच नवम्बर को प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट के आगमन को लेकर भाजपा जिला कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, स्वागत व्यवस्था तथा संगठनात्मक तैयारियों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में भाजपा जिला कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। तथा कार्यक्रम का संयोजक सुरेश कोहली को बनाया गया बैठक में जिला उपाध्यक्ष हिमांशु शुक्ला, अमित नारंग, अमित पांडेय, प्रीत ग्रोवर, प्रमोद मित्तल, मोर सिंह, सुरेन्द्र चौधरी, मानस जायसवाल, अक्षय गहलोत, बिट्टू चौहान, स्वाति शर्मा उपस्थित रहे।

कोलम्बस स्कूल में शिक्षकों के लिए एआई कार्यशाला का सफल आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। मॉडल कॉलोनी स्थित नगर के प्रतिष्ठित कोलम्बस पब्लिक स्कूलमें सीबीएसई क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून के सौजन्य से सीबीएसई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा विद्यालय के शिक्षकों के लिए 'कक्षाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग'विषय पर विद्यालय के सभागार मेंएक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में गुरुकुल फाउंडेशन स्कूल, काशीपुर के प्रधानाचार्य प्रतीक गोयल एवं बीएलएम एकेडमी, हल्द्वानी की वरिष्ठ एआई शिक्षिका नीलिमा उपाध्याय उपस्थित रहीं। विद्यालय के प्रबंध निदेशकमनोज कुमार खेड़ा एवं प्रधानाचार्य मनोज कुमार ने दोनों अतिथियों को दुशाला ओढ़ाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका पारंपरिक स्वागत किया। मां शारदा की प्रतिमा के सम्मुख सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं विद्यालय की शिक्षिकाओं के गायन-समूह द्वारा स्वागत गीत की मनमोहक प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

प्रधानाचार्य मनोज कुमार ने बताया कि कार्यशाला में विद्यालय के 59 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया। मुख्य वक्ता प्रतीक गोयल ने शिक्षकों को चैटजीपीटी, जेमिनी, कैनवा एआई, माइक्रोसॉफ्ट को-पायलट, क्विजी जैसे एआई टूल्स के उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन टूल्स की मदद से शिक्षक लेसन प्लान, प्रश्न-पत्र निर्माण, प्रोजेक्ट गाइडेंस और मूल्यांकन को अधिक सरल और प्रभावी बना सकते हैं। उन्होंने कहा," आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधुनिक शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। यह शिक्षण को रोचक बनाते हुए विद्यार्थियों में सृजनात्मकता और विश्लेषणात्मक सोच को बढ़ावा देता है।"

नीलिमा उपाध्याय ने एआई तकनीक के व्यावहारिक उपयोग पर जोर देते हुए हैंड्स-ऑन सेशन का संचालन किया। इसमें प्रतिभागियों ने स्वयं एआई टूल्स का प्रयोग कर डिजिटल कंटेंट, पोस्टर और प्रश्नावली तैयार की। शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नई तकनीक के प्रति गहरी रुचि दिखाई। प्रबंध निदेशक मनोज कुमार खेड़ा ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह कार्यशाला विद्यालय के शिक्षण-विकास कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो शिक्षकों को नई तकनीकी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने मुख्य वक्ताओं एवं सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। कार्यक्रम का समापन मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया।

फसल के आंकड़े तय करेंगे किसानों का भविष्य, एडीएम ने की क्रॉप कटिंग

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। ग्राम हिम्मतपुर बैलपड़ाव में किसान मुन्नी देवी के खेत में धान की फसल की क्रॉप कटिंग का कार्य किया गया।जिसमें अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व) शैलेंद्र सिंह नेगी ने स्वयं भाग लिया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नेगी ने बताया कि क्रॉप कटिंग प्रक्रिया के माध्यम से फसल उत्पादन के सटीक आंकड़े प्राप्त होते हैं। ये आंकड़े न केवल किसानों के हित में नीतिगत निर्णय लेने में मददगार होते हैं, बल्कि सरकार की कृषि नीति, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), खाद्यान्न भंडारण, आयातख्रनिर्यात नीति जैसी योजनाओं के निर्धारण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान फसलों को हुई क्षति की भरपाई के लिए राहत राशि वितरण में भी इन्हीं आंकड़ों का उपयोग किया जाता है। इसके साथ ही ये आंकड़े राष्ट्रीय सांख्यिकी सर्वेक्षण में भी शामिल किए जाते हैं। कार्यक्रम के दौरान एसडीएम कालाढूंगी बिपिन चंद्र पंत,तहसीलदार मनीषा मारकाना,अपर सांख्यिकी अधिकारी मीना नेगी, राजस्व उप निरीक्षक तारा चन्द्र घिल्डियाल, जीवन चन्द्र,रजिस्ट्रार कानूनगो मनोज कुमार जोशी, स्थानीय किसान पंकज नेगी, इन्द्र सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

पढ़ते रहिए दैनिक शाह टाइम्स और हमसे जुड़े रहें

सम्बंध विच्छेद

मैंने अपने पुत्र सचिन एवं पुत्रवधू नैना के दुर्व्यवहारों से तंग आकर इनसे अपने तथा अपने अन्य परिजनों के सभी सम्बंध विच्छेद कर अपने पुत्र सचिन एवं पुत्रवधू नैना को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब मेरा या मेरे किसी भी परिजन का मेरे पुत्र सचिन एवं पुत्रवधू नैना से कोई सम्बंध या वास्ता सरोकार नहीं है। जो भी व्यक्ति मेरे पुत्र सचिन एवं पुत्रवधू नैना से किसी भी प्रकार का कोई सम्बंध या वास्ता-सरोकार अथवा लेनदेन के व्यवहार रखेगा तो उसके लिए वह व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा। मैं या मेरा कोई भी परिजन इनके किसी भी कृत्य के लिए जिम्मेदार नहीं है।

श्रीमती सीमा देवी पत्नी श्री रमेश निवासी-म.नं.-141, वार्ड नं.-06, सितारगंज, जिला-ऊधमसिंह नगर

चार माह पूर्व भालू के हमले से घायल हुए युवक ने दम तोड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

शक्तिफार्म। भालू के हमले से घायल हुआ तिलियापुर निवासी 39 वर्षीय युवक ने चार माह बाद दम तोड़ दिया। मृतक अपने पीछे रोती बिलखती पत्नी व छोटे-छोटे चार बच्चों को छोड़ गया। 20 जून को तिलियापुर निवासी जांगीर सिंह पुत्र जीत सिंह डोली रेंज क्षेत्र में मवेशियों को चराने गया था। अचानक भालू ने हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया था। जांगीर को पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बाद में उप जिला चिकित्सालय व उसके बाद एसटीएच में भर्ती कराया था। शुक्रवार को जांगीर ने दम तोड़ दिया।

जांगीर की पत्नी परमजीत कौर ने रविवार को बताया कि उन्होंने तत्काल वन विभाग को सूचना दी थी। परंतु वन विभाग के तरफ से कोई मुआवजा नहीं दिया गया। जो भी उनके पास पूंजी थी उन्होंने इलाज में लगा दिया। साथ ही गांव एवं रिश्तेदारों से भी चंदा एकत्रित कर इलाज कराया। परंतु अब उनके एवं बच्चों के समक्ष भरण पोषण की समस्या है। वन क्षेत्राधिकारी डौली रेंज लालकुआं नवीन पवार ने बताया कि मामला बहुत पुराना है। चिकित्सक के रिपोर्ट पर ही पता चल सकेगा कि भालू के हमले से मृत्यु हुई है या फिर कोई अन्य कारण। अगर घायल के परिजनों ने तत्काल वन विभाग को सूचित किया है तो बजट आने पर परिजनों को सहायता दी जाएगी।

राज्य सरकार ने की आपदा पीड़ितों के लिए राहत व पुनर्वास मद की घोषणाएं

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। राज्य सरकार द्वारा आपदा की चपेट में आए लोगों एवं ध्वस्त हुए आशियानों से प्रभावित लोगों के प्रति संदेनशीलता दिखाते हुए अब उन्हें पांच-पांच लाख का मुआवजा दिया जाएगा। यह नई व्यवस्था इस वर्ष पांच अगस्त के बाद से लागू की गई है।

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने अनुसार जनपद में आपदा से पीड़ित लोगों को शीघ्र उक्तानुसार राहत सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि मृतकों के आश्रितों को दी जाने वाली पांच लाख रुपये की धनराशि में चार लाख एसडीआरएफ से तथा एक लाख सीएम राहत कोष से दिया जाएगा। इसी प्रकार शासन द्वारा पुनर्वास करने में भी धनराशि बढ़ाई गई है। अब अन्यत्र विस्थापित किए जाने वाले व्यक्ति को भी भवन निर्माण हेतु 4लाख, बंजर भूमि की आबाद करने के लिए 15हजार, गौशाला निर्माण हेतु 15 हजार, विस्थापन भत्ता 10हजार, अपने व्यवसाय को पुनः शुरू करने के लिए 25हजार की धनराशि दी जाएगी।

इधर जिलाधिकारी द्वारा आज राजकीय प्रजनन उद्यान, मुड़ियानी का निरीक्षण किया। डीएचओ हरीश कोहली ने जिलाधिकारी को नर्सरी की गतिविधियों की जानकारी दी। जिलाधिकारी ने इस नर्सरी को हार्टी टूरिज्म के लिए उपयुक्त स्थान बताया कहा यहां ऐसे हट बनाए जाए,जिससे पर्यटक यहां विश्राम भी कर सके। जिलाधिकारी ने सब्जी उत्पादन,बागवानी व फूलों की खेती से युवाओं को जोड़ने पर जोर देते हुए कहा कि युवाओं का इस नर्सरी में भ्रमण भी कराया जाए। जिससे वे प्रेरित होकर स्वयं को रोजगार से जोड़ सके।

भारी मात्रा में गांजे के साथ एक को दबोचा, कैंटर किया सीज

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। कोतवाली पुलिस ने एक व्यक्ति को गांजे के साथ गिरफ्तार किया है।

कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि शनिवार देर शाम चौधरी ढाबे से लगभग 500 मीटर आगे मालधन रोड पर चेकिंग के दौरान यूके 04 सीए 8489 नंबर के कैन्टर वाहन को रोका गया। तलाशी लेने पर वाहन से 03 कट्टों में भरा कुल 44.26 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ, जिसका बाजार मूल्य लगभग 2,25,000 रुपये है।

आरोपी किशन जोशी निवासी छोटी हल्द्वानी को गिरफ्तार कर वाहन को सीज किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी पर्वतीय क्षेत्रों से गांजा लाकर मैदानी क्षेत्रों में बेचने की फिराक में था। आरोपी के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया है। इस दौरान पुलिस टीम में पीरुमदारा पुलिस चौकी प्रभारी सुनील धानिक,एसआई गणेश जोशी, कांस्टेबल विनीत चौहान, कांस्टेबल प्रयाग कुमार, कांस्टेबल कविन्द्र सिंह शामिल रहे।

एक नजर

राज्य स्थापना रजत जयंती वर्ष पर हुई विभिन्न वर्गों की दौड़

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। राज्य स्थापना रजत जयंती वर्ष के अवसर पर यहां विभिन्न वर्गों की ओपन दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। अंबेडकर पार्क में नगर पालिका की अध्यक्षा प्रेमा पांडे, भाजपा जिलाध्यक्ष गोविंद सावंत, विधायक प्रतिनिधि प्रकाश तिवारी ने युवाओं को झंडी दिखाई।

यह दौड़ ढकना बडोला होते हुए डूंगरा सेठी से पुनः इसी स्थान में लौटी। बालकों के ओपन वर्ग में सागर धोनी, बालिकाओं में सोनी, अंडर 15 वर्ष में आरुष, ओपन दौड़ में सुनील कुमार, बालिकाओं में उषा, अंडर 15 में करण कुमार, ओपन बालक में नितिन सिंह,बालिकाओं में गीतिका महर, अंडर 15 में राजीव ओपन बालक में रमेश सिंह,बालिकाओं में सुमन, अंडर 15 वर्ष में रघुवर सिंह,ओपन बालक में निखिल भट्ट, बालिकाओं में रिया, अंडर 15 वर्ष में कमल बोहरा तथा ओपन बालक में प्रकाश भट्ट, बालिकाओं में अनीशा, अंडर 15 वर्ष नितिन बोहरा ने क्रमशः पहला,दूसरा तीसरा, चौथा,पांचवा एवं छठा स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर व्यापार संघ के अध्यक्ष विकास साह,सुनील पुनेठा, तारा दत्त जोशी आदि प्रमुख लोग भी मौजूद थे। इस प्रतियोगिता के आयोजक जिला क्रीड़ा अधिकारी चंदन सिंह बिष्ट ने बच्चों के प्रयासों की सहारना की।

पत्नी पर उबलता पानी डालने वाले पति पर मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। रम्पुरा वार्ड-23 में घरेलू विवाद के चलते पत्नी पर खौलता हुआ पानी डालने के आरोपी पति पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, रम्पुरा निवासी रामपाल पुत्र बुद्धसेन ने तहरीर में बताया कि उसकी बेटी की शादी 14 वर्ष पूर्व कुवैर पाल निवासी रम्पुरा वार्ड से हुई थी। शादी के बाद से ही उनकी बेटी को उसका पति कुवैर पाल, देवर भानु, ननद सुशमा और भांजा अजय लगातार गाली-गलौज, मारपीट और उत्पीड़न करते थे। आरोप है कि ससुराल वाले उस पर हर महीने मायके से 10 हजार रुपये लाने का दबाव डालते थे। 9 अक्तूबर की सुबह विवाद के दौरान कुवैर पाल ने अपने परिजनों के उकसावे में आकर उसकी बेटी के ऊपर उबलता हुआ पानी फेंक दिया।

घटना में आशा गर्दन से नीचे तक गंभीर रूप से झुलस गई। आरोप है कि घटना के बाद उनकी बेटी को तीन दिन तक कमरे में बंद रखकर डराया और शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना की जानकारी तब मिली जब रामपाल की बहू मौके पर पहुंची और उसने घायल आशा को देखा। इसके बाद परिवार ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। सीओ प्रशांत कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रैंप वॉक में झलकी बांग्ला संस्कृति की अनोखी छटा

- चार साल की बच्ची से लेकर 84 वर्ष के बुजुर्गों तक ने किया आकर्षक प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

शक्तिफार्म। गांव गुरुग्राम में आयोजित पांच दिवसीय काली पूजा महोत्सव का समापन बांग्ला संस्कृति की रंगीन छटा के साथ हुआ। अंतिम दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या एवं रैंप वॉक प्रतियोगिता में पारंपरिक परिधानों से सजे प्रतिभागियों ने मंच पर कदम रखते ही उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान वितिका मिस्त्री एवं पंचायत सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने नृत्य, गीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से बांग्ला संस्कृति की झलक दिखाई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा रैंप वॉक,

जिसमें 4 वर्षीय बच्चों से लेकर 84 वर्ष के बुजुर्ग दंपति तक ने आत्मविश्वास के साथ मंच पर अपनी अदाओं का जलवा बिखेरा। रैंप वॉक में प्रतिभागियों ने बांग्ला परंपरागत परिधानों धोती, कुर्ता, साड़ी और पारंपरिक आभूषणों में सजकर संस्कृति, सभ्यता और परंपरा का ऐसा सुंदर मिश्रण प्रस्तुत किया, जिसने सभी को भावविभोर कर दिया। रैंप प्रतियोगिता मे महिला वर्ग में खुशबू विश्वास ने प्रथम, मिस्टी मंडल ने द्वितीय,और आराधना खान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में मनोज खान प्रथम ,मनोज मंडल द्वितीय, तथा हरगोविंद वैद्य तृतीय स्थान पर रहे। वहीं कपल्स वर्ग में शर्मिला एवं जयंत मंडल ने प्रथम,बृजवासी एवं नीलिमा ढाली ने द्वितीय, और प्रदीप विश्वास एवं शांति विश्वास ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के समापन पर ग्राम प्रधान वितिका मिस्त्री ने कहा कि "बांग्ला संस्कृति हमारी पहचान है, और इस तरह के आयोजन समाज को एकता व परंपरा से जोड़ते हैं। देर रात तक चले इस सांस्कृतिक आयोजन ने पूरे क्षेत्र में काली पूजा महोत्सव की यादों को अविस्मरणीय बना दिया। इस मौके पर रविंद्र खान, दिलीप मिस्त्री, प्राण बढ़ई, कौशल्या गोलदार, दीपक सरकार, अमित हालदार, अमित बैरागी, शेफाली मंडल, पार्वती खान, श्रीकांत विश्वास सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

आदि कैलाश में उत्तराखंड की पहली हाई एल्टीट्यूड अल्ट्रा रन मैराथन का ऐतिहासिक आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। उत्तराखंड के पौराणिक और आध्यात्मिक धरोहर स्थल आदि कैलाश की पवित्र छाया में आज राज्य की पहली हाई एल्टीट्यूड अल्ट्रा रन मैराथन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित यह आयोजन उत्तराखंड की साहसिक खेल क्षमता, प्राकृतिक धरोहर और पर्यटन संभावनाओं के नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। यह 60 किलोमीटर लंबी अल्ट्रा रन आदि कैलाश से प्रारंभ हुई, जिसमें देश के 22 राज्यों से 700 से अधिक धावकों ने भाग लिया। ऊंचाई, कठोर मौसम और चुनौतीपूर्ण हिमालयी ट्रैक के बीच प्रतिभागियों ने अदम्य साहस, धैर्य और फिटनेस का अद्भुत प्रदर्शन किया।

प्रतिभागियों ने उत्तराखंड सरकार और जिला प्रशासन द्वारा की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की जमकर प्रशंसा की। धावकों ने कहा कि आईटीबीपी तथा भारतीय सेना का सहयोग और मार्गदर्शन अतुलनीय रहा, जिसने इस कठिन रूट पर आयोजन को सफल और सुरक्षित बनाया। प्रतिभागियों एवं स्थानीय लोगों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आदि कैलाश आगमन के बाद इस क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों में तेजी आई है। प्रधानमंत्री के हिमालयी क्षेत्रों में शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण और राज्य सरकार के सतत प्रयासों से सीमांत क्षेत्र में साहसिक पर्यटन, धार्मिक पर्यटन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल रही है। कार्यक्रम में सचिव पर्यटन, आईटीबीपी अधिकारी, जिला प्रशासन, पुलिस विभाग के अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान स्थानीय जनता में भारी उत्साह देखने को मिला और हजारों लोगों ने धावकों का उत्साहवर्धन किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आदि कैलाश में पहली हाई एल्टीट्यूड अल्ट्रा रन मैराथन के सफल आयोजन पर सभी प्रतिभागियों, आयोजनकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों को बधाई देते हुए कहा कि यह आयोजन उत्तराखंड के लिए गर्व का क्षण है। आदि कैलाश जैसे पवित्र व आध्यात्मिक धाम में आयोजित यह ऐतिहासिक अल्ट्रा रन न केवल साहस और समर्पण की मिसाल है, बल्कि यह सीमांत क्षेत्रों में साहसिक पर्यटन और खेल संस्कृति को नई दिशा देगा। राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यह आयोजन उत्तराखंड के उज्ज्वल भविष्य और असीम संभावनाओं का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और उनके द्वारा आदि कैलाश में किए गए दर्शन के बाद इस संपूर्ण क्षेत्र में पर्यटन और आध्यात्मिक गतिविधियों को अभूतपूर्व प्रोत्साहन मिला है। राज्य सरकार भी प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में हिमालयी और शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु निरंतर कार्य कर रही है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सड़क परिवहन मंत्री अजय टम्टा ने कहा आज प्रधानमंत्री का सपना विंटर टूरिज्म विजन को उत्तराखंड में साकार करने की दिशा में यह आयोजन एक मील का पत्थर है। राज्य की पुष्कर सिंह धामी सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वाइब्रेंट विलेजों में होमस्टे विकसित कर रही है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने कहा यह आयोजन उत्तराखंड पर्यटन विभाग, स्थानीय प्रशासन और वाइब्रेंट विलेज समिति के सहयोग से संपन्न हुआ। प्रतिभागियों ने आदि कैलाश के मनोरम दृश्यों के बीच दौड़ पूरी कर अपनी फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का परिचय दिया। राज्य सरकार ने इस तरह के साहसिक आयोजनों को बढ़ावा देकर उत्तराखंड को एडवेंचर टूरिज्म का हब बनाने का संकल्प लिया है।

20 वर्षों से संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश

- उत्तराखंड राज्य गठन के 25 वर्षों बाद भी नहीं मिल पाई पक्की सड़क
- शासन-प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाते लगाते थक चुके हैं स्थानीय लोग

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। नानकमत्ता विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 17 भुजिया नंबर तीन में क्षतिग्रस्त और खस्ता हाल संपर्क मार्ग को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्ष 2006 में एक बार सड़क बनी थी उसके बाद लगभग 20 साल हो गए सड़क की दुर्दशा पर किसी ने भी सुध नहीं ली जबकि स्थानीय लोगों द्वारा अनेकों बार पूर्व विधायक प्रेम सिंह राणा, वर्तमान विधायक गोपाल सिंह राणा, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित तमाम जनप्रतिनिधियों से इस क्षतिग्रस्त रोड के निर्माण की गुहार लगाई गई।

आपको बता दें कि पूर्व में यह इलाका ग्रामीण क्षेत्र नौगवांठग्गू में लगता था लेकिन वर्तमान में यह खटीमा नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 17 में शामिल है। पूर्व में जिस हालत में सड़क थी उसी हालत में वर्तमान में भी बनी हुई है। गौरतलब बात यह है कि इस क्षेत्र में अधिकांश संख्या में देश की सेवा कर चुके पूर्व सैनिक निवास करते हैं जो सरकार से अपने आप को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि बरसात के समय में इस सड़क से निकलना बेहद मुश्किल हो जाता है। वहीं स्कूल आने-जाने वाले बच्चों तथा बीमार व्यक्तियों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। वहीं स्थानीय लोगों का आरोप है कि चुनाव के समय जब नेता वोट मांगने आते हैं तो बड़े-बड़े वादे करके चले जाते हैं और वोट लेने के बाद कभी सुध नहीं लेते हैं। वहीं इस जर्जर संपर्क मार्ग का दंश झेल रहे स्थानीय निवासियों तथा पूर्व सैनिकों में सरकार व जनप्रतिनिधियों के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। इसके साथ ही उन्होंने शासन-प्रशासन से अति शीघ्र इन संपर्क मार्गों के निर्माण की मांग की है। वहीं आक्रोशित स्थानीय लोगों और पूर्व सैनिकों ने चेतावनी दिया है कि यदि आगामी चुनाव से पहले इन संपर्क मार्गों का निर्माण नहीं कराया जाता है तो वह चुनाव का बहिष्कार करेंगे।

नानकमत्ता विधानसभा के साल भोजी नंबर 3 नौगवांठग्गू इलाके में सड़क निर्माण की फाइल वर्तमान में वन विभाग में गतिमान है। उक्त सड़क निर्माण को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे है। यह सड़क सीएम घोषणा के अंतर्गत है। जैसे ही वन स्वीकृति मिलती है उक्त सड़क का निर्माण आतिशीघ्र कराया जाएगा।

गोपाल सिंह राणा
विधायक नानकमत्ता विधानसभा

रोड लगभग 20 साल से खराब चल रहा है। बरसात के समय में काफी परेशानी होती है। कमर भर पानी में आना-जाना पड़ता है। रोड दिखती नहीं है। रोड बिल्कुल टूट गया है। बड़े-बड़े गड्ढे बने हैं। बच्चों और बूढ़ों को काफी परेशानी होती है। विधायक गोपाल सिंह राणा से बनाने के लिए कहा था। अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई। विधायक जी रोड को सुधरवा दीजिए ताकि आने-जाने की सुविधा हो जाए।

इंदल गिरी वार्ड 17 भुजिया नंबर 3

नगर पालिका वार्ड नंबर 17 भुजिया नंबर तीन में रोड पूरी तरह टूट कर खराब हो चुकी है। नेता वोट मांगने आते हैं तो हाथ जोड़ते हैं और जीतने के बाद दोबारा लौट के नहीं आते हैं। सभी जगह गुहार लगाकर थक चुके हैं। बच्चों को स्कूल जाने में काफी दिक्कत होती है। बरसात के समय में सबसे ज्यादा खराब स्थिति हो जाती है। हम लोगों की कोई सुध नहीं ले रहा है। सरकार हमारी रोड बना दे ताकि बच्चों और हमारे लिए सुविधा हो जाए।

सुनीता देवी स्थानीय महिला

पूर्व में नौगवांठग्गू, वर्तमान में नानकमत्ता विधानसभा क्षेत्र नगर पालिका वार्ड नंबर 17 भुजिया नंबर तीन में रोड की हालत बिल्कुल दयनीय है। दो-दो विधायक होने के बावजूद भी विगत कई वर्षों से रोड की हालत दयनीय है। बीमार व्यक्ति अस्पताल नहीं पहुंच पाते हैं और बच्चे स्कूल नहीं जा पाते हैं। बरसात में स्थिति बेहद खराब हो जाती है। सरकार और प्रतिनिधियों से गुहार लगाते लगाते थक चुके हैं। विधायक गोपाल सिंह राणा कभी शक्ल दिखाने भी नहीं आते हैं। यहां लगभग 95 प्रतिशत पूर्व सैनिक निवास करते हैं। मुख्यमंत्री धामी को तीन बार लिखित रूप में रोड बनाने के लिए आवेदन दिया गया है। मीडिया द्वारा हम अपनी बात मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री तक पहुंचाना चाहते हैं ताकि रोड की हालत सुधर जाए।

सूबेदार ललित चंद

खटीमा के साल भोजी 3 नौगवांठग्गू इलाके में सड़क निर्माण वर्ष 2021 में मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल है। जिसको लेकर पीडब्लूडी द्वारा उक्त इलाके में 1.2 किलोमीटर लंबी इंटर लाकिंग टाइल्स रोड निर्माण हेतु वन भूमि हस्तांतरण हेतु नोडल देहरादून को भेजा गया है। विभाग द्वारा प्रथम चरण की कार्यवाही गतिमान है, राज्य सरकार से उक्त निर्माण हेतु स्वीकृति प्राप्त है लेकिन उक्त मामले में वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट प्लान द्वारा वन विभाग के कुमाऊं कंजरवेटर को कुछ आपत्तियों के साथ संशोधन हेतु पत्र भेजा गया है। जहां वन विभाग में उक्त कार्यवाही गतिमान है। वहां से स्वीकृति मिलने के उपरांत आगे की कार्यवाही विभाग द्वारा की जाएगी।

एई प्रेम प्रकाश तिवारी, लोक निर्माण विभाग खटीमा

छह नवंबर को रामनगर पहुंचेंगे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर इस वर्ष राज्य के 25 वर्ष पूरे होने पर सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में रजत महोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में आगामी छह नवंबर को प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और वन मंत्री सुबोध उनियाल रामनगर पहुंचेंगे, जहां वे जन वन उत्सव कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

यह कार्यक्रम रामनगर वन प्रभाग कोसी रेंज के नगर वन क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। आयोजन के संयोजक एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री राकेश नैनवाल ने बताया कि इस जन वन उत्सव का मुख्य उद्देश्य वन संरक्षण, मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के उपायों पर चर्चा करना और जनता से सीधा संवाद स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और वन मंत्री इस अवसर पर स्थानीय लोगों से संवाद कर वन एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में नई पहलें साझा करेंगे, साथ ही यह कार्यक्रम राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर जन भागीदारी के साथ उत्तराखंड के वन क्षेत्र के योगदान को रेखांकित करेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रविवार को एसडीएम प्रमोद कुमार, कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. साकेत बडोला,समेत वन विभाग के कई अधिकारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर की जा रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी व्यवस्थाओं को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। एसडीएम प्रमोद कुमार ने कहा कि कार्यक्रम में सुरक्षा, पार्किंग, जलापूर्ति और जनसुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जा रही है ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो। कार्यक्रम संयोजक राकेश नैनवाल ने बताया मुख्यमंत्री और वन मंत्री जन वन उत्सव में शामिल होकर जनता से संवाद करेंगे। कार्यक्रम का मकसद जंगलों और वन्यजीवों के बीच सामंजस्य बनाना और संघर्ष की घटनाओं को कम करने के उपायों पर चर्चा करना है। वहीं मामले में एसडीएम प्रमोद कुमार ने कहा कि कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया गया है,सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि तैयारियां समय पर पूरी कर ली जाएं।

खटीमा में हो रही है अजब गजब चोरी

- किसान अपने घरों में सोते रहे, खनन माफिया ले उड़े कई एकड़ खेतों की मिट्टी

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। खटीमा तहसील क्षेत्र में एक अजब-गजब चोरी का मामला सामने आया है। जहां किसान अपने घरों में सोते रहे और बेखौफ खनन माफियाओं ने उनके कई एकड़ खेतों की मिट्टी पर अपना हांथ साफ कर दिया। ग्राम मोहम्मदपुर भूड़िया में विगत कई दिनों से खनन माफिया सक्रिय हैं जो अंधेरा होते ही खेतों की उपजाऊ मिट्टी खोदना शुरू कर देते हैं। शनिवार की रात जब किसान अपने घर में सो रहे थे उसी समय बेखौफ खनन माफिया उनके कई एकड़ खेतों की मिट्टी खोद कर उठा ले गए।

इस अजब गजब खनन की खबर लगते ही खटीमा राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया और रविवार की सुबह राजस्व विभाग की टीम तथा पुलिस विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से खनन स्थल पर छापा मारा।

वहीं भनक लगते हैं खनन माफिया मौके से फरार हो गए। रविवार की सुबह लगभग 6 बजे ग्राम मोहम्मदपुर भूड़िया में राजस्व विभाग तथा पुलिस विभाग को जब खनन की सूचना मिली तो मौके पर पहुंचने के बाद खनन स्थल का नजारा देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। खनन माफिया मडलोडर एवं जेसीबी से लगभग आधा दर्जन किसानों के खेतों की अलग-अलग जगहों से उपजाऊ मिट्टी खोदकर उठा ले गए। वहीं रविवार की सुबह राजस्व विभाग की टीम तथा पुलिस विभाग की टीम की छापा की खबर लगते ही खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया और वाहन लेकर मौके से फरार हो गए।

वहीं मौके पर पहुंचे तहसीलदार वीरेंद्र सिंह सजवान सभी खनन स्थलों की नाप-जोख तथा उनको चिन्हित किया। इस दौरान टीम को कई जगह स्टोर की गई मिट्टी के ढेर मिले, विभाग ने उन्हें भी चिन्हित कर लिया। इधर ग्रामीणों ने बताया कि खनन माफिया दबंग प्रवृत्ति के हैं। अगर कोई भी ग्रामीण खनन का विरोध करता है तो उनके साथ अभद्र व्यवहार करते हैं। इधर पुलिस को खनन स्थल के पास खड़ी एक ट्रैक्टर ट्रॉली मिली, इसके बारे में पूछताछ कर पुलिस ने धारा 181 के तहत ट्रैक्टर ट्राली का चालान कर दिया।

वहीं तहसीलदार वीरेंद्र सिंह सजवान ने बताया कि लगभग आधा दर्जन किसानों के खेतों की अलग-अलग जगह से मिट्टी खोदा गया है। उन्होंने कहा कि खतौनी के आधार पर खनन माफियाओं व खेत स्वामी को चिन्हित कर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

इस दौरान तहसीलदार वीरेंद्र सिंह सजवान, कानूनगो रिशिपाल, 17 मिल चौकी प्रभारी ललित सिंह बिष्ट, लेखपाल उमेश जोशी, मुकेश कुमार, कांस्टेबल झिंगरु राम, धर्म सिंह मेहरा तथा ललित सिंह आदि मौजूद रहे।

रीठासाहिब में गुरु घर में हुए चमत्कार को देखकर गुरुकुलम अकादमी के बच्चे हुए अविभूत

- शैक्षिक भ्रमण पर आए बच्चों ने गुरुद्वारा परिसर का किया भ्रमण

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। मीठे के चमत्कार के लिए दुनिया में प्रसिद्ध गुरुद्वारा श्रीरीठासाहिब में आज जिले की प्रमुख शिक्षण संस्था गुरुकुलम एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने अपनी आंखों से उस चमत्कार को देखा जिसमें गुरु नानक देव महराज ने चौथी उदासी के दौरान यहां का भ्रमण कर अपनी आध्यात्मिक शक्ति के बल पर कड़वे रीठे में मिठास भर दी थी। आज वही मीठे रीठे का फल यहां प्रसाद के रूप में दिया जाता है।

विद्यालय के प्रबंधक राजेश पांडे एवं प्रधानाचार्य भास्कर चौबे के नेतृत्व में विद्यालय के छठी से 11वीं कक्षा तक के बच्चों ने यहां गुरु घर के में हुए चमत्कारों के बारे में बड़ी दिलचस्पी ली। गुरुद्वारा प्रबंधक बाबा श्याम सिंह ने गुरुद्वारे के इतिहास की जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार गुरु नानक देव जी महाराज के इस स्थान में चरण पढ़ने से यह धरती दिव्य व पावन हो गई थी। यह चमत्कार उस समय हुआ था जब गुरु नानक देव जी यहां सत्संग कर रहे थे और उनके शिष्य मर्दाना को भूख लगी, वहां खड़े रीठे से लदे पेड़ की ओर इशारा करते हुए गुरु महाराज ने उन्हें वहां से फल खाने को कहा। लेकिन जब उसे फल खाने को कहा गया तो खाने के बाद कड़वे रीठे में छुहारे जैसी मिठास भरी हुई थी। यही गुरु महाराज की आध्यात्मिक शक्ति का चमत्कार था।

लधियाघाटी का यह क्षेत्र ऐसा अन्नपूर्णा है कि यहां की धरती सोना उगलती है। यहां का दृश्य हर व्यक्ति को प्रकृति के आगोश में बांध लेता है। बच्चों ने अपने भ्रमण के दौरान तमाम सवाल गुरुद्वारा प्रबंधक एवं अपने शिक्षकों से किए तथा उनकी जिज्ञासा को शांत किया गया। यहां का प्राकृतिक सौंदर्य देखने लायक था। बच्चों ने दीवान हांल में मत्था टेक कर सबकी भलाई के लिए मन्नत मांगी। लधिया व रतिया नदी के संगम मैं भी खूब मनोरंजन किया। गुरुद्वारे में सभी बच्चों को रीठा एवं हलवे का प्रसाद दिया गया।

बाबा श्याम सिंह ने सभी बच्चों को जीवन का ऊंचा लक्ष्य निर्धारित करने का आशीर्वाद देते हुए कहा कि आप लोग जहां कहीं भी पढ़ते हैं हमेशा अपने माता-पिता व गुरु को सम्मान देकर आगे बढ़े। इस भ्रमण में गुरुकुलम के प्रशांत पांडे, प्रदीप कुमार, रियाज अहमद, रेनू गडकोटी, सविता रावत, रेखा बोरा, महेंद्र जोशी, सीबी गहतोड़ी, कविता आदि लोग शामिल थे।

बच्चों ने चित्रों में उकेरी प्रतिभा

700 बच्चों ने किया प्रतिभाग, विधायक सरिता आर्या ने बढ़ाया हौंसला

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। द न्यू क्लब नैनीताल के तत्वावधान में रविवार को 14वीं ऑन द स्पॉट चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन न्यू क्लब परिसर में किया गया जिसमें नैनीताल तथा आसपास के क्षेत्रों के विभिन्न स्कूलों के लगभग 700 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इससे पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन पालिकाध्यक्ष डा. सरस्वती खेतवाल ने किया। अतिथियों का स्वागत न्यू क्लब के अध्यक्ष डा महेन्द्र पाल व सचिव रितेश साह द्वारा किया गया एवं क्लब की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गयी। चित्रकला प्रतियोगिता में विशेष रूप से उपस्थित होकर सरिता (विधायक नैनीताल विधानसभा क्षेत्र) द्वारा प्रतिभागी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन

किया गया।

प्रतियोगिता का आयोजन टाईनीटाट समेत सब जूनियर तथा जूनियर के साथ ही जूनियर मध्य एवं सीनियर वर्गो में किया गया। प्रतियोगिता के विषय वन्य जीव तथा विज्ञान तथा लोक संस्कृति एवं खेल इत्यादि थे। टाईनीटाट एवं सब जूनियर में प्रतिभाग कर रहे छात्रों हेतु कोई विषय नहीं था जबकि अन्य वर्ग के प्रतिभागी द्वारा निर्धारित विषयों पर चित्र उकेरे गये।

द न्यू क्लब नैनीताल द्वारा प्रतिवर्ष ऑन द स्पाट चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है जिससे प्रतिभागियों में पर्यावरण तथा सामाजिक परिवेश एवं अपनी संस्कृति के प्रति जागरुकता बढ़े। प्रतियोगिता के संयोजक अंजू जगाती द्वारा बताया गया कि चित्रों की प्रदर्शनी सोमवार आज की शाम को 4.30 बजे से न्यू क्लब के सभागार में लगेगी तथा तीन निर्णायकों द्वारा उत्कृष्ट चित्रों का चयन किया जायेगा। विजेता प्रतिभागियों को 5 नवंबर बुधवार को शाम को 5 बजे पुरस्कृत किया जाएगा। इस अवसर पर न्यू क्लब के वरिष्ठ सदस्य राजीव लोचन साह समेत कैप्टन भगवान लाल साह, बृज मोहन सिंह बिष्ट, आलोक साह, डा. मनोज सिंह बिष्ट, कुन्दन सिंह बिष्ट, नीलू एलहेन्स, अजय एलहेन्स, मुदित जगाती, मोहित जगाती, ज्योत्सना जगाती, गौरव शर्मा, आलोक चौधरी, दिग्विजय साह, नागेन्द्र साह, सिकन्दर अली, अजय बिष्ट, विनय साह, अमर जगाती, मोना साह, चन्दन सिंह बिष्ट, एडवोकेट प्रभाकर जोशी, पूरन बिष्ट, अनिल सनवाल, केएल वर्मा तथा विभिन्न स्कूलों के शिक्षक उपस्थित रहे।

शिक्षक हरीश चन्द्र जोशी को सेवानिवृति पर विदाई

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। राजकीय बालक उच्च प्राथमिक विद्यालय में हरीश चंद्र जोशी, सहायक अध्यापक, की सेवानिवृति पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता विधायक सरिता आर्या ने की। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। प्रधानाचार्य सुशील टम्टा ने विधायक को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया, जबकि शिक्षिका सरिता त्रिपाठी ने पुष्पगुच्छ भेंट किया। शिक्षक आलोक जोशी ने हरीश चंद्र जोशी के 38 वर्षों के योगदान का उल्लेख करते हुए उन्हें सम्मान पत्र प्रदान किया। समाजसेवी गिरीश कांडपाल, पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष मुकेश जोशी और श्याम नारायण ने उन्हें कर्तव्यनिष्ठ शिक्षक बताया और भविष्य में भी योगदान देने का अनुरोध किया।

छात्रों ने विदाई गीत और शिक्षिका त्रिपाठी ने भजन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विधायक ने विद्यालय में एक कंप्यूटर और नई कक्षा बनाने की घोषणा की, जबकि गिरीश कांडपाल ने दो आधुनिक शौचालय निर्माण की घोषणा की। समारोह में शिक्षक, समाजसेवी, छात्र-छात्राएं और हरीश चंद्र जोशी का परिवार उपस्थित रहा। संचालन शिक्षिका सरिता त्रिपाठी ने किया और आभार प्रधानाचार्य सुशील टम्टा ने व्यक्त किया।

एक नजर

पहाड़पानी में लगा निशुल्क जांच शिविर

नैनीताल। जिले के पहाड़पानी क्षेत्र के न्याय पंचायत मज्यूली पंचायत भवन में वेदांता नेत्रालय के सौजन्य से निशुल्क आंखों की जांच का शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ बलाक प्रमुख धारी भावना एवं ग्राम प्रधान नवीन चन्द्र ने किया। इस दौरान 100 से अधिक लोगों ने आंखों की जांच करवाई इसके अलावा जाँच के बाद आंखों की दवाई भी निशुल्क वितरित की गई। इस दौरान दयाकिशन, पूरन सिंह नेगी, सतीश चन्द्र, वेदांता से आशुतोष नसताना समेत कृष्णा चन्द्र व दिव्यम तथा राकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

विभिन्न सत्रों में प्रतिभागियों ने रखे विचार

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल में हिमालयन इकोज फेस्टिवल रविवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। विभिन्न सत्रों में कला प्रेमियों तथा इतिहासकारों व कवियों व फिल्मकारों के साथ ही पारिस्थितिकी विशेषज्ञों और शिल्प उद्यमियों ने भाग लिया जिन्होंने भारत की सांस्कृतिक व ऐतिहासिक और पर्यावरणीय आत्मा की झलक दर्शकों को दी। प्रथम सत्र में प्रसिद्ध इतिहासकार और कयूरेटर डा. अलका पांडे ने सेनिया परंपरा की पाँचवीं पीढ़ी की सितार वादक शैलजा खन्ना से संवाद किया। दूसरे सत्र में राजनयिक कवि और लेखक अभय के ने प्राचीन विश्वविद्यालय नालंदा के वैश्विक शिक्षा पर पड़े प्रभाव तथा हिमालय से उसके संबंध और बौद्धिक आदानप्रदान की भावना पर प्रकाश डाला। तीसरे सत्र में पर्यावरणविद् और कार्यकर्ता डा. वंदना शिवा तथा वरिष्ठ अधिवकता पिंकी आनंद ने पारिस्थितिक न्याय व स्थायित्व और प्रकृति के अधिकारों की दार्शनिक नींव पर विचार साझा किए। चौथे सत्र में प्रसिद्ध हिमालयी लेखक स्टीफन ऑल्टर ने विक्रम बेरी से संवाद किया। कार्यक्रम का समापन एक विशेष हिमालयी फैशन शो के साथ हुआ जिसे मीरा जुनेजा व किरण संधू और अमृता भाटरा ने संकल्पित और संयोजित किया। इस शो को जन्हवी प्रसाद के समर्थन से संभव बनाया गया।

कार चालक पर मुकदमा दर्ज

हल्द्वानी। सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल एक युवती की उपचार के दौरान मौत हो गई। युवती को पहले हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल से बरेली रेफर किया गया था, लेकिन दीपावली के कारण बरेली में चिकित्सक नहीं मिलने पर परिजन उसे वापस हल्द्वानी ले आए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार उजाला नगर वार्ड 29 निवासी लईक अहमद ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 20 अक्टूबर की रात उनकी 23 वर्षीय बहन शहनाज जो बाजार सामान खरीदने जा रही थी, बरेली रोड स्थित शमा डीलक्स के पास रोड पार करते समय एक कार संख्या यूके06एए-3000 ने टक्कर मार दी। जिससे शहनाज गंभीर रूप से घायल हो गई थी। घटना के बाद कार चालक कार समेत मौके से फरार हो गया। हादसे में घायल शहनाज को तुरंत सुशीला तिवारी अस्पताल लाया गया, जहां से उसे बरेली के रेफर कर दिया। बरेली में दीपावली के कारण डाक्टर नहीं मिलने पर परिजन उसे फिर से सुशीला तिवारी अस्पताल वापस ले आए, बीते 24 अक्टूबर को इलाज के दौरान शहनाज की मौत हो गई। कोतवाली के कोतवाल अमर चंद्र शर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

युवाओं को बर्ड वाचिंग का प्रशिक्षण

नैनीताल। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर पर्यटन विभाग द्वारा रविवार को नगर की बिडला चुंगी से कैंची धाम तक पांच किमी ट्रैक का आयोजन किया गया। इस ट्रैकिंग कार्यक्रम में नैनीताल समेत पंगोट व सौड क्षेत्र के 25 से अधिक उत्साही युवाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं को बर्ड वाचिंग की जानकारी के साथ-साथ प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) का प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशिक्षक दीपक मेहरा द्वारा प्रतिभागियों को सीपीआर तकनीक तथा ट्रैकिंग के दौरान सुरक्षा उपायों तथा जंगल में विभिन्न संकेतों (सिंबल्स) की पहचान आदि के विषय में विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर जिला पर्यटन विकास अधिकारी अतुल भंडारी व दीपक मर्तोलिया व पूरन जोशी तथा गौरव जोशी एवं संजीव आर्य सहित विभागीय अधिकारी व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कुमाऊं विवि नैनीताल का दीक्षांत समारोह कल

नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह मंगलवार यानी 4 नवंबर को विश्वविद्यालय नैनीताल के डीएसबी परिसर के एएन सिंह हाल में आयोजित हुई। विवि प्रशासन की ओर से समारोह की सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली हैं। कुविवि के जनसंपर्क अधिकारी डा.रितेश साह ने बताया कि इस गरिमामयी अवसर पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बतौर मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय को गरिमा प्रदान करेंगी। डा. साह ने बताया कि दीक्षांत समारोह के सुचारू संचालन एवं सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत सभी आमंत्रित महानुभावों से अनुरोध किया जाता है कि वे समारोह प्रारंभ होने के कम से कम एक घंटा पूर्व अपने निर्धारित स्थान पर विराजमान हो जाएँ। यह भी सूचित किया जाता है कि समारोह स्थल में प्रवेश के समय किसी भी प्रकार के इलेट्रानिक उपकरण जैसे मोबाइल फोन व कैमरा आदि तथा धातु की वस्तुएँ चाबी समेत बैग तथा पर्स आदि ले जाना पूर्णत: निषिद्ध रहेगा।

पेंशन नहीं मिलने पर रोष

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। नगरखान में रविवार को राज्य आंदोलनकारियों की बैठक हुई। बैठक में आंदोलनकारियों ने विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। सरकार पर राज्य का निर्माण करने वाले आंदोलनकारियों की सुध नहीं लेने का आरोप लगाया है। रविवार को हुई बैठक में राज्य आंदोनकारियों ने कहा कि उत्तराखंड सरकार राज्य स्थापना का रजत जयंती समारोह तो जोर-शोर से मना रही है, लेकिन राज्य आंदोलनकारियों की सुध नहीं ली जा रही है। राज्य आंदोलनकारियों को सम्मान दिये बिना रजत जयंती समारोह का कोई औचित्य नहीं है। कहा कि क्षैतिज आरक्षण की स्थिति स्पष्ट नहीं है। वर्तमान शासनादेश में कितने आश्रितों को क्षैतिज आरक्षण का लाभ मिलेगा यह स्पष्ट नहीं है। घोषणा के तीन साल बार भी आश्रितों की पेंशन स्वीकृत नहीं हुई है। 25 साल बाद भी राज्य आंदोलनकारियों का चिह्नीकरण नहीं हो सका है। आंदोलनकारियों ने बीस हजार रुपये मासिक पेंशन देने, क्षैतिज आरक्षण की स्थिति स्पष्ट करने, आश्रितों की पेंशन स्वीकृत करने, राज्य आंदोलनकारियों का चिह्नीकरण की मांग की। यहां ब्रह्मानन्द डालाकोटी, दौलत सिंह बगडवाल, दिनेश शर्मा, गोपाल सिंह बनौला, नवीन डालाकोटी, ताराराम, मदन राम, कृष्ण चंद्र डालाकोटी, कैलाश राम, महेश पांडे, पदम सिंह, सुनील चंद्र, पूरन सिंह बनौला, शंकर दत्त, खष्टी बल्लभ, गोपाल राम आदि रहे।

किसान मंच ने उठाई राइट टू हैल्थ बिल की मांग

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। किसान मंच उत्तराखंड ने रविवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में राज्य की चरमराई स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर चिंता जताई और राइट टू हेल्थ बिल की तत्काल आवश्यकता को बल दिया। मंच ने बताया कि ऑपरेशन स्वास्थ्य नामक राज्यव्यापी अभियान चौखुटिया से शुरू होकर पूरे उत्तराखंड में फैलाया जाएगा। किसान मंच के प्रदेश अध्यक्ष कार्तिक उपाध्याय ने कहा कि अधिकांश सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केवल रेफरल सेंटर बनकर रह गए हैं और ये आइईपीएचएस मानकों के अनुरूप नहीं चल रहे। उदाहरण के तौर पर, चौखुटिया सीएचसी में 30 बिस्तरों के अस्पताल में केवल

चार एमबीबीएस डॉक्टर हैं, लेकिन विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के कारण आपात स्थिति में मरीजों को दूसरे अस्पतालों में रेफर किया जाता है, जिससे कई बार मरीज रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं। मंच ने यह भी बताया कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रें में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति बेहद दयनीय है और कैग रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के सीएचसी में डॉक्टरों की 94 प्रतिशत कमी और उप-जिला अस्पतालों में 45 प्रतिशत डॉक्टरों की कमी है। किसान मंच ने स्वास्थ्य को मौलिक अधिकार मानते हुए राज्य सरकार से अपील की कि वह 'राइट टू हेल्थ बिल' को जल्द से जल्द लागू करे, ताकि हर नागरिक को निशुल्क और गुणवत्तापूर्ण इलाज का अधिकार मिल सके। प्रदेश संरक्षक पीयूष जोशी ने कहा, राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं पर बड़े पैमाने पर खर्च का दावा करती है, लेकिन जमीन पर हालत इसके विपरीत हैं। वह कागजी योजनाओं के बजाय ठोस कदम उठाए। किसान मंच के नेता संजय जोशी ने विधानसभा सत्र में 'राइट टू हेल्थ बिल' को कानूनी रूप से लागू करने की अपील की। मंच ने आगामी दिनों में राज्य के विभिन्न जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार के लिए आंदोलन तेज करने की घोषणा की।

बैठक में मुद्दों पर हुई चर्चा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। नंदा देवी मंदिर परिसर में रविवार को अल्मोड़ा सिविल सोसाइटी की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मुख्य रूप से यातायात, बंदरों की समस्या और शहर में दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे भिखारियों की समस्या पर मुख्य रूप बातचीत हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शीघ्र ही सोसाइटी का एक शिष्टमंडल जिलाधिकारी, अल्मोड़ा नगर निगम के मेयर और एसएसपी से इन मुद्दों पर चर्चा करेगा। बैठक में दिनेश शाह, रीता दुर्गापाल, अजीत कार्की, रमेश चंद्र पांडे, मनोज गुप्ता, आशीष जोशी संजय कुमार अग्रवाल, वैभव पांडे, अजीत सिंह कार्की, दीपा जोशी, विनोद कर्नाटक, धीरेंद्र कुमार पाठक, संजय अग्रवाल और आरएस बिष्ट आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड की निकिता व कर्णिका ने जीता स्वर्ण पदक

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल में चल रही एलीट वीमेन बॉक्सिंग प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में उत्तराखण्ड की निकिता चंद और कर्णिका कठैत ने स्वर्ण पदक पर कबजा किया। प्रतियोगिता की चैंपियनशिप ट्राफी दिल्ली को प्रदान की गई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दिल्ली, द्वितीय स्थान हरियाणा और तृतीय स्थान सीआईएसएफ ने हासिल किया। बता दें फ्लैट्स मैदान में बने बॉक्सिंग रिंग में रविवार को फाइनल मुकाबले खेले गए। इसमें लाईट फ्लाई वेट कैटेगिरी में उत्तराखण्ड की कर्णिका कठैत ने हरियाणा की सुनैना को हराया। फ्लाई वेट में हरियाणा की मीनाक्षी ने राजस्थान की कनुप्रिया को हराया जबकि बैंटम वेट में हरियाणा की

सोनिका ने यूपी की संजना को मात दी वहीं दूसरी ओर फैदर वेट में सीआईएसएफ की रेखा ने हरियाणा की मोनिका को हराया जबकि लाइट वेट में उत्तराखण्ड की निकिता ने दिल्ली की ज्योति को मात दी। वेल्टर वेट में दिल्ली की तानवी कौशनल ने सीआईएसएफ की मोनिका को पराजित किया। इसी तरह लाइट मिडिल वेट में सीआईएसएफ की रेणुका ने दिल्ली की तानिया चौहान को हराया जबकि मिडिल वेट में दिल्ली की गार्गी तोमर ने यूपी की हर्षिखा राणा को पराजित किया। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाली अंतराष्ट्रीय बाक्सर राजस्थान की खुशी पूनिया समेत सीआईएसएफ की जॉनी और उत्तराखण्ड कि निकिता चंद के अलावा अन्य राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय स्तर के मुकेबाजों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनाया। अच्छे प्रदर्शन के लिए कर्णिका कठैत को बेस्ट उभरती बाकसर तथा लद्दाख की आयशा बानो को बेस्ट चौलेंजिंग बॉक्सर के खिताब से नबाजा दिया गया जबकि चैंपियनशिप ट्राफी दिल्ली को प्रदान की गई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दिल्ली, द्वितीय स्थान हरियाणा और तृतीय स्थान सीआईएसएफ ने हासिल किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद डा. महेंद्र सिंह पाल समेत हाईकोर्ट के सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ लिटिगेशन जे के लखेड़ा व पूर्व अंतराष्ट्रीय धावक सुरेश पाण्डे के अलावा भाजपा मंडलाध्यक्ष नितिन कार्की उपाध्यक्ष दयाकिशन पोखरिया जिला क्रीडाधिकारी निर्मला पंत यूएसनगर की जिला क्रीड़ाधिकारी जानकी कार्की उत्तराखंड बॉक्सिंग एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डा. विशाल गर्ग राशिद खान, डीके शर्मा समेत प्रदीप जेठी आलोक साह आलोक चौधरी दिग्विजय साह कुंदन बिष्ट रवि टंडन पुष्पा दरमवाल कमल जगाती, हरीश राणा तथा सुंदर सिंह बिष्ट आदि उपस्थित रहे। अंत में बॉक्सिंग एसोसिएशन के महासचिव गोपाल खोलिया और फैडरेशन कप के आयोजक सचिव कमल जगाती ने जिला प्रशासन, पुलिस, खेल विभाग व नगर पालिका, जल संस्थान व यूथ होस्टल व नैनीताल कलब समेत टीआरसी और विशेषकर होटल एसोसिएशन का आभार जताया।

पशुओं की रोकथाम को लेकर महापंचायत

शाह टाइम्स संवाद्दाता

शांतिपुरी। रविवार को आवारा पशुओं के बढ़ते आतंक से आहत किसानों व गौ सेवकों की शांतिपुरी रामलीला मैदान में दूसरी बार महापंचायत का आयोजन किया। जिसमें इस समस्या से निजात के लिए मंथन के बाद निर्णय लिया गया कि उनका प्रतिनिधिमंडल डीएम को ज्ञापन सौंपकर प्राग फार्म की भूमि पर गौशाला के निर्माण की मांग करेगा। यदि प्रशासन नहीं चेता तो क्षेत्र के आवारा पशुओं को हांककर डीएम कार्यालय में छोड़ दिया जाएगा। जवाहर नगर-शांतिपुरी क्षेत्र में आवारा पशुओं के बढ़ते आतंक से परेशान किसान, ग्राम प्रधान, सैनिक संगठन और गो-सेवकों की महापंचायत हुई। जिसमें स्थानीय निवासियों ने जिला प्रसाशन को चेतावनी दी कि जल्द आवारा पशुओं के स्थायी प्रबंधन की व्यवस्था नहीं की गई, तो बड़ा जन आंदोलन किया जाएगा। उमेश चंद्र जोशी ने कहा कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में आवारा पशु किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। जिससे उनकी मेहनत पर पानी फिर रहा है। साथ ही इनके कारण दुर्घटनाएं भी बढ़ गई हैं। जिनमें लोगों की अकाल मौतें हो रही हैं। क्षेत्र में गौशाला निर्माण के लिए शासन-प्रसाशन व नेताओं से मांग करने के बावजूद उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। किसानों ने प्रशासन से जल्द प्रभावी कदम उठाने की मांग की, ताकि फसलों और सड़कों पर आवागमन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अंत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शीघ्र समाधान नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान गौ सेवक उमेश जोशी, भूपेश बिष्ट, प्रकाश दानू, किसान हरीश पाण्डे, नारायण सिंह बिष्ट, सैनिक संगठन अध्यक्ष दिगंबर प्रसाद जोशी, प्रधान कविता तिवारी, मोहन पाण्डे, ग्राम प्रधान बचुली देवी, जगदीश काण्डपाल, ललित बिष्ट, लक्ष्मण सिंह कोरंगा, राजेन्द्र प्रसाद जोशी, बिशन सिंह कोरंगा, दीपा बिष्ट आदि मौजूद रहे।

उपलब्धिः डा. कंचन नेगी को भारत श्रीरत्न सम्मान

शाह टाइम्स संवाद्दाता

देहरादून/नैनीताल। देवभूमि उत्तराखंड की प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय शिक्षाविद्, अनुसंधान एवं विकास विशेषज्ञ तथा मोटिवेशनल स्पीकर एवं मीडिया पर्सनैलिटी डा. कंचन नेगी को देश के प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक सरदार वल्लभभाई पटेल भारतश्री रत्न सम्मान-2025 से सम्मानित किया गया। बता दें कि यह सम्मान समारोह सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर इंडिया इंटरनेशनल सेंटर लोदी रोड नई दिल्ली में भव्य रूप से आयोजित हुआ। इस आयोजन का संचालन स्किल इंडिया एवं नीति आयोग के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद प्रवीन खंडेलवाल रहे वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सत्य शर्मा चेयरपर्सन एमसीडी स्टैंडिंग कमेटी नई दिल्ली उपस्थित रहीं। डा. कंचन नेगी को यह सममान असाधारण अंतरराष्ट्रीय शिक्षाविद्, प्रेरक वकता एवं मीडिया पर्सनैलिटी के रूप में शिक्षाए समाज और मीडिया के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। यह पुरस्कार डा. नेगी का 58 वां राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सममान है। इससे पूर्व भी डा. नेगी को अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से अलंकृत हैं।

हसं महाराज की जयंती मनाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उषा रूपक कॉलोनी कुसुमखेड़ा स्थित सतपाल महाराज मानव धर्म आश्रम में योगीराज हंस महाराज की 125वीं पावन जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अनेक संत महात्माओं और श्रद्धालुओं ने भाग लिया। प्रचारिका बाई ने इस मौके पर अपने ओजस्वी प्रवचन में कहा कि योगीराज हंस महाराज ने अपने जीवन में परा विद्या का ग्यान दिया, जिसके माध्यम से अविनाशी आत्मा और ब्रह्म को जानने का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने आगे कहा कि महाराज जी ने समाज में जातिवाद और संप्रदायवाद से ऊपर उठकर सामाजिक समरसता का संदेश दिया। इस अवसर पर विभिन्न संत महात्माओं द्वारा प्रेरणादायक प्रवचन भी दिए गए। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में साधक मुन्ना, साध्वी सुमन, सिमरनजीत, घनश्याम रस्तोगी, भुवन चंद्र भट्ट, स्वामीनाथ पंडित, शंभूनाथ नैनवाल, शिवदत्त सुयाल, केके नयाल, राम सिंह बिष्ट, उमेश पंडित, आर्यन शर्मा, पीसी जोशी, महेश चंद्र पांडे, केएस रौतेला, गोपाल सिंह नेगी, दयाल सिंह नेगी, भुवन उप्रेती, किशन उप्रेती, शुभम भट्ट, लक्ष्मण सिंह रावत, राम सिंह बिष्ट, गंगा सिंह, धर्म सत्तू दीक्षित, यश मिश्रा, हेमा नेगी, हिमानी रावत, खष्टी बिष्ट, पुष्पा देवी, प्रेमलता बिष्ट, श्वेता शर्मा, सत्यवती कश्यप, नंदी उप्रेती, मधु अग्रवाल, मीना सपरा, पुष्पा भट्ट, दिव्या रस्तोगी, दिव्या कुमारी, रूबी पंडित, अंशिका कुमारी समेत कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

बहन के घर से लौट रहे युवक को धुना

हल्द्वानी। बहन से मिलने के बाद अपने घर लौट रहे एक युवक को कुछ दबंग युवकों ने बेहरमी से पीट दिया। इतना ही नहीं दबंग युवकों ने बोतल फोड़कर युवक के सिर में मार दी। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी युवकों की तलाश शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार सीएमटी कालोनी डहरिया निवासी हरीश परिहार पुत्र प्रताप सिंह परिहार ने कोतवाली पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा कि वह बीते 31 अक्टूबर की रात करीब 9 हरीश वसुंधरा कालोनी में रहने वाली अपनी बहन पुष्पा के घर से अपने घर लौट रहा था। उसने आरोप लगाया कि तभी सतवाल पेट्रोल पंप के पास हरीश अपने दोस्त पवन जोशी के साथ खड़ा बातचीत कर रहा था। तभी गौरव नेगी उर्फ अक्कू ठाकुर, ध्रुव, निखिल व अन्य दो लोगों ने उससे गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इसी बीच अक्कू ठाकुर ने हरीश के सिर पर बोतल से वार कर दिया और मौके से फरार हो गया। कोतवाल अमर चंद्र शर्मा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

बुजुर्ग लापता गुमशुदगी दर्ज

हल्द्वानी। बनभूलपुरा क्षेत्र के निवासी नारिस कुरैशी ने अपने 85 वर्षीय पिता नफीस अहमद की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। नारिस ने बताया कि उसके पिता 23 अक्टूबर से लापता हैं। उन्होंने रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में खोजबीन की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल पाया। इस मामले में प्रभारी थानाध्यक्ष सुशील जोशी ने कहा कि गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, और उम्मीद जताई जा रही है कि बुजुर्ग को जल्द ही सकुशल बरामद कर लिया जायेगा।

राज्य आंदोलनकारियों का सम्मेलन 6 को

25 वर्ष के उत्तराखण्ड पर होगा विचार-विमर्श, सीएम को आमंत्रण

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। 6 नवंबर को रामनगर में उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने पर उत्तराखंड की वर्तमान स्थिति और दिशा पर विमर्श करना है। सम्मेलन में राज्य आंदोलनकारियों द्वारा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भी आमंत्रित किया गया है। यह निर्णय हल्द्वानी में राज्य आंदोलनकारियों की एक बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ आंदोलनकारी खड़क सिंह बगड़वाल ने की। बैठक में राज्य आंदोलनकारियों ने 25 वर्षों बाद भी राज्य की अवधारणा से जुड़े मुद्दों के समाधान न होने पर निराशा और

आक्रोश जताया। विशेष रूप से, राज्य की राजधानी की स्थिरता, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पलायन और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर गंभीर चिंताएं व्यक्त की गईं। वरिष्ठ आंदोलनकारी भुवन चंद्र जोशी ने कहा कि जब राज्य की राजधानी का ही निर्धारण नहीं हो पाया, तो अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान कैसे होगा? आंदोलनकारियों ने मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए आश्वासनों के बावजूद उनके समस्याओं का समाधान न होने पर भी नाराजगी व्यक्त की। राज्य आंदोलनकारियों की मांग है कि उन्हें स्वतंत्रता सेनानियों के समान सुविधाएं दी जाएं, और 10: क्षैतिज आरक्षण का लाभ भी उन्हें मिले, जो अभी तक उपलब्ध नहीं हुआ है। राज्य आंदोलनकारियों ने मुख्यमंत्री कार्यालय और जिलाधिकारी से शीघ्र संपर्क कर सम्मेलन को सफल बनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने 6 नवंबर को सभी आंदोलनकारियों से सम्मेलन में शामिल होने की अपील की है। इस बैठक में खड़क सिंह बगड़वाल, प्रभात ध्यानी, भुवन जोशी, केदार पलड़िया, पुष्कर दुर्गापाल, इंदर सिंह मनराल, योगेश सती, बालम सिंह बिष्ट, भुवन चंद्र पांडे, पीतांबर तिवारी, दीप चंद्र त्रिपाठी, नरेंद्र सिंह, हेमचंद्र पाठक गैबुआ, बलवंत सिंह डंगवाल सहित कई प्रमुख आंदोलनकारी उपस्थित थे।

स्थापना दिवस पर झूमे सैनिक

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मिलिट्री इंटेलिजेंस के पूर्व सैनिकों ने अपने 83वें स्थापना दिवस के अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया। यह कार्यक्रम मुखानी स्थित एक होटल में आयोजित किया गया, जिसमें साइलेंट वॉरियर्स ने उत्साह से भाग लिया। समारोह की शुरुआत से पहले, उन्होंने अपनी शहीद साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा। कार्यक्रम का आगाज दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसमें इंटेलिजेंस कोर के गौरवमयी इतिहास, देश की सुरक्षा में इसकी अहम भूमिका और पूर्व सैनिकों के अनुभवों को साझा किया गया। इस मौके पर सेवानिवृत्त कैप्टन सोबन सिंह भड़ ने कार्यक्रम का संचालन किया। दीप प्रज्वलन में रिटायर्ड कैप्टन उदय सिंह मेहरा और दिवान सिंह पपोला ने हिस्सा लिया। समारोह में रिटायर्ड सूबेदार मेजर गोपाल सिंह, भूपाल खेतवाल, मनोज रौतेला, प्रकाश जोशी, कैप्टन त्रिवेणी पांडे सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक और मातृशक्ति मौजूद रहे।

सुंदर की पारी ने भारत को दिलाई बराबरी

तीसरे टी-20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया

होबार्ट, वार्ता। वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 49) की आतिशी पारी के दम पर भारत ने रविवार को तीसरे टी-20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली।

ऑस्ट्रेलिया के 186 रनों के जवाब में भारत ने 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 188 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। सुंदर ने 23 गेंदों पर नाबाद 49 रनों की मैच विजयी पारी में तीन चौके और चार छक्के लगाए। जितेश शर्मा ने मात्र 13 गेंदों में तीन चौकों की मदद से नाबाद 22 रन बनाकर उनका बखूबी साथ दिया। जितेश ने भारत के लिए मैच विजयी चौका मारा।

मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 33 रन जोड़े। भारत का पहला विकेट चौथे ओवर में अभिषेक शर्मा 16 गेंदों में (25) के रूप में गिरा। उन्होंने अपनी पारी में दो छक्के और दो चौके लगाए। उन्हें नेथन एलिस ने आउट किया। छठे ओवर में एलिस ने शुभमन गिल (15) को भी अपना शिकार बना लिया। इसके बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने पारी को संभालने का प्रयास किया और तेजी के साथ रन बऔरे। आठवें ओवर में मार्कस स्टॉयनिस ने सूर्यकुमार यादव को आउटकर भारत को तीसरा झटका दिया। सूर्यकुमार यादव ने 11 गेंदों में दो छक्के और एक चौका लागते हुए 24 रन बनाये। अक्षर पटेल 12 गेंदों में 17 रन बनाकर आउट हुए। अक्षर पटेल का विकेट गिरने के बाद मैदान पर आये सुंदर ने तिलक वर्मा के साथ पांचवें विकेट के लिए 34 रन जोड़े। तिलक वर्मा 26 गेंदों में एक चौके और एक छक्के की मदद से 29 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन उसके बाद सुंदर ने जितेश के साथ भारत को जीत की मंजिल पर पहुंचा दिया।

ऑस्ट्रेलिया के लिए नेथन एलिस ने 36 रन देकर तीन विकेट लिए। मार्कस स्टॉयनिस और जेवियर बार्टलेट ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। ऑस्ट्रेलिया की पारी में तीन विकेट लेने वाले अर्शदीप सिह को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने आज यहां पहले बल्लेबाजी करते हुए टिम डेविड (74) और मार्कस स्टॉयनिस (64) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 186 रन बनाये थे। ऑस हारने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 14 के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। ट्रैविस हेड (छह) और जॉश इंगलिस एक रन बनाकर आउट हुए। दोनों बल्लेबाजों को अर्शदीप सिह ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये टिम डेविड ने कप्तान मिचेल मार्श के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 59 रनों की साझेदारी हुई। नौवें ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने मिचेल मार्श (11) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। वरूण ने इसी ओवर में मिचेल ओवेन (शून्य) को भी अपना शिकार बना लिया।

विदेश में होगी आईपीएल की नीलामी!

● **हमेशा की तरह संभावित स्थल खाड़ी क्षेत्र में कहीं माना जा रहा है**

नई दिल्ली, वार्ता। आईपीएल नीलामी स्थल को लेकर सोच में बदलाव होता दिख रहा है, जिसके अब विदेश में आयोजित होने की संभावना है। हालांकि फ्रेंचाइजियों को अभी तक आधिकारिक तौर पर शहर के बारे में सूचित नहीं किया गया है, लेकिन उन्हें इसके बारे में संकेत जरूर दिए गए हैं। हमेशा की तरह, संभावित स्थल खाड़ी क्षेत्र में कहीं माना जा रहा है। संयुक्त अरब अमीरात में अबू धाबी एक मजबूत संभावना है, लेकिन ओमान और कतर जैसे अन्य मध्य पूर्वी स्थानों पर भी विचार किया जा रहा है। यह घटनाक्रम पहले की योजना से बिल्कुल अलग है, जब ऐसा लग रहा था कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) भारत में ही नीलामी आयोजित करने का इच्छुक है। हालांकि, अब एक आदर्श स्थान हासिल करने में चुनौतियां नजर आ रही हैं, क्योंकि निर्धारित समय देश में त्योहारों और शादियों के मौसम से टकरा रहा है। जैसा कि पहले बताया गया था, नीलामी दिसंबर के मध्य में होने की संभावना है – कुछ दिन कम या ज्यादा – संभवत: महीने के दूसरे भाग में। बीसीसीआई द्वारा 15 नवम्बर से पहले तारीख और स्थान की औपचारिक घोषणा करने की उम्मीद है, जो कि आईपीएल 19 से पहले फ्रेंचाइजियों के लिए अपने रिटेंशन और रिलीज की सूची जमा करने की अंतिम तिथि है। समय सीमा बमुश्किल दो हफ्ते दूर है, खिलाड़ियों के रिटेंशन और रिलीज को लेकर चर्चाएं तेज हो रही हैं, और संजू सैमसन के संभावित व्यापार की चर्चा – जिसकी रिपोर्ट सबसे पहले क्रिकबज ने दी थी – मुख्य चर्चा का विषय बनकर उभर रही है। कई फ्रेंचाइजी भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज को लगातार उच्च दर्जा दे रही हैं, भले ही वह हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाए।

संक्षिप्त खेल समाचार

संजीव-मानसी ने जीता मैंगलोर इंडिया इंटरनेशनल चैलेंस का खिताब

मैंगलोर, वार्ता। भारत के ऋत्विक संजीव और मानसी सिंह ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए रविवार को मैंगलोर इंडिया इंटरनेशनल चैलेंज 2025 बैडमिटन टूर्नामेंट में क्रमश: पुरुष और महिला एकल वर्ग के खिताब जीते। यहां उरवा इंडोर स्टेडियम में 22 वर्षीय ऋत्विक संजीव ने पुरुष एकल वर्ग के फाइनल मुकाबले में हमवतन रौनक चौहान को 14-21, 21-19, 21-19 से हराया। यह इस सीजन में ऋत्विक संजीव का पहला खिताब है। इस भारतीय बैडमिटन खिलाड़ी ने पिछले साल दिसंबर में तेलंगाना इंटरनेशनल चैलेंज जीतने के बाद ओडिशा मास्टर्स बीडब्ल्यूएफ सुपर 100 स्पर्धा भी जीता था।

सचिव को सीसीआई के आदेश पर कार्रवाई करने का अधिकार

चेन्नई, वार्ता। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) ने सचिव देव ए पटेल को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) द्वारा कई साल पहले जारी किए गए आदेश के संबंध में आगे की कार्रवाई तय करने के लिए अधिकृत किया है।

यह जानकारी एक शीर्ष अधिकारी ने दी। यह बहुप्रतीक्षित वार्षिक आम बैठक 30 अक्टूबर को गोवा के एक पांच सितारा होटल में आयोजित की गई, जिसमें राज्य शतरंज संघों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। हैरानी की बात यह है कि बैठक बुलाने वाले नोटिस में समय या स्थान का उल्लेख नहीं था। सूत्रों ने यूनीवार्ता को बताया कि बैठक शाम 6:30 बजे शुरू हुई, जिसमें अध्यक्ष नितिन नारंग व्यक्तिगत और ऑनलाइन दोनों ही रूप से अनुपस्थित रहे।

नैशविले ने मेसी के हमले से बचकर प्लेऑफ मे सीरीज बराबर की

● **नैशविले ने इंटर मियामी के खिलाफ अपने आप को तीसरे मैच में पहुंचा दिया**

न्यूयॉर्क, वार्ता। नैशविले ने इंटर मियामी के खिलाफ अपने पहले दौर की एमएलएस प्लेऑफ सीरीज को निर्णायक तीसरे मैच में पहुंचा दिया, जब उसने इंटर मियामी को 2-1 से हराया। इंग्लैंड के स्ट्राइकर सैम सुरिज ने शनिवार को गोलकीपर रोक्को रियोस नोवो द्वारा गिराए जाने के बाद पेनल्टी स्पॉट से मेजबान टीम को बढ़त दिलाई।

जोश बाउर ने हनी मुख्तार के कॉर्नर पर दूर पोस्ट पर शॉट मारकर बढ़त दोगुनी कर दी। मेहमानों ने कप्तान लियोनेल मेसी के जरिए एक गोल किया, जिन्होंने 90वें मिनट में 18 गज की दूरी से ऊपरी दाएं कोने में एक गोल किया। इस नतीजे के साथ सीरीज 1-1 से बराबर हो गई है, और निर्णायक मैच 8 नवम्बर को इंटर मियामी के चेज स्टेडियम में खेला जाएगा। नैशविले के कोच ब्रायन कैलाघन ने कहा कि यह एक ऐसी टीम थी जो आक्रामक और तीव्र खेल के लिए प्रतिबद्ध थी और लंबे समय तक ऐसा करने में सक्षम थी।

यह एक चुनौती थी जो हमने खुद के लिए तय की थी और हम अपनी योजना को अंजाम देने में कामयाब रहे। इंटर मियामी के मैनेजर जेवियर माशेरानो ने अपनी टीम की गोल करने के मौके न बना पाने पर, खासकर मैच के शुरुआती दौर में, अफसोस जताया। माशेरानो ने कहा कि हम पहले हाफ में लियो (मेसी) को अच्छी पोजीशन में नहीं पा सके और आखिरी तीसरे हिस्से में हमारी सटीकता की कमी रही।हमारे विरोधी पूरी तारीफ के हकदार हैं।

पीएम ने एशियाई युवा खेलों में भारत के प्रदर्शन की सराहना की

नई दिल्ली, वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के युवा एथलीटों को एशियाई युवा खेल 2025 में उनके ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए आज बधाई दी,

जहां देश ने रिकॉर्ड 48 पदक हासिल किए। अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर मोदी ने उनके जुनून, धैर्य और समर्पण की सराहना की और उन्हें निरंतर सफलता की कामना की। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया कि हमारे युवा एथलीओं ने एशियाई युवा खेल 2025 में अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 48 पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने आगे कहा कि दल को बधाई। उनका जुनून, दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत साफ दिखाई दे रही है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं। भारत की पदक तालिका में विभिन्न खेलों में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक शामिल हैं, जो देश के बढ़ते प्रतिभा भंडार और मजबूत होते खेल पारिस्थितिकी तंत्र को दर्शाता है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि से नई पीढ़ी के एथलीओं को ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने और अंतर्राष्ट्रीय खेल जगत में भारत के बढ़ते कद में योगदान देने की प्रेरणा मिलने की उम्मीद है। एशियाई युवा खेल 2025 युवा खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुए हैं और भारत का एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरना एथलेटिक प्रतिभाओं को निखारने पर बढ़ते जोर को दर्शाता है।

बाबर-शाहीन ने पाक को जिताया

● **बाबार आजम ने 47 गेंदों में 68 रनों की जबरदस्त पारी खेली**

लाहौर, वार्ता। पाकिस्तान के घरेलू दर्शकों को आखिरकार वो मिल गया जिसकी उन्हें लम्बे समय से तलाश थी: बाबर आजम की जबरदस्त पारी और सीरीज जीत। 47 गेंदों में उनकी 68 रनों की तेज पारी – टी20 अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप में उनका 40वां 50 स्कोर-लाहौर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मेजबान टीम के 140 रनों के लक्ष्य का पीछा करने की नींव थी, जिसकी बदौलत पाकिस्तान ने एक ओवर शेष रहते चार विकेट से जीत हासिल की और टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। रात की शुरुआत शाहीन अफरीदी के अपने विस्फोटक अंदाज के साथ हुई, जिन्होंने पहले ही ओवर में दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया और मेहमान टीम को चौंका दिया। जब बाबर खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट के बीच मैदान से बाहर गए, तब तक गद्दाफी स्टेडियम में दर्शकों ने अपने दोनों सबसे बड़े सितारों को पूरी लय में देख लिया था। पाकिस्तान द्वारा पहले ही ओवर में क्विटन डी कॉक और लुआन-ड्रे प्रीऑरियस को आउट करके शाहीन ने शुरुआत से ही लय बना ली। डी कॉक को आखिरी मूवमेंट में गेंद वापस उनके पास आई और अंदरूनी किनारा लेकर स्टंप्स पर जा लगी, इससे पहले कि प्रीऑरियस को पहली गेंद पर शॉर्ट फाइन लेग पर कैच कर लिया। शाहीन लगभग तीसरा विकेट ले ही लेते जब एक तेज इन-डकर गेंद डेवाल्ड ब्रेविस के घुटने पर लगी, लेकिन डीआरएस से पता चला कि गेंद बहुत ऊपर उछल गई थी। पावरप्ले में दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 22/2 था, जो टी20 अंतर्राष्ट्रीय इतिहास में उनका तीसरा सबसे कम स्कोर था।

केन विलियमसन ने अंतर्राष्ट्रीय टी-20 से लिया संन्यास

मैं टीम का बहुत आभारी हूं, यह मेरे और टीम के लिए सही समय

वेलिंग्टन, वार्ता। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज केन विलियसमन ने आगामी टी20 विश्वकप से पहले अंतर्राष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया है।

विलियसमन ने अपने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि मैं लंबे समय से इस टीम का हिस्सा रहा हूं और इसके लिए बहुत आभारी हूं। यह मेरे और टीम दोनों के लिए सही समय है। इससे टीम को आगे की सीरीज और टी-20 विश्व कप के लिए स्पष्ट दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि मिच शानदार कप्तान हैं और टीम को आगे ले जाने का यह उनका समय है। मैं अब दूर से उनका समर्थन करूंगा। न्यूजीलैंड के कोच रॉब वॉल्टर ने कहा कि यह फ़ैसला पूरी तरह समझ में आता है। क्रिकेट बहुत कुछ मांगता है और केन ने काफी योगदान दिया है। वह एक शानदार टीम मैन हैं और उनका अनुभव व शांत स्वभाव टीम के लिए अमूल्य है। अक्टूबर 2011 में पर्दापण करने के बाद से उन्होंने 93 टी-20 मैचों में 33-44 की औसत से 18 अर्द्धशतक लगाते हुए 2575 रन बनाए, इसमें 95 का सर्वोच्च स्कोर शामिल है। विलियमसन ने न्यूजीलैंड को 2021 टी-20 विश्व. कप के फाइनल तक पहुंचाया था, लेकिन उस दौरान उनका बेहतरीन 85 रन का योगदान भी टीम को जीत नहीं दिला सका। उन्होंने 75 मैचों में कप्तानी भी की। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज से स्वयं को अलग रखा था और इंग्लैंड के खिलाफ 1-0 की हार में भी जांघ की चोट के कारण नहीं खेले। टी-20 से संन्यास के बाद अब उनका पूरा ध्यान दिसंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज पर रहेगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बयान में कहा कि विलियमसन अब संभवत: 26 नवम्बर से शुरू होने वाला है।

उन्नति हुड्डा सेमीफाइनल में हारी

जर्मनी, वार्ता। उन्नति हुड्डा के महिला एकल के सेमीफाइनल मैच में इंडोनेशिया की दुनिया की नंबर सात खिलाड़ी पुत्री कुसुमा वरदानी से हारने के बाद हाइलो ओपन 2025 बैडमिटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। शनिवार को खेले गए सेमीफानइल मुकाबले में 18 साल की उन्नति हुड्डा को वरदानी से 21-7, 21-13 से हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल बैडमिटन रैंकिग में 34वें नंबर पर मौजूद उन्नति हुड्डा की शुरुआत धीमी रही जबकि वरदानी ने शुरू में ही लय पकड़ ली, जिससे भारतीय खिलाड़ी नेट पर कई अनफोर्स्ड गलतियां करने पर मजबूर हो गई। ब्रेक में 11-4 से पिछड़ने के बाद लंबे रैलियों में शामिल होने के बावजूद, हुड्डा 23 साल की वरदानी की स्पीड और सटीकता का मुकाबला नहीं कर पाईं। दूसरा गेम भी कुछ ऐसा ही रहा। हालांकि उन्नति हुड्डा ने छह लगातार अंक लेकर गैप को 18-13 तक कम करने के लिए थोड़ी वापसी की, लेकिन वरदानी ने जल्द ही मैच पर नियंत्रण करते हुए 35 मिनट में मुकाबला जीत लिया। भारतीय बैडमिटन खिलाड़ी अब मंगलवार से ग्वांगजू में शुरू होने वाले कोरिया मास्टर्स बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

पंत की पारी से इंडिया 'ए' जीता

● **कप्तान ऋषभ पंत 90 की जबरदस्त पारी और तनुष कोटियान के दम पर द. अफ्रीका 'ए' को तीन विकेट से हराया**

बेंगलुरु, वार्ता। कप्तान ऋषभ पंत (90) की जबर्दस्त पारी और तनुष कोटियान (चार-चार विकेट) के शानदार प्रदर्शन के दम पर इंडिया ए ने पहले अनौपचारिक टेस्ट मैच के चौथे दिन रविवार को दक्षिण अफ्रीका ए को तीन विकेट से हरा दिया। इंडिया ए ने कल के चार विकेट पर 119 के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया।

सुबह के सत्र में ऋषभ पंत के साथ आयुष बदोनी ने धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए स्कोर आगे बढ़ाया। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 53 रनों की साझेदारी हुई। टियान वैन वुरेन ने शतक की ओर बढ़ रहे ऋषभ पंत को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। ऋषभ पंत ने 113 गेंदों में 11 चौके और तीन छक्के लगाते हुए 90 रन बनाए। 53वें ओवर में टियान वैन वुरेन ने आयुष बदोनी (34) को भी अपना शिकार बना लिया। तनुष कोटियान (23) सातवें विकेट के रूप में आउट हुए। इसके बाद इंडिया ए ने 73-1 ओवर में सात विकेट पर 277 रन बनाकर मुकाबला तीन विकेट से जीत लिया। मानव सुथार और अंशुल काम्बोज के बीच आठवें विकेट के लिए 62 रनों की अविजित मैच विजई साझेदारी हुई। दक्षिण अफ्रीका ए के लिए टियान वैन वुरेन ने तीन और शेपो मोरेकी ने दो विकेट लिए। ओकुहले सेले और लुथो सिपामला ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। दक्षिण अफ्रीका ए ने पहली पारी में 309 रनों का स्कोर बनाया था। भारत की ओर से तनुष कोटियान ने चार, गुरनूर बरार और मानव सुथार ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया था। इंडिया ए की टीम अपनी पहली पारी में 234 के स्कोर पर सिमट गई थी।

इगा ने डब्ल्यूटीए फाइनल में पहला मुकाबला जीता

रियाद, वार्ता। इस साल की विबलडन चैंपियन इगा स्वियाटेक ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स के पहले एकल ग्रुप मैच में ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता मैडिसन कीज को सीधे सेओं में आसानी से हरा दिया। यह मुकाबला एकतरफा रहा क्योंकि शानदार फॉर्म में चल रही स्वियाटेक ने अपनी पहली सर्विस पर 82-1 प्रतिशत अंक हासिल किए, जबकि कीज को अपनी सर्विस में दिक्कत हुई, उन्होंने सात डबल फॉल्ट किए और पांच बार सर्विस गंवाई। स्वियाटेक ने अंततः 6-1, 6-2 से जीत हासिल की और शनिवार को ग्रुप चरण में अपनी पहली जीत दर्ज की। स्वियाटेक और कीज इस सीजन में पहले दो बार आमने-सामने हुई थीं, दोनों ने एक-एक बार जीत हासिल की थी, और दोनों ही मैच तीन-तीन सेट तक चले थे। ऑस्ट्रेलियन ओपन सेमीफाइनल में, अमेरिकी कीज ने तीसरे सेट के सुपर ऑईब्रेक में अपनी पोलिश प्रतिद्वंद्वी को हराया और फिर खिताब अपने नाम किया। हालांकि, यूएस ओपन में पहले दौर में बाहर होने के बाद, कीज ने दो महीने से ज्यादा समय तक कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला था। स्वियाटेक ने बाद में कहा कि लगभग हर चीज में, लेकिन ज्यादातर अपनी सर्विस और पूरे ध्यान के साथ।मैं शुरू से अंत तक अपने जोन में थी, और सचमुच इसे इसी तरह बनाए रखना चाहती थी। इस साल के फ़ाइनल के दो एकल ग्रुप डब्ल्यूटीए की दिग्गज स्टेफ़ी ग्राफ और सेरेना विलियम्स के नाम पर हैं। स्वियाटेक और कीज को सेरेना विलियम्स ग्रुप में कजाकिस्तान की एलेना रिबाकिना और संयुक्त राज्य अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा के साथ रखा गया है। शनिवार को भी, रिबाकिना ने सात ऐस लगाए और अनिसिमोवा को 6-3, 6-1 से हराने में उन्हें सिर्फ़ 57 मिनट लगे। इससे पहले, बेलारूसी स्टॉर आर्यना सबालेंका ने डब्ल्यूटीए से साल के अंत की विश्व नंबर 1 ट्रॉफी प्राप्त की, जिन्होंने टूर्नामेंट से पहले ही शीर्ष रैंकिग हासिल कर ली थी। यह लगातार दूसरा साल है जब सबालेंका ने डब्ल्यूटीए की साल के अंत में एकल वर्ग में विश्व नंबर 1 खिलाड़ी के रूप में सीजन का समापन किया है।

सबालेंका ने कहा कि यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। हमने इस साल बहुत मेहनत की है, और मेहनत रंग लाती है। हर फ़ाइनल और हर मैच अविश्वसनीय था। मुझे इस सीजन पर बहुत गर्व है और उम्मीद है कि मैं रियाद में बहुत अच्छे प्रदर्शन के साथ सीजन का समापन कर पाऊंगी। स्टेफ़ी ग्राफ़ समूह के मैच, सबालेंका की अगुवाई में, रविवार को शुरू होंगे, जिसमें शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी का सामना इटली की जैस्मीन पाओलिनी से होगा। उसी शाम, गत विजेता कोको गॉफ एक ऑल-अमेरिकन मुकाबले में जेसिका पेगुला से भिड़ेंगी।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए जैमीसन और सोढ़ी को वापस बुलाया

● **मिशेल सेंटनर की अगुवाई में बुधवार को ऑकलैंड में सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा**

वेलिगटन, वार्ता। कई अहम खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण न्यूजीलैंड ने तेज गेंदबाज काइल जैमीसन और स्पिनर ईश सोढ़ी को वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू पांच मैचों की अंतर्राष्ट्रीय टी-20 सीरीज के लिए 14 सदस्ईय टीम में वापस बुलाया है। ऑलराउंडर मिशेल सेंटनर की अगुवाई में बुधवार को ऑकलैंड में इस सीरीज का पहला मैच खेलना जाएगा। फिन एलन (पैर), लॉकी फर्ग्यूसन (हैमस्ट्रिंग), एडम मिल्ने (टखना), ग्लेन फिलिप्स (ग्रोइन) और बेन सियर्स (हैमस्ट्रिंग) चोट के कारण बाहर हैं। इसके अलावा पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने भी रविवार को टी-20 से संन्यास की घोषणा कर दी है। इसे देखते हुए चयनकर्ताओं ने तेज गेंदबाज काइल जैमीसन और स्पिनर ईश सोढ़ी को इस सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। टीम में अनकैप्ड तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ को जगह दी गई है। टीम चयन को लेकर न्यूजीलैंड के कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि वेस्टइंडीज जैसी खतरनाक टीम का सामना करने के पांच मौके मिलना बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि टीम पूरी सीरीज की लय में आने और गर्मियों की शुरुआत में बारिश से प्रभावित सीरीज के बाद कुछ मोमेंटम बनाने के लिए उत्सुक है। वाल्टर ने कहा कि टी-20 विश्व कप करीब आ रहा है और मुझे पता है कि यह लोगों के दिमाग में होगा, लेकिन हमारा ध्यान घर पर इस सीरीज पर है।

मां-बाप की डांट से नाराज होकर घर से निकली

तीन किशोरियां मथुरा से सकुशल बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। माता पिता की डांट से नाराज होकर घर से निकली तीन किशोरियों को गंगनहर कोतवाली पुलिस ने 24 घंटे में ही बरामद कर सकुशल उनके परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के इस गुड वर्क पर एसएसपी ने बच्चियों को तलाश करने वाली टीम की पीठ थपथपाई है।

मामले का खुलासा करते हुए एसएसपी हरिद्वार प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने बताया कि कोतवाली गंगनहर क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने 31 अक्टूबर को सूचना देकर बताया था कि उनकी दो बेटियां 12 और 14 वर्ष एवं उनकी एक दोस्त समेत तीन किशोरियां सुबह स्कूल के लिए घर से निकली थी लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटी। परिजनों ने तलाश की और पुलिस से भी मदद की गुहार लगाई। सूचना मिलने के बाद कप्तान ने पुलिस टीम गठन के साथ 24 घंटे में बरामदगी का अल्टीमेटम दिया। पुलिस ने सीसीटीवी आदि खंगालते हुए लोगों से पूछताछ शुरू की तो किशोरियों को रोड़वेज पर हरिद्वार की एक बस में बैठते देखा गया फिर वह हरिद्वार बस अड्डे पहुंची और वहां से दिल्ली गई और दिल्ली रेलवे स्टेशन से मथुरा की ट्रेन में बैठ

गई। पुलिस ने दिल्ली से मथुरा तक के स्टेशनों पर कैमरे आदि चेक किए। जिसके बाद किशोरियों को मथुरा स्टेशन बरामद कर लिया। किशोरियों ने पूछताछ में बताया कि माता-पिता के बीच अनबन और झगड़े के चलते

❖गंगनहर पुलिस ने केवल 24 घंटे में ही तलाश कर किया परिजनों के सुपुर्द, एसएसपी ने पुलिस टीम की थपथपाई पीठ

उनकी मां उन्हें डांटती थी और झगड़ती थी अन्य गुमशुदा बालिका ने भी सुबह जल्दी ना उठने के कारण मिलने वाली डांट और थप्पड़ के चलते अपने बाप से नाराज थी इस वजह से 500 लेकर तीनों घर से चली गई और हरिद्वार बस अड्डे से बस पकड़कर दिल्ली चली गई। दिल्ली से तीनों ट्रेन में मथुरा चली गई। पुलिस टीम में सीओ रुड़की नरेंद्र पंत, प्रभारी निरीक्षक मनोहर भंडारी,प्रभारी निरीक्षक सीआईयू प्रदीप बिष्ट, वरिष्ठ उप निरीक्षक दीप कुमार, सीआईयु प्रभारी प्रवीण बिष्ट, अपर उप निरीक्षक कांता प्रसाद, हेड कांस्टेबल चमन, कांस्टेबल चालक लाल सिंह,पवन सिंह, हंसराज,प्रभाकर,रणवीर,प्रीतम, मनमोहन भंडारी,महिपाल, राहुल नेगी आदि शामिल रहे।

चोरों ने बंद मकान से लाखों का माल उड़ाया

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रुड़की बंद मकान में चोरों ने धावा बोलते हुए लाखों रुपए की ज्वैलरी और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। चोर पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं। घटना के वक्त पीड़ित मेरठ एक शादी समारोह में गए हुए थे। वहीं पुलिस मामले में मुकदमा दर्ज कर आगे कार्रवाई की बात कह रही है। जानकारी के अनुसार रामनगर में जेल के पीछे स्थित कॉलोनी में प्रशांत कुमार का मकान है शनिवार शाम 6:00 बजे प्रशांत अपने परिवार के साथ अपनी मौसी की बेटे की शादी में मेरठ गए थे और सुबह करीब 5:00 बजे जब वह घर लौटे तो घर का हाल देखकर दंग रह गए। घर के मुख्य द्वार का ताला टूटा हुआ था वही अंदर जाकर देखा तो घर में रखी अलमारी को भी तोड़ा गया था और सामान बिखरा पड़ा था उन्होंने सामान की जांच की तो घर में रखी ज्वेलरी और नकदी गायब मिले। वही पीड़ित के द्वारा सूचना पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच की। वही पीड़ित द्वारा पुलिस को तहरीर देकर मामले में कार्रवाई की मांग की गई है। पीड़ित प्रशांत के अनुसार उनके घर में लगभग 15 तोला सोना एवं चांदी और लगभग 70000 रुपए की नगदी रखी थी। वही पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो उसमें दो युवक बाइक पर सवार आते दिखाई दिए जिन्होंने हेलमेट पहने हुए थे। चोरों के द्वारा तालों को खोलकर नाली में फेंका हुआ था। एसएसआई दीप कुमार का कहना है कि जल्द घटना का खुलासा होगा।

पत्नी को आग लगाकर मारने का प्रयास करने का आरोपी दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। हरिद्वार पुलिस ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि अपराधी कितना भी चालाक क्यों न हो, कानून के शिकंजे से बच नहीं सकता। पत्नी को तेल डालकर आग लगाने वाले फरार आरोपी संजय कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह वही आरोपी है जो बीते कई दिनों से पुलिस की पकड़ से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदलता फिर रहा था।

घटना 24 अक्टूबर 2025 की है, जब थाना भगवानपुर निवासी रणवीर सिंह ने कोतवाली लक्सर में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी बहन को दहेज की मांग पूरी न होने पर उसके पति संजय कुमार और सास सीतो देवी ने मिलकर आग लगा दी थी। गंभीर आरोपों के आधार पर पुलिस ने तत्काल मु.अ.सं. 1047/25 के तहत दहेज अधिनियम व हत्या के प्रयास की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार परमेंद्र सिंह डोभाल ने तत्काल क्षेत्राधिकारी लक्सर को जांच के निर्देश दिए। पुलिस टीम ने मैनुअल पुलिसिंग, डिजिटल ट्रेसिंग और लगातार दबिशों के बाद आखिरकार 2 नवंबर 2025 को आरोपी को पकड़ लिया। एसएसपी परमेंद्र सिंह डोभाल ने कहा कि महिला संबंधी अपराधों के प्रति हरिद्वार पुलिस की नीति पूरी तरह से जीरो टॉलरेंस पर आधारित है। ऐसे मामलों में आरोपी चाहे जहां भी हो, उसे हर हाल में गिरफ्तार कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।"गिरफ्तार आरोपी का विवरण-संजय कुमार पुत्र मुल्की सिंह उम्र: 36 वर्ष निवासी ग्राम भगतनपुर, चौकी रायसी, थाना लक्सर, जनपद हरिद्वार गिरफ्तारी टीम-व0उ0नि0 लोकपाल परमार, कोतवाली लक्सर, हे0का0 मनोज मालिक, का0 टीकम सिंह आदि शामिल रहे। पुलिस अब आरोपी से विस्तृत पूछताछ कर रही है और मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई की तैयारी चल रही है।

मंगलौर पुलिस ने खोए हुए लााखों के मोबाइल लौटाए

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। मंगलौर पुलिस द्वारा चलाए गए ऑपरेशन मिसिंग मोबाइल से कई लोगों के चेहरे खिल गए, मंगलौर पुलिस ने लाखों रुपए की कीमत के खोए हुए 157 मोबाइल बरामद कर उनके स्वामियों को सौंप दिए।

जानकारी के अनुसार मंगलौर कोतवाली में सीओ मंगलौर विवेक कुमार ने फोन स्वामीयों को उनके खोए हुए फोन सौंपे, दरअसल हरिद्वार पुलिस ने लंबे समय से ऑपरेशन मिसिंग मोबाइल अभियान चलाया हुआ हे। जिसके तहत साइबर सेल की एक विशेष यूनिट लोगो के खोए हुए मोबाइलों को ढूंढने के लिए दिन रात मेहनत कर रही है जिसके खोए हुए मोबाइल की सूचना अपने निकटम थाने में देनी होती है उसके बाद विशेष यूनिट टीम पोर्टल का उपयोग करते हुए खोए हुए मोबाइलों की खोजबीन में लग जाती है। मोबाइल की लोकेशन के आधार पर भारत के विभिन्न राज्यों में संपर्क स्थापित कर फोन वापस लेकर आती है। कोतवाली में तैनात सिपाही जफर अली और सिपाही मजीद ने खोये हुए फोन

को ढूंढ़ने में अहम भूमिका निभाई जिसको लेकर सीओ मंगलौर ने दोनों सिपाहियों कि पीठ थपथपाई। सीओ विवेक कुमार ने बताया कि मंगलौर कोतवाली में बीते 11 महीने से चलाए जा रहे ऑपरेशन मिसिंग मोबाइल के तहत साइबर सेल टीम द्वारा करीब 25 लाख रुपए से ज्यादा कीमत के 157 मोबाइल फोन खोज चुकी है। वहीं रविवार को एक-एक कर सभी मोबाइल स्वामियों को उनके खोए मोबाइल सौंपे गए. जिनमें से कुछ फोन विभिन्न राज्यों से आए यात्रियों और कुछ मोबाइल स्थानीय निवासियों के शामिल रहे। खोए हुए फोन स्वामी फोन वापस पाकर खुश हुए ओर मंगलौर पुलिस का आभार जताया।

भगवानपुर नपं ने किया ब्लॉक में योगा अभ्यास का कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। राज्य स्थापना दिवस की 25 वीं वर्षगाठ पर (रजत जंयती) समारोह के अन्तर्गत शाासन द्वारा दिये गये निर्देशो एवं जिलाधिकारी हरिद्वार के अनुदेशो के अनुपालन में आज दिनांक 02.11.2025 को नगर पंचायत भगवानपुर द्वारा ब्लॉक सभागार भगवानपुर प्रांगण में योगा अभ्यास का कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम की शुरूआत अध्यक्ष से अनुमति लेकर की गयी, तथा अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत भगवानपुर, के मार्ग निर्देशों के अनुसार एक प्रशिक्षित योग प्रशिक्षक योगेन्द्र सैनी द्वारा उपस्थित कार्यालय कार्मिकों एवं आये हुऐ स्थानीय नागरिकों को योग सिखाया गया। इस अवसर पर उनके द्वारा बताया गया कि योग के द्वारा हम किस प्रकार अपने शरीर को स्वस्थ एवं नीरोग रख सकते।मा0 अध्यक्ष महोदय द्वारा

कार्यक्रम के अन्त में उपस्थित सभी कार्मिकों व व्यक्तियों से अपील की गयी की वह अपने जीवन में प्रतिदिन योग का अभ्यास अवश्य करे।

अब 7 नवम्बर तक दूसरी किस्त जमा कर सकते हैं चयनित हज आवेदक

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। उत्तराखंड राज्य हज समिति के ईओ मो आरिफ ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया ने हज यात्रा पर जाने चयनित हज आवेदक अब 7 नवंबर 2025 तक दूसरी किस्त जमा कर सकते हैं। इससे पहले 31अक्टूबर तक ही यह किस्त जमा करनी थी। आवेदक को दूसरी किस्त के रूप में 1,25000 रुपये प्रति आवेदक जमा कराने हैं। उन्होंने बताया कि चयनित आवेदक अपनी लॉग इन आईडी से क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई के जरिए किस्त के रुपये जमा कर सकते हैं। धनराशि हज कमेटी ऑफ इंडिया के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया व यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के खाते में जमा की जा सकती है।हज आवेदकों को दूसरी किस्त जमा करने की पे-इन-स्लिप/ऑनलाइन रसीद रिफरेंस नंबरअंकित करते हुए 10 नवंबर 2025 तक राज्य हज समिति के कार्यालय पिरान कलियर हज हाउस जमा करना होगा।

सोशल मीडिया पर तमंचा लहराने वाला युवक दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देशन में अपराध नियंत्रण व असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई के तहत लक्सर पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

जानकारी के अनुसार पुलिस टीम ने रायसी क्षेत्र में चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान मो० अनस पुत्र जाहिद हसन निवासी नसीरपुर कलां उर्फ दौड़वसी थाना पथरी, हरिद्वार के रूप में हुई है। आरोपी सोशल मीडिया पर तमंचा लहराते हुए अपनी फोटो व वीडियो अपलोड करता था, जिससे वह पुलिस की निगरानी में आ गया था। लक्सर पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे एक अवैध 315 बोर तमंचे के साथ पकड़ लिया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बरामदगी: 01 अवैध तमंचा 315 बोरगिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम:1. उ0नि0 नीरज रावत ख कोतवाली लक्सर 2. का0 रविन्द्र नागर ख कोतवाली लक्सर 3.का0 सौदीश कुमार कोतवाली लक्सर हरिद्वार पुलिस ने साफ किया है कि सोशल मीडिया पर इस तरह के आपराधिक प्रदर्शन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, और ऐसी गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

शांति व्यवस्था भंग करने पर दो युवक गिरफ्तार

रूडकी। कोतवाली गंग नहर पुलिस द्वारा शांति व्यवस्था भंग करने पर 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। उप निरीक्षक राजीव उनियाल हेड कांस्टेबल राजीव गोले के देखरेख क्षेत्र शांति एवं कानून व्यवस्था रोकथाम जुर्म जरायम अंदर इलाका थाना हाजा क्षेत्र में रवाना थे, जब हम कर्मचारी गण गस्त करते हुए बीटी गंज बाजार पहुंचे तो वहां पर काफी भीड़ इकट्ठा थी जाकर देखा तो एक व्यक्ति रोहित सैनी पुत्र राजीव सैनी निवासी 608 सैनिक कॉलोनी रुड़की कोतवाली गंग नहर जनपद हरिद्वार आमदा फसाद हो रहा था, जिसे हम पुलिस कर्मचारी गणों द्वारा काफी समझाया गया किंतु नहीं माना और उत्तेजित होने लगा। शांति व्यवस्था भंग होने के दृष्टिगत धारा 170 से अवगत कराते हुए गिरफ्तार किया गया।

एनसीए बुल्स ने जीता क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल

रुड़की। शॉट ग्राउंड क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच एनसीए बुल्स ने एनसीए लायंस को हराकर जीत लिया। टूर्नामेंट के ऑफ द मैच ऋषि शर्मा रहे। विजेता और उप विजेता टीम को ट्राफी एवं पदक देकर सम्मानित किया गया। नेहरू स्टेडियम में नवयुवक क्रिकेट अकादमी शॉट ग्राउंड क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिसमें क्रिकेट अकादमी की चार टीमों ने प्रतिभाग किया। फाइनल में पहुंची एनसीए बुल्स और एनसीए लायंस के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। जिसमें एनसीए बुल्स ने विपक्षी टीम को तीन विकेट से हराकर फाइनल का खिताब अपने नाम किया। टूर्नामेंट के मैच के मैन ऑफ द मैच ऋषि शर्मा रहे जिन्होंने तीन ओवर में 6 रन देकर दो विकेट लिए। फाइनल मुकाबले में विजेता और उप विजेता टीम को पार्षद मोहम्मद ताहिर पार्षद एवं व्यापार मंडल के महामंत्री कमल चावला ने ट्रॉफी और मैडल देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के टूर्नामेंट खिलाड़ियों में प्रतिस्पर्धा की भावना उत्पन्न करते हैं।

एथलेटिक्स में आरएमपी कॉलेज का शानदार प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। देहरादून के महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज रायपुर में राज्य स्तरीय माध्यमिक विद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर ओवरऑल चौंपियन अपने नाम की। दूसरा स्थान रुद्रप्रयाग ने 18 स्वर्णपदक, 08 रजत पदक एवं 10 कांस्य पदक, तीसरा स्थान देहरादून10 स्वर्ण पदक, 12 रजत पदक एवं 11 कांस्य से पदक प्राप्त कर तीसरा स्थान, चमोली ने11 स्वर्ण पदक, 05 रजत पदक एवं 13 कांस्य पदक प्रतिकार चौथे स्थान एवं हरिद्वार में 10 स्वर्ण पदक, 08 रजत पदक एवं 06 कांस्य पदक प्राप्त कर पांचवा स्थान प्राप्तकिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने वर्चुअल के माध्यम से संबोधन करके किया। मंच पर पूर्व ओलंपियन मनीष रावत एवं शिक्षा विभाग के निदेशक डॉक्टर सती कुमार सती ने उपस्थित होकर प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया एवं

मंच साझा किया।इसके बाद विभिन्न जिलों के आए प्रतिभागियों ने शानदार मार्च पास्ट करके उपस्थित खेल प्रेमियों का मनमोह लिया साथ ही में विभिन्न प्रतिस्पर्धा में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया प्रतियोगिता में अंडर-19 बालक वर्ग में हरिद्वार के नितिन कुमार ने 400 मीटर बाधा दौड़ में प्रथम एवं 400 मीटर में कांस्य से पदक प्राप्त किया । जबकि 200 मीटर दौड़ में उधम सिंह नगर के अभय गोदियाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 800 मीटर दौड़ एवं 1500 मीटर दौड़ में हरिद्वार के प्रीत उपाध्याय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर 17 बालक वर्ग में 400 मी एडल्ट्स में इस स्पोर्ट्स कॉलेज के अभिषेक चौहान एवं 200 मीटर दौड़ में हितेश सिंह, पोल वाल्ट पिथौरागढ़ के आयुष टम्टा, अंडर 14 गोला फेक में नैनीताल के हर्षित बिष्ट, रिले दौड़ में देहरादून के सागर, योगेश व अजीत, 200 मीटर दौड़ में हरिद्वार के वंश कटारिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कागजों में बना दी सड़क, चार पर लाखों की रिकवरी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। ग्राम पंचायत शिकारपुर में विकास कार्य कराने के नाम पर लाखों रुपये का फर्जीवाड़ा कर रकम हड़प ली गई। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने मिलीभगत कर लाखों रुपये की 19 सड़कें केवल कागजों में तैयार कर दी। शिकायत पर हुई जांच में मामले के खुलासे के बाद मुख्य विकास अधिकारी हरिद्वार ने ग्राम प्रधान सहित चार अधिकारियों-कर्मचारियों से 31.76 लाख रुपये की मय अर्थदंड रिकवरी के आदेश जारी किए हैं।

मामला नारसन ब्लॉक की ग्राम पंचायत शिकारपुर हज्जरपुर का है। गांव निवासी एक व्यक्ति ने तात्कालीन जिलाधिकारी को शिकायत पत्र देकर आरोप लगाया था कि पंचायत में वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान विकास कार्यों में अनियमितताओं और फर्जी खर्च का खेल खेला गया है। शिकायत में आरोप थे कि ग्राम प्रधान ने अधिकारियों के साथ मिलकर गांवों में केवल कागजों में ही कई सड़कें तैयार कर दी, लेकिन धरातल पर एक भी सड़क नहीं है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तत्कालीन सीडीओ आकांक्षा कोण्डे ने जिला स्तरीय तीन सदस्यीय टीम गठित कर जांच के निर्देश दिए। जांच टीम ने निरीक्षण के बाद रिपोर्ट में पुष्टि की कि पंचायत क्षेत्र में स्वीकृत 14 सर्वमौसम सड़कें और पांच सीसी सड़कें मौके पर मौजूद नहीं हैं, जबकि यह सड़कें कागजों में तैयार है। बाकायदा इन सड़कों पर कुल 31.76 लाख रुपये खर्च होना दर्शाए गए। जांच रिपोर्ट के आधार पर ग्राम प्रधान शाकिरा, ग्राम विकास अधिकारी दिनेश कुमार, कनिष्ठ अभियंता शेखर राणा और रोजगार सेवक राजकुमार को दोषी पाया गया। इस पर सीडीओ के निर्देश पर बीडीओ ने इन सभी से रिकवरी के आदेश जारी किए हैं। बीडीओ नारसन सुभाष सैनी ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार चारों पर 31.76 लाख रुपये की रिकवरी तय की गई है। उन्होंने सभी को एक सप्ताह में रिकवरी की राशि जमा करने के निर्देश दिए है

महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे के चलते

कलियर में पूरी तरह चरमराई यातायात व्यवस्था

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे के चलते कलियर में यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। पीपल चौक, कांवड़ पटरी नए पुल और सोहलपुर रोड पर भारी जाम लगा गया। सुबह से ही वाहनों की लंबी कतारें लग गई। हालात यह रहे कि वाहन रेंगते हुए आगे बढ़ते नजर आए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पतंजलि में दीक्षांत समारोह में रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का कार्यक्रम था।जिसके चलते पुलिस प्रशासन ने रूट डायवर्ट कर दिया गया था।रुड़की से हरिद्वार की ओर जाने वाले वाहनों को कलियरखधनोरी मार्ग से डायवर्ट किया गया। जिससे वैकल्पिक मार्गों पर भी जाम की स्थिति बन गई। पुलिस की वीआईपी ड्यूटी होने के कारण यातायात नियंत्रित करने के लिए सीमित संख्या में ही पुलिसकर्मी तैनात थे जिन्हें जाम खुलवाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोग घंटों तक जाम में फंसे रहे। स्थानीय लोगों और पुलिसकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद जाम को खुलवाया और वाहनों को चालू

कराया। वहीं दूसरी ओर एसओ रविंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रपति के कार्यक्रम के चलते सुबह से ही सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। कलियर से वाहनों के आने से जाम की स्थिति बन गई थी। जाम को खुलवा दिया गया था।

स्थापना दिवस पर झबरेड़ा नपं में योग शिविर

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेडा। नगर पंचायत झबरेड़ा की ओर से रविवार को उत्तराखंड स्थापना दिवस को योग दिवस के रूप में मनाया गया। कस्बे में स्थित सरस्वती राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में योग शिविर का आयोजन किया गया। संस्कृति दर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट संस्थापक योगी रणदेव द्वारा योग शिविर में उपस्थित लोगों को योग कराया गया। तथा योग से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी गई।

नगर पंचायत झबरेड़ा की ओर से उत्तराखंड दिवस पर योग शिविर का आयोजन कस्बे में स्थित सरस्वती राजकीय इंटर कॉलेज में रविवार सुबह 6:00 बजे आयोजित किया गया। योग शिविर में योगी रण देव द्वारा योगासन प्राणायाम अनुलोम विलोम भ्रामरी आदि कई योग वहां उपस्थित लोगों को कराये गया तथा योग से होने वाले लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई ।उन्होंने बताया कि योग करने से कहीं बीमारियां ठीक की जा सकती है ।योग से हाई बीपी मोटापा आदि पर भी विजय पाई जा सकती हैं ।इस अवसर पर पूर्व राज्य मंत्री डॉक्टर गौरव चौध

री क्षेत्रीय विधायक वीरेंद्र जाती नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी हर्षवर्धन डॉक्टर जोध सिंह वर्मा राजवीर सिंह चौधरी जनार्दन यशवीर सिंह अनुज सैनी जसवीर सिंह चौधरी बिरम सिंह आदि उपस्थित रहे।

इच्छाशक्ति का अभाव

राजधानी दिल्ली और एनसीआर के कई इलाकों में प्रदूषण गंभीर होता जा रहा है। रविवार को हवा क्वालिटी और बिगड़ गई। एम्स और आसपास के इलाकों में एआईक्यू लेवल 420 तक पहुंच गया है। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण की रोकथाम के लिए सीएक्यूएम के आदेश को लागू करते हुए दिल्ली सरकार ने बीएस–3 और उससे पुराने मानक वाले सभी ट्रांसपोर्ट व कमर्शियल वाहनों ट्रक, टेम्पो, लोडर आदि डीजल चालित वाहनों को दिल्ली में एंट्री पर बैन लगा दिया है। सवाल है कि दशकों से मीडिया व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग तथा संगठन, जिस प्रदूषण संकट के प्रति चेताते रहे हैं, उसके घातक परिणाम अब साफ सामने नजर आने लगे हैं। विडंबना यह है कि देश की राजधानी व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ही नहीं, अब देश के तमाम बड़े–छोटे शहरों से भी जानलेवा प्रदूषण की खबरें आ रही हैं। इस घातक व मारक संकट की पुष्टि बहुचर्चित मेडिकल जर्नल लैंसेट की हालिया रिपोर्ट करती है। रिपोर्ट दावा करती है कि देश की हवा में 2010 की तुलना में साल 2022 तक प्रदूषणवाहक पीएम 2.5 कणों की मात्रा में 38 फीसदी तक का बढ़ावा हुआ है। जिसका घातक प्रभाव यह है कि करीब सत्रह लाख लोग असमय काल–कवलित हो चले हैं। इससे होने वाला आर्थिक नुकसान अलग है। यह कहना कठिन है कि अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के आंकड़े कितने विश्वसनीय हैं। बहुत संभव है कि सरकारें इन आंकड़ों पर सहमति न जताएं, लेकिन दीपावली के बाद दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत देश के विभिन्न शहरों में प्रदूषण जिस घातक स्तर तक पहुंचा है, वह हालात के गंभीर होने की ओर इशारा तो करता ही है। एक अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी ने दिल्ली को दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर का खिताब भी दिया है। इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि अस्पतालों में प्रदूषणजनित रोगों का उपचार कराने वाले लोगों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। जीवन के संघर्ष में रोजी–रोटी की कवायद में जुटे लोगों को यह अहसास भी नहीं होता है कि वे दिन में कितनी जहरीली हवा निगल रहे हैं। हमारे शहर केंद्रित विकास की विसंगितयां भी शहरों में प्रदूषण का दायरा बढ़ा रही हैं। शहरों में उगते कंक्रीट के जंगल न केवल हवा के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित कर रहे हैं, बल्कि वाहनों के सैलाब को भी बढ़ावा दे रहे हैं। विडंबना यह है कि इसके बावजूद राजनीतिक दलों व सरकारों में वह इच्छाशक्ति नजर नहीं आती, जो इस संकट के कारगर समाधान की राह दिखाती हो। निश्चित तौर पर प्रदूषण संकट की यह जानलेवा स्थिति हमें शर्मसार करने वाली है। यह हमारी सामूहिक विफलता की तसवीर भी उकेरती है। सर्दियों का मौसम आते ही दिल्ली व निकटवर्ती शहरों में जो प्रदूषण का बड़ा संकट दिखायी देता है, आखिर उसे साल भर सतर्कता के साथ क्यों नहीं देखा जाता। देश में आर्थिक असमानता व गरीबी के चलते लाखों लोग व बच्चे उन अस्वस्थकारी परिस्थितियों में काम करने को बाध्य हैं, जो कालांतर जानलेवा रोगों का सबब बनती हैं। देश में करोड़ों बाल श्रमिक पटाखा, कालीन और अन्य सांस के रोगों का संकट बढ़ाने वाले उद्योगों में काम कर रहे हैं।

न्यायालय और कानून का शासन स्थिरता के आधार

सांविधानिक सिद्धांतों की रक्षा करने वाले न्यायिक अधिकारियों को भी दबाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है, जिन जजों का किसी राजनीतिक मामले में कोई हाथ नहीं था, उनके परिवार को भी राजनीतिक संगठनों ने निशाना बनाया, आप सभी जानते हैं कि मेरे परिवार को कैसे निशाना बनाया गया और उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए, यह सब केवल मुझे दबाने के लिए किया गया, उस कठिन समय में जो लोग किसानों के मुद्दे के पक्ष में थे, उन्हें भी धमकाया गया और दबाया गया, जब कई राजनेता अपनी स्थिति लेने में हिचकिचाते थे या चुप रहते थे, उस समय इस देश के न्यायविद, वकील और न्यायालय अपने सांविधानिक वादे के साथ खड़े रहे, सरकार बदलती हैं, लेकिन न्यायालय और कानून का शासन स्थिरता का आधार बने रहते हैं।

–एनवी रमणा, पूर्व मुख्य न्यायाधीश

बदलते बिहार का रण: क्या बदलेगा 2025

योगेश कुमार गोयल

बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा होने के बाद से ही राज्य की सियासत उबाल पर है। दो चरणों में मतदान और 14 नवंबर को परिणाम, इन दो तिथियों के बीच अब हर बयान, हर गठबंधन, हर रैली और हर अपराध की खबर चुनावी हवा की दिशा तय करेगी। इस बार मुकाबला केवल नीतीश बनाम तेजस्वी या एनडीए बनाम इंडिया गठबंधन का नहीं है बल्कि अनुभव बनाम उम्मीद, सुशासन बनाम बदलाव और भरोसे बनाम मोहभंग की त्रिकोणीय लड़ाई बन गया है। बीस वर्षों से सत्ता के शिखर पर बैठे नीतीश कुमार का राजनीतिक भविष्य अब जनता की अदालत में है और इस फैसले में बिहार का आने वाला दशक छिपा है। बिहार में इस बार 7.43 करोड़ से अधिक मतदाता वोट डालेंगे, जिनमें 3.50 करोड़ महिलाएं और 3.92 करोड़ पुरुष शामिल हैं। इनमें से करीब 14 लाख युवा ऐसे हैं, जो पहली बार मतदान करेंगे। यही नई पीढ़ी अब इस चुनाव की दिशा मोड़ सकती है क्योंकि वह जातीय समीकरणों से अधिक रोजगार, शिक्षा, पलायन और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर केंद्रित है। इस बार का चुनावी रण बिहार की पारंपरिक राजनीति की जड़ों को चुनौती दे रहा है। जातिवाद, परिवारवाद और गठबंधन की राजनीति के बीच अब विकास, सुरक्षा और रोजगार की गूंज पहले से अधिक मुखर हो चुकी है।

राज्य की राजनीतिक पटकथा पिछले दो दशकों में अनेक बार बदली लेकिन एक चेहरा स्थाई रहा, नीतीश कुमार। 2005 में उन्होंने लालू यादव के शासन से 'सुशासन' की ओर संक्रमण का नारा दिया और जनता ने उसे हाथों–हाथ लिया लेकिन बीस वर्षों में वही चेहरा अब थकान का प्रतीक बन गया है। सत्ता विरोधी लहर स्पष्ट दिख रही है और विपक्ष इसे 'नीतीश थकान सिंड्रोम' कहकर प्रचारित कर रहा है। तेजस्वी यादव की आरजेडी, कांग्रेस और वाम दलों के साथ गठित महागठबंधन इस बार जोर–शोर से मैदान में है। वहीं एनडीए, जिसमें जेडीयू, भाजपा, लोजपा द्धरामविलासत्र्क और हम जैसे सहयोगी हैं, अपने पुराने समीकरणों पर भरोसा कर रहा है। मगर इन समीकरणों की जमीन पहले जैसी ठोस नहीं रही। भाजपा और जेडीयू के रिश्तों में तनाव है, सीट बंटवारे को लेकर खींचतान हुई है और नीतीश कुमार की उम्र और स्वास्थ्य पर लगातार चर्चा हो रही है।

भाजपा ने रणनीतिक रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनाव का मुख्य चेहरा बनाया हुआ है। राज्य में मोदी फैक्टर अब भी प्रभावी है लेकिन स्थानीय असंतोष इसे सीमित कर सकता है। बेरोजगारी, स्वास्थ्य और शिक्षा के ढ़ांचे की बदहाली, लगातार पलायन और अपराध के बढ़ते ग्राफ ने सुशासन की कहानी को कमजोर किया है। पटना से लेकर मुजफ्फरपुर और गया तक अपराध की घटनाएं आम होती जा रही हैं। हाल ही में मोकामा में हुई हत्या ने राज्य की कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया। चुनावी माहौल के बीच खुलेआम गोली चलना और जन सुराज के प्रत्याशी का खुलकर समर्थन कर रहे बाहुबली दुलारचंद यादव की हत्या यह संकेत देती है कि बिहार आज भी अपराध के साए से मुक्त नहीं है। विपक्ष इसे 'सुशासन का पतन' और 'जंगल राज' कहकर प्रचारित कर रहा है। जनता के मन में यह सवाल गूंज रहा है कि क्या बिहार का 'जंगल राज' कभी 'मंगल राज' बन सकेगा?

इन सबके बीच भ्रष्टाचार भी इस बार बड़ा मुद्दा बनकर उभरा है। प्रशांत किशोर, जो पहले चुनावी रणनीतिकार थे और अब जन सुराज पार्टी के नेता हैं, उन्होंने एनडीए के कई वरिष्ठ नेताओं पर भ्रष्टाचार और परिवारवाद के गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके आरोपों ने सत्ता पक्ष को रक्षात्मक बना दिया है। भाजपा ने पलटवार किया लेकिन जन धारणा में पीके की 'साफ–सुथरी राजनीति' का प्रभाव देखा जा सकता है। जन सुराज पार्टी का जनाधार भले सीमित हो लेकिन वह कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति पैदा कर सकती है। युवाओं और पढ़े–लिखे वर्ग में पीके की अपील बढ़ रही है, खासकर उन लोगों के बीच, जो जातिगत राजनीति से ऊब चुके हैं और नए विकल्प की तलाश में हैं। एनडीए सरकार ने इस बार मतदाताओं को लुभाने के लिए कई लोकलुभावन घोषणाएं की हैं, महिलाओं को 10 हजार रूपए की सहायता राशि, सामाजिक सुरक्षा पेंशन में वृद्धि, युवाओं के लिए बेरोजगारी भत्ता, किसानों को फसल बीमा राहत और मुफ्त बिजली जैसी योजनाएं। भाजपा और जेडीयू दोनों इस बात पर दांव लगा रहे हैं कि महिलाओं का वर्ग, जो बिहार के चुनावों में अब निर्णायक बन चुका है, इन योजनाओं से प्रभावित होकर वोट करेगा। 2020 के चुनाव में महिला मतदान प्रतिशत पुरुषों से अधिक था और इस बार भी यह रुझान कायम रह सकता है। महिला मतदाताओं की नब्ज इस बार निर्णायक हो सकती है, वे ही तय करेंगी कि स्थायित्व बेहतर है या परिवर्तन की शुरुआत।

दूसरी ओर, विपक्ष भी अपनी रणनीति पर आक्रामक है। तेजस्वी यादव ने रोजगार, शिक्षा और पलायन के मुद्दे को केंद्र में रखकर युवाओं को आकर्षित करने की कोशिश की है। राहुल गांधी के साथ उनकी साझा रैलियों में भीड़ उमड़ रही है लेकिन भीड़ को वोट में बदलना उनकी सबसे बड़ी चुनौती है। विपक्ष ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी और वोट चोरी का मुद्दा उठाया, यह नैरेटिव खासकर शहरी मतदाताओं और पढ़े–लिखे वर्ग में कुछ हद तक असर डाल सकता है। राज्य का जातीय गणित भी बदला है। 2022 के जाति आधारित सर्वेक्षण ने यह स्पष्ट किया कि बिहार में अत्यंत पिछड़ा वर्ग अब सबसे बड़ा समूह है, करीब 36 प्रतिशत। ओबीसी करीब 27 प्रतिशत, एससी 1996 प्रतिशत और मुस्लिम लगभग 17 प्रतिशत हैं। यही वर्ग अब चुनाव का निर्णायक चेहरा बन गया है। एनडीए इन वर्गों में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में है जबकि इंडिया गठबंधन यादव–मुस्लिम समीकरण को सहेजकर साथ ही पिछड़ों और दलितों को जोड़ने की रणनीति पर काम कर रहा है। सवाल यह है कि क्या जातीय पहचान अब भी वोट का आधार बनी रहेगी या फिर मतदाता अपनी प्राथमिकताएं बदल चुका है? दिलचस्प तथ्य यह है कि बिहार के ग्रामीण इलाकों में एनडीए की पकड़ मजबूत है जबकि शहरी इलाकों में विपक्ष को समर्थन बढ़ता दिख रहा है। लेकिन भाजपा सत्ता विरोधी भावना को संगठनात्मक ताकत से काउंटर करने की कोशिश कर रही है। मोदी फैक्टर और केंद्र की योजनाओं का लाभ एनडीए को मिला है पर यह लाभ तभी टिकेगा, जब नीतीश सरकार की छवि 'थकी हुई व्यवस्था' से उबर सके। भाजपा के भीतर भी यह चिंता है कि नीतीश अब वोट खींचने वाले नहीं रहे पर वे गठबंधन के लिए 'अनिवार्य चेहरा' हैं, उन्हें हटाना जोखिम भरा कदम होगा। विपक्ष के पास मौका है लेकिन उसके भीतर नेतृत्व का असंतुलन एक बड़ी कमजोरी भी है। तेजस्वी यादव की लोकप्रियता सीमित क्षेत्रों में केंद्रित है और कांग्रेस की पकड़ कमजोर पड़ चुकी है। यदि विपक्षी गठबंधन एकजुट रह सका और भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, अपराध जैसे मुद्दों को जनता के बीच जीवंत बनाए रख सका तो मुकाबला बेहद करीबी हो सकता है अन्यथा एनडीए सत्ता–विरोधी लहर को भी 'स्थायित्व और सुशासन' की ढ़ाल से झेल लेगा।

एक और बड़ा प्रश्न यह है कि क्या बिहार में इस बार महिला मतदाता कोई निर्णायक बदलाव ला पाएंगी? यह प्रश्न इसलिए अहम है क्योंकि 2005 से लेकर 2020 तक हर चुनाव में महिला मतदाताओं का रुझान उस दल की जीत से जुड़ा रहा है, जिसने उन्हें सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सुविधा का भरोसा दिलाया। यदि महिलाएं एनडीए की योजनाओं से प्रभावित हुई तो यह गठबंधन को बढ़त दिला सकता है लेकिन यदि उन्हें लगे कि उनके जीवन में वास्तविक सुधार नहीं हुआ तो वे बदलाव का विकल्प चुन सकती हैं। बिहार का यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं बल्कि राजनीतिक संस्कृति के संक्रमण का चुनाव है। एक तरफ 'सुशासन बाबू' की थकान और सत्ता के स्थायित्व की कहानी है, दूसरी ओर नई पीढ़ी की उम्मीदें और बदलाव की मांग। बीच में प्रशांत किशोर जैसा तीसरा विकल्प है, जो राजनीति के पुराने समीकरणों को चुनौती दे रहा है। यह चुनाव बताएगा कि बिहार अब भी परंपरागत जातीय राजनीति में बंधा है या वह सामाजिक–आर्थिक मुद्दों को केंद्र में रखकर नई दिशा चुनने को तैयार है। 14 नवंबर को जब नतीजे आएंगे तो केवल यह नहीं बताएंगे कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा बल्कि यह भी उजागर करेंगे कि बिहार का जनमत अब भी बीस वर्षों पुराने भरोसे पर टिका है या नई सोच की ओर अग्रसर हो चुका है। मोकामा जैसी घटनाएं, बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार के आरोप, बेरोजगारी और पलायन की त्रासदी ने बिहार के मतदाताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया है। इस चुनाव के नतीजे केवल सत्ता नहीं, बिहार की राजनीति की आत्मा को भी नया रूप देंगे। यह चुनाव बिहार के लिए वह मोड़ साबित हो सकता है, जहां से राज्य या तो भविष्य की ओर छलांग लगाएगा या फिर अतीत के साए में लौट जाएगा, जहां 'जंगल राज' और 'मंगल राज' के बीच केवल जनता की समझदारी की दीवार खड़ी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

विपक्ष खासकर कांग्रेस के पास भी मोदी व अन्य भाजपा नेताओं द्वारा की गई बदजुबानियों की लंबी सूची है परन्तु कांग्रेस कम से कम वोट भुनाने के लिए जनसभाओं में उन शब्दावलियों को नहीं दोहराती कि कब मोदी ने 50 करोड़ की गर्ल फ्रेंड कहा तो कब श्कांग्रेस की विधवाश जैसा अशोभनीय शब्द इस्तेमाल किया। न ही कांग्रेस कभी इंदिरा गांधी व राजीव गांधी की शहादत पर वोट मांगती है। न ही वोट की खातिर जनता को बार बार यह याद दिलाती है। परन्तु आज भी भाजपा की ओर से इसी तरह की अपमानजनक बातें की जा रही हैं। जैसे कि गत 30 अक्टूबर को ही इसी बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान लखीसराय की एक रैली में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इतने गुस्से से बटन दबाना कि करंट इटली तक पहुंचे यही बात इसी अंदाज में अमित शाह पहले भी असम व छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों की चुनावी सभाओं में करते रहे हैं।

अब बेचारगी के नाम पर वोट की दरकार

तनवीर जाफरी

बिहार चुनाव की तिथि जैसे जैसे करीब आती जा रही है, वैसे वैसे बिहार में हो रहे चुनाव प्रचार में भी तरह तरह के रंग भरते देखे जा रहे हैं। बिहार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की नीतीश सरकार ने सत्ता का पूरा लाभ उठाते हुए आदर्श आचार संहिता लागू होने से कुछ ही मिनट पहले कई ऐसी महत्वपूर्ण घोषणाएं और धन वितरण किए जिनसे वहां के मतदाताओं के एक वर्ग विशेषकर महिलाओं को लाभ पहुंचा। जैसे महिला उद्यमी योजना के तहत 10,000 रूपए की पहली किस्त 6 अक्टूबर 2025 यानी चुनाव की तारीख की घोषणा होने से कुछ ही मिनट पहले हस्तांतरित की गई । नितीश सरकार द्वारा यह दावा किया गया कि इससे 21 लाख महिलाएं लाभान्वित होंगी। इसके अतिरिक्त सामाजिक सुरक्षा पेंशन में वृद्धि, मासिक पेंशन रुपये 400 से बढ़ाकर रुपये 1,100 करने की आदि की घोषणा गई। इसी तरह विपक्षी महागठबंधन के नेता तेजस्वी यादव ने भी लोकलुभावन योजनाओं का पिटारा खोल कर रख दिया है। राज्य के हर परिवार को एक सरकारी नौकरी सहित महिलाओं को लुभाने तक के लिए बड़ा ऐलान किया। उन्होंने वादा किया है कि सत्ता में आने पर जीविका दीदियों को 30,000 रूपए मासिक वेतन वाली सरकारी नौकरी मिलेगी। साथ ही, ब्याज –मुक्त लोन और अन्य सुविधाएं भी दी जाएंगी। ऐसी और भी कई लोकलुभावन घोषणाएं विपक्षी गठबंधन की ओर से की गई हैं। बेशक ऐसी घोषणाएं मतदाताओं को आकर्षित करने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा हैं ।

परन्तु सत्तारूढ़ राजग के बिहार विधानसभा के सबसे बड़े घटक दल भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं द्वारा चुनाव प्रचार में कुछ अलग ही रंग भरने की कोशिशें की जा रही हैं। बड़ा आश्चर्य है कि लगभग दो दशक से सत्ता में रहने वाला राजग आज भी बिहार वासियों को लालू राज के दौर का कथित जंगल राज याद दिला रहा है? खासकर भाजपा के स्टार प्रचारक शोले फिल्म की तर्ज पर बिहार के मतदताओं को याद करा रहे हैं कि राजग गया तो प्रदेश में गुंडा राज स्थापित हो जाएगा। यह बात तब कही जा रही है जबकि आज भी बिहार में सरे आम अपहरण की घटनाएं हो रही हैं। इसी वर्तमान चुनाव में राजनैतिक लोगों की हत्याएं हो रही हैं। अस्पताल में अपराधियों द्वारा दिन दहाड़े भर्ती मरीज की हत्या की जा रही है। पूरे राज्य में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। शराब बंदी के बावजूद तीन चार गुने रेट पर शराब की होम डिलेवरी की जा रही है। परन्तु ऐसी अनेक नाकामियों के बाद भी वोट, लालू के 20 वर्ष पुराने कथित गुंडा राज को याद दिला कर मांगा जा रहा है ? क्या प्रधानमंत्री तो क्या गृह मंत्री जैसे भाजपाई स्टार प्रचारक, सभी अपनी पार्टी का वही सधा सधाया विद्वेषपूर्ण राग अलाप रहे हैं। महागठबंधन पर शतुष्टिकरण श का आरोप लगा रहे हैं तो कभी उनपर श्घुसपैठियोंश को संरक्षण देने का इलजाम लगा रहे हैं। बिहार की सत्ता में सबसे बड़ी भागीदारी निभाने के बावजूद आज भी जिस भाजपा के पास अपना कोई भी राज्य स्तरीय नेता तक न हो जिसने आज तक साफ शब्दों में अपना मुख्य मंत्री का चेहरा घोषित न किया हो वह पार्टी कभी नेहरू को कोस कर तो कभी भावनात्मक बातें कर राज्य के लोगों की शिक्षा,बेरोजगारी,स्वास्थ्य व कानून व्यवस्था जैसे मूल मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है।

स्वयं जिस पार्टी के प्रदेश के सबसे बड़े नेता व बिहार के निवर्तमान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की नकली डिग्री,उनपर बार बार अपना नाम बदलने यहां तक कि उनपर सामूहिक हत्याएं करने जैसे आरोप विरोधियों द्वारा संवाददाता सम्मेलन में लगाए जा रहे हों उस भाजपा के मंच से स्वयं प्रधानमंत्री मोदी लोगों को यह बता रहे हैं कि राहुल व तेजस्वी जमानत पर घूम रहे हैं और अब चुनाव करीब आते आते तो प्रधानमंत्री मोदी ने अपना चिरपरिचित श्बेचारगी श दिखाने वाला कार्ड भी खेलना शुरु कर दिया है। विधानसभा चुनाव के दौरान, दरभंगा में कांग्रेस के मंच से उनकी दिवंगत मां के विरुद्ध किसी व्यक्ति के द्वारा बेहद अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया। इसी बात को याद दिलाकर मोदी ने बिहार की एक सभा में भावुक होकर कहा कि जो गालियां उनकी मां को दी गई हैं, असल में वो देश की हर मां का अपमान है।ष उन्होंने बार–बार इस अपमान का जिक्र किया और इसे चुनावी मुद्दा बनाते हुए वोट मांगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

चुनावी मौसम में देश के पत्रकारों का कर्तव्य

विनीत नारायण

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी जनता है और इस जनता की आवाज बनने का दायित्व पत्रकारों पर है। चुनाव वह समय होता है जब यह शक्ति सबसे अधिक सक्रिय होती है, जब जनता अपने मत से आने वाले पांच वर्षों की दिशा तय करती है। ऐसे निर्णायक समय में मीडिया की भूमिका केवल सूचना देने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह एक प्रहरी यानी 'वॉचडॉग' की भूमिका निभाता है। दुर्भाग्य से, आज के परि.श्य में कई बार यह प्रहरी सार्वजनिक हित का रक्षक बनने के बजाय सत्ता या किसी दल का प्रचारक बनता दिखता है। यही वह विमर्श है जिस पर विचार होना चाहिए, कि पत्रकारों और एंकरों को क्यों और कैसे अपनी मूल भूमिका निभानी चाहिए, न कि पीआर द्धपब्लिक रिलेशनत्र्क पेशेवर बन जाना चाहिए।

पत्रकारिता का मूल उद्देश्य हमेशा सत्य का अन्वेषण रहा है। पत्रकार न तो किसी नेता के समर्थक होते हैं, न विरोधी, वे केवल जनता के प्रतिनिधि हैं। महात्मा गांधी ने कहा था कि प्रेस का काम जनता को सरकार की भूलों से सतर्क करना है, सरकार का मुखपत्र बनना नहीं। जब चुनाव आते हैं, तो यही भूमिका और भी संवेदनशील हो जाती है क्योंकि इस समय जनता को सूचित निर्णय लेने के लिए निष्पक्ष जानकारी चाहिए होती है। यदि मीडिया इस समय भ्रम फैलाए या किसी पक्ष के प्रचार का माध्यम बने, तो लोकतंत्र की आत्मा को आघात पहुंचता है। पत्रकारिता एक सार्वजनिक सेवा है, जबकि पीआर एक निजी हित का कारोबार। दोनों के स्वरूप में मूलभूत अंतर है। जहां पत्रकारिता का उद्देश्य सत्य और पारदर्शिता है, वहीं पीआर का उद्देश्य छवि निर्माण होता है, और वह भी किसी व्यक्ति या संगठन के हित में। जब कोई पत्रकार या एंकर अपने मंच का उपयोग किसी नेता की छवि चमकाने या विरोधी को बदनाम करने के लिए करता है, तो वह पत्रकार नहीं, पीआर एजेंट बन जाता है। यह स्थिति न केवल उसकी पेशेवर आचारसंहिता का उल्लंघन करती है, बल्कि जनता के साथ विश्वासघात भी है। चुनाव कवरेज अक्सर टीआरपी की होड़ में सनसनीखेज रूप ले लेता है। लेकिन वास्तविक पत्रकारिता की परीक्षा इसी समय होती है जब दबाव हो, आकर्षण हो और फिर भी कोई पत्रकार निष्पक्ष रह पाए। पत्रकारों को चाहिए कि वे चुनावी खबरों में तथ्यों की पुष्टि करें, उम्मीदवारों के वादों की जांच करें और जनता से जुड़े मुद्दों को केंद्र में रखें, न कि केवल रैलियों की भीड़ या विवादों की गहमागहमी को। एंकरों के लिए भी यह समय आत्म–संयम का होता है। उनसे अपेक्षा है कि वे मंच पर दोनों पक्षों को बराबर अवसर दें, तर्क पर तर्क से जवाब लें और चुनावी बहस को 'शोर' नहीं बल्कि 'संवाद' में बदलें। पत्रकारों व एंकरों का उद्देश्य दर्शकों को किसी दल की मनोवैज्ञानिक दिशा में मोड़ना नहीं, बल्कि उन्हें सोचने के लिए प्रेरित करना होना चाहिए। लोकतंत्र में पत्रकार सत्ता का संतुलन बनाए रखने वाले चौथे स्तंभ का प्रतिनिधि है। चुनाव काल में जब राजनीतिक दल वादों की बाढ़ लाते हैं, तब मीडिया का दायित्व है कि वह इन वादों की जांच करे। कौन से वादे व्यवहारिक हैं, कौन से केवल भाषणों की सजावट। इसके अलावा, मीडिया को यह भी देखना चाहिए कि क्या चुनावी प्रक्रिया पारदर्शी है? क्या प्रशासन और चुनाव आयोग निष्पक्ष हैं? क्या मतदाता को स्वतंत्र रूप से वोट डालने का अवसर मिल रहा है? यदि पत्रकार यह निगरानी न करें, तो सत्ता और धनबल का उपयोग करके जनमत को गुमराह करने की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में पत्रकार ही वह दीवार है जो जनतंत्र को 'विज्ञापनतंत्र' बनने से बचा सकती है। सच्चा पत्रकार अपनी राय जरूर रख सकता है, लेकिन उसे तथ्यों की सत्यता से कभी समझौता नहीं करना चाहिए। उसे चाहिए कि वह हर रिपोर्ट में स्रोत स्पष्ट करे, हर दावा परखे और किसी भी राजनीतिक संदेश को प्रसारित करने से पहले उसकी विश्वसनीयता सुनिश्चित करे।

पत्रकारिता में 'निष्पक्षता' का अर्थ यह नहीं कि सबकी बात एक समान मानी जाए, बल्कि यह कि सच्चाई के प्रति वफादारी रखी जाए, चाहे वह सत्ता के खिलाफ हो या विपक्ष के। एंकरों को भी समझना होगा कि उनका मंच और चौनल एक भरोसे का प्रतीक है। यदि वे उसी मंच से किसी विशेष पार्टी के प्रवक्ता बन जाएं, तो वह भरोसा टूट जाता है। ट्रोल्स के प्रभाव, कॉर्पोरेट दबाव और राजनीतिक समीकरणों के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन अवश्य है, पर यही कठिनाई पत्रकारिता को सम्मान दिलाती है। आज के युग में सोशल मीडिया ने सूचना का लोकतंत्रीकरण किया है, लेकिन अफवाहों और आधी सच्चाईयों के प्रसार का खतरा भी बढ़ा है। इस वातावरण में टीवी और प्रिंट मीडिया के पत्रकारों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्हें चाहिए कि वे त्वरित सुर्खियों से आगे बढ़कर पड़ताल करें, डेटा और दस्तावेजों पर आधारित रिपोर्ट तैयार करें और जनता को यह सिखाएं कि सच्ची खबर कैसे पहचानी जाए। यदि पत्रकार भी सिर्फ ट्रेंड या वायरल वीडियो के पीछे भागने लगे, तो वह समाज को जागरूक नहीं बल्कि भ्रमित करेगा। आज चुनाव के मौसम में पत्रकारों को आत्ममंथन की जरूरत है। क्या वे अपनी रिपोर्टों से जनता को सशक्त बना रहे हैं या किसी राजनीतिक पार्टी या कॉर्पोरेट घराने के एजेंडे को मजबूत कर रहे हैं? क्या उनके सवाल जनता के प्रश्न हैं या टीआरपी के लिए रचे गए नाटक?लोकतंत्र तभी सुरक्षित रहेगा जब पत्रकार अपने पेशे की आत्मा को जिंदा रखेंगे। जब वे सत्ता से नहीं, बल्कि जनता से डरेंगे।

'वॉचडॉग' बनने का अर्थ है सत्ता पर निगाह रखना, अन्याय पर सवाल करना और जनता के अधिकारों की रक्षा करना। चुनाव चाहे लोकसभा का हो या नगरपालिका का, मीडिया का धर्म एक ही हैरू सच दिखाना, पूरी ईमानदारी से, चाहे किसी को असुविधा ही क्यों न हो। पत्रकारिता केवल करियर नहीं, बल्कि लोकसेवा का माध्यम है। यदि पत्रकार और एंकर इस आत्मा को पहचान लें और चुनावी मौसम में पीआर के प्रभाव से ऊपर उठकर तटस्थ प्रहरी बनें, तो लोकतंत्र की नींव और अधिक मजबूत होगी। जनमत जागरूक होगा, सत्ता जवाबदेह बनेगी और भारत की लोकतांत्रिक परंपरा सच्चे अर्थों में सशक्त होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संक्षिप्त समाचार

इज़रायली हवाई हमले में चार हिजबुल्लाह सदस्यों की मौत

बेरूत। लेबनान के दक्षिणी गांव कफर रूमाने पर इजरायली हवाई हमले में चार लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। यह जानकारी देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन संचालन केंद्र ने दी। राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) के अनुसार, एक इजरायली ड्रोन ने शनिवार को स्थानीय समयानुसार रात लगभग 10:20 बजे (2020 जीएमटी) हवाई हमला किया, जिसमें गांव के पूर्वी बाहरी इलाके में दोहा-कफर रूमाने रोड पर एक निर्देशित मिसाइल से चार पहिया वाहन को निशाना बनाया गया।

ईरान में स्वैच्छिक बल के दो सदस्यों की हत्या

तेहरान। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कोर ने शनिवार को कहा कि दक्षिण-पूर्वी प्रांत सिस्तान और बलूचिस्तान में हुए आतंकवादी हमलों में उसके बासिज स्वैच्छिक बल के दो सदस्य मारे गए। पीड़ितों की पहचान एस्माईल शावरज़ी और मोख्तार शाहौज़ेही के रूप में हुई है। शुक्रवार को खाश काउंटी से ज़ाहेदान की ओर गश्ती अभियान के दौरान आतंकवादियों ने उन पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। आईआरजीसी ने अपने आधिकारिक समाचार आउटलेट सेपा न्यूज़ के माध्यम से कहा कि अस्पताल में उनकी मौत हो गई, हालांकि हमलावरों का संगठन स्पष्ट नहीं किया गया।

श्रीलंकाई नौसेना ने 350 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किए

कोलंबो। श्रीलंकाई नौसेना ने मछली पकड़ने वाले एक जहाज पर लदी 350 किलोग्राम से अधिक क्रिस्टल मेथामफेटामाइन और हेरोइन बरामद की है। इनकी कीमत लगभग पांच अरब रुपये है। मेथामफेटामाइन को आमतौर पर 'आइस' के रूप में जाना जाता है। उप रक्षा मंत्री मेजर जनरल अरुणा जयशेखर ने रविवार को संवाददाताओं को बताया कि 16 बैगों में पैक ये मादक पदार्थ मछली पकड़ने वाले एक जहाज के अंदर पाए गए। , जिसे नौसेना ने शनिवार को देश के पश्चिमी तट के पास समुद्र में रोका था।

अफगान सुरक्षा बलों ने घुसपैठ करने की कोशिश में 144 को गिरफ्तार किया

काबुल। अफगानिस्तानी सुरक्षा बलों ने सीमा पार कर पड़ोसी देश ईरान में अवैध रूप से घुसपैठ करने की कोशिश करने के आरोप में 144 लोगों को गिरफ्तार किया है। सेना ने रविवार को एक बयान में कहा कि अफगानिस्तान के पश्चिमी हेरात प्रांत में तैनात सैन्य कर्मियों द्वारा गिरफ्तार किए गए लोगों में दो संदिग्ध मानव तस्कर भी शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि सीमा सुरक्षा को मजबूत करने और सीमाओं के पार अवैध आवाजाही को रोकने के उद्देश्य से सुरक्षा बल इस तरह के अभियान जारी रखेंगे।

ट्रम्प 2.0 में भारतवंशियों के खिलाफ हेट क्राइम 91% बढ़ा

एच-1बी वीजा पर धमकियां भी मिल रहीं, मंदिरों पर हमले व भारतीयों को देश से निकालो जैसे नारे बढ़े

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में भारतवंशियों के खिलाफ हेट क्राइम के मामले बढ़े हैं। बाइडन कार्यकाल में दक्षिण एशियाई मूल के लोगों के खिलाफ ऑनलाइन नफरत व हिंसा सीमित रही। अक्टूबर 2024 तक 46000 ट्रोलिंग और 884 धमकियां दर्ज हुईं, लेकिन ट्रम्प के लौटते ही हालात बिगड़ गए। अक्टूबर 2025 तक ट्रोलिंग बढ़कर 88000 तक पहुंची, यानी इसमें 91 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। दिसम्बर में वीजा और माइग्रेंट मामले में ट्रम्प- मस्क-रामास्वामी बहस के बाद 76 प्रतिशत धमकियां 'नौकरियां छीनने' से जुड़ी रहीं। ट्रम्प सरकार के एच-1बी वीजा फीस बढ़ाने और 104 भारतीयों को डिपोर्ट करने के फैसले ने माहौल भड़काया। इससे टेक्सास, वर्जीनिया व कैलिफोर्निया में गोलीबारी और मंदिर पर हमलों के मामले में उछाल आया। थिंक टैंक 'सेंटर फार द स्टडी ऑफ आर्गनाइज्ड हेट' के अनुसार बीते कुछ महीनों में नस्लभेदी पोस्ट्स में भी तेजी आई है। कैलिफोर्निया में पूरे साल मंदिरों पर हमले और ऑनलाइन नफरती अभियानों के संगठित प्रयास जारी रहे। नवम्बर 2024 से अक्टूबर 2025 के बीच अमेरिका के शहरों में भारतीय समुदाय को निशाना बनाते हुए हिंसक वारदातों की एक शृंखला सामने आई। फरवरी 2025 में वर्जीनिया में एक भारतीय-अमेरिकी कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मार्च 2025 में एक किराना स्टोर पर हुए हमले में पिता-पुत्री की जान चली गई। सितम्बर 2025 में टेक्सास के डलास में दो छात्रों और श्रमिकों की हत्या कर दी गई। इसी महीने चंद्रमौली नागमल्लैया की सिर काटकर हत्या ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया। अक्टूबर 2025 में पेंसिल्वेनिया के पिट्सबर्ग में एक मोटेल पर गोलीबारी में भारतीय मूल के मालिक और कर्मचारियों को निशाना बनाया गया। वहीं ओहायो, इलिनाय और इंडियाना राज्यों में छात्रों से हेट क्राइम के मामले सामने आए। रिपोर्ट के मुताबिक, बढ़ते नस्लभेद का यह ट्रेंड सिर्फ भारतीयों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे दक्षिण एशियाई समुदाय को निशाना बना रहा है। इसमें धर्म, नागरिकता या जातीय पहचान का कोई फर्क नहीं किया जा रहा। रिपोर्ट में इसके चार प्रमुख कारण बताए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका, यूरोप और आस्ट्रेलिया में प्रवासियों के खिलाफ जो वैश्विक नाराजगी बढ़ी है, वह इस नस्लभेदी ट्रेंड का पहला बड़ा कारण है। यह भावना दुनियाभर में उभर रही दक्षिणपंथी राजनीति का अहम हिस्सा बन चुकी है।

बाइडन कार्यकाल में दक्षिण एशियाई मूल के लोगों के खिलाफ ऑनलाइन नफरत व हिंसा सीमित रही

एच-1बी पर अमेरिकी हैं गुस्सा अमेरिका में एच-1बी वीजा को लेकर गुस्सा भी इस ट्रेंड को बढ़ा रहा है। दक्षिणपंथी समूहों का आरोप है कि भारतीय 'कम योग्य' होते हुए भी अमेरिकी नागरिकों की नौकरियां छीन रहे हैं। इससे सोशल मीडिया पर 'भारतीयों को देश से निकालो' जैसे नारों में इजाफा हुआ। भारतीयों के खिलाफ नस्लभेद एशियाई समुदायों के खिलाफ व्यापक भेदभाव का हिस्सा है। ट्रम्प की जीत के बाद श्वेत वर्चस्ववादी गतिविधियां चरम पर पहुंच जाती हैं। जबकि, चुनावी दौर में हेट क्राइम में करीब 80 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी जाती है। ट्रेड डील पर तनाव का भी असर भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर तनाव से नफरत को हवा मिली है। फ्लोरिडा में एक सिख ट्रक ड्राइवर की वजह से हुए एक्सीडेंट में तीन लोगों की मौत जैसे मामलों को कुछ लोग बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे हैं ताकि उनके खिलाफ नफरत फैलाई जा सके।

श्रीनगर। कश्मीर मैराथन 2025 के दूसरे संस्करण में भाग लेते जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला।

दक्षिण सूडान में आरएसएफ के ड्रोन हमलों में 12 की मौत

खार्तूम। दक्षिण सूडान के कोर्डोफन राज्य में अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्स द्वारा दो विस्थापन केंद्रों को निशाना बनाकर किए गए ड्रोन हमलों में बच्चों और महिलाओं सहित कम से कम 12 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। यह जानकारी स्वयंसेवी समूहों ने शनिवार को दी। स्वयंसेवी समूह सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क ने एक बयान में कहा कि शुक्रवार शाम को आरएसएफ ने कडुगली शहर में अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन के परिसर में एक आश्रय केंद्र पर ड्रोन हमला किया, जिसमें पांच बच्चों की मौत हो गई। इसने कहा कि एक अन्य ड्रोन हमले में अल-अब्बासिया तगाली क्षेत्र में एक विस्थापन शिविर को निशाना बनाया गया।

कैरेबियाई सागर में जहाज पर अमेरिका ने किया हमला, तीन मरे

नई दिल्ली। कैरेबियाई सागर में एक और जहाज़ पर अमेरिका के हवाई हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शनिवार देर रात सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर इसकी पुष्टि की।

उन्होंने कहा कि यह हमला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आदेश पर किया गया और इसका निशाना एक ऐसा जहाज था जो अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के अनुसार अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल था। हेगसेथ ने बताया कि हमले में तीन व्यक्ति मारे गए। यह हमला अंतर्राष्ट्रीय जल क्षेत्र में हुआ और किसी अमेरिकी सैनिक को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी रक्षा विभाग इन लोगों को उसी तरह से निशाना बनाएगा जैसे उसने अल-कायदा के आतंकवादियों को बनाया था। उन्होंने इन मारे लोगों को 'नार्को आतंकी' की संज्ञा दी। यह हमला पिछले सप्ताह किए गए तीन हमलों की श्रृंखला का हिस्सा है। सितम्बर से शुरू हुए इस अमेरिकी 'ऑपरेशन' में अब तक वेनेजुएला और कोलंबिया के नागरिक सहित 62 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। इस दौरान 14 जहाज और एक पनडुब्बी नष्ट हुई है। अमेरिका का दावा है कि ये सभी अभियान ड्रग्स तस्करी रोकने के लिए हैं। आलोचकों का कहना है कि ये हमले अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हैं।

मेक्सिको के सुपरमार्केट में धमाके, 23 की मौत

घटना के बाद 12 घायलों को हर्मोसिल्लो के छह अस्पतालों में भर्ती कराया गया

मेक्सिको। मेक्सिको के उत्तर-पश्चिमी राज्य सोनारा की राजधानी हर्मोसिल्लो में एक स्टोर में भीषण आग और विस्फोट की घटना हुई, जिसमें कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई, जिनमें कई बच्चे भी शामिल हैं, जबकि 12 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

यह हादसा शहर के डाउनटाउन इलाके में स्थित वाल्डोज स्टोर में हुआ। सोनारा के गवर्नर अल्फोंसो दुराजो ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए एक वीडियो में इस घटना की पुष्टि की और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई। राज्य के अटार्नी जनरल गुस्तावो सालास चावेज ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि मौतें विषाक्त गैसों के सांस द्वारा सेवन के कारण हुई हैं। उन्होंने कहा फिलहाल ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है जिससे लगे कि आग जानबूझकर लगाई गई थी, हालांकि किसी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। घटना के बाद 12 घायलों को हर्मोसिल्लो के छह अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने एक्सपर पोस्ट कर कहा मेरी संवेदनाएं उन सभी परिवारों के साथ हैं जिन्होंने इस भयावह हादसे में अपने प्रियजनों को खोया है। सरकार की राहत टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि स्टोर पूरी तरह आग की लपटों में घिरा हुआ था। एक वीडियो में एक झुलसे व्यक्ति को स्टोर के बाहर गिरते हुए देखा गया, जिससे हादसे की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि दमकलकर्मियों ने कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक भारी नुकसान हो चुका था। फिलहाल आग लगने के सटीक कारणों की जांच की जा रही है।

मेरी संवेदनाएं उन सभी परिवारों के साथ: शीनबाम

नाइजीरिया में ईसाइयों की हत्या से ट्रम्प नाराज

अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमले की धमकी दी, 8 महीने के दौरान 7000 से ज्यादा ईसाई मारे गए

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नाइजीरिया को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि अगर नाइजीरिया में ईसाइयों की हत्या और हमले बंद नहीं हुए, तो अमेरिका तुरंत नाइजीरियाई सरकार को दी जाने वाली सभी आर्थिक और सैन्य सहायता रोक देगा। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अगर जरूरत पड़ी, तो अमेरिका 'गन के साथ' नाइजीरिया में कार्रवाई करेगा और उन आतंकियों को खत्म करेगा जो ईसाइयों पर हमला कर रहे हैं।

ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने अपने डिपार्टमेंट ऑफ वार को संभावित सैन्य कार्रवाई की तैयारी के आदेश दे दिए हैं। इंटरनेशनल सोसाइटी फार सिविल लिबर्टीज एंड द रूल ऑफ ला की एक रिपोर्ट के अनुसार, नाइजीरिया में जनवरी से 10 अगस्त तक धार्मिक हिंसा बढ़ने के कारण 7000 से अधिक ईसाइयों की हत्या कर दी गई है। इन हत्याओं के बीच बोको हरम और फुलानी एक्सट्रीमिस्ट जैसे आतंकी संगठन जिम्मेदार हैं। नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टिनुबू ने कहा कि देश को धार्मिक रूप से असहिष्णु कहना गलत है। उन्होंने कहा कि हमारे देश की पहचान ही धार्मिक स्वतंत्रता और समान सम्मान पर आधारित है। नाइजीरिया किसी भी धार्मिक उत्पीड़न को बढ़ावा नहीं देता। संविधान सभी धर्मों की सुरक्षा की गारंटी देता है। सरकार सभी नागरिकों की रक्षा करेगी, चाहे उनका धर्म, जाति या नस्ल कुछ भी हो। जैसे अमेरिका अपनी विविधता को ताकत मानता है, वैसे ही नाइजीरिया भी इसे अपनी शक्ति मानता है। कुछ हफ्ते पहले अमेरिकी सीनेटर टेड क्रूज ने भी कांग्रेस से अपील की थी कि नाइजीरिया को धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करने वाला देश घोषित किया जाए। ट्रम्प ने भी कहा था कि नाइजीरिया में ईसाई अस्तित्व के संकट से गुजर रहे हैं और 'रैडिकल इस्लामिस्ट' इन हत्याओं के जिम्मेदार हैं। नाइजीरिया की 22 करोड़ की आबादी लगभग बराबरी से मुस्लिम और ईसाई समुदाय में बंटी है। देश में बोको हराम जैसे कट्टरपंथी इस्लामी संगठन लंबे समय से हिंसा कर रहे हैं। खासकर देश के उत्तरी हिस्सों में होनी वाली हिंसा का शिकार ईसाई के साथ-साथ मुस्लिम समुदाय भी होता आ रहा है। कई जगह ये हमले धार्मिक कारणों से, तो कई जगह जमीन, जातीय संघर्ष, या आतंकवादी नेटवर्क की वजह से होते हैं।

इन हत्याओं के बीच बोको हरम और फुलानी एक्सट्रीमिस्ट जैसे आतंकी संगठन जिम्मेदार हैं

मिस्र में दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम खुला

3000 साल पुरानी तूतनखामेन की कब्र रखी गई, खोजने वाले 5 लोग रहस्यमयी मौत मरे

काहिरा। मिस्र में गीजा के पिरामिडों के पास दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम ग्रैंड इजिप्शियन आम जनता के लिए खोल दिया है। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सीसी के साथ दुनिया के कई देशों के नेता उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए। इसे बनाने में करीब 1 अरब डॉलर से ज्यादा की लागत आई है। ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम (जीईएम) की सबसे बड़ी खासियत बाय किंग तूतनखामेन की कब्र है। 1922 में ब्रिटिश पुरातत्वविद हावर्ड कार्टर ने यह कब्र खोजी थी। इसमें 5500 से अधिक वस्तुएं मिली थीं।

अब पहली बार यह सब एक ही स्थान पर आम दर्शकों के लिए रखी जा रही हैं। तूतनखामेन सिर्फ 9 साल की उम्र में मिस्र की सत्ता पर काबिज हो गया था और 18-19 वर्ष की आयु में उसकी मृत्यु हो गई थी। उसका शासनकाल 1332/1323 ईसा पूर्व था। यह कब्र लगभग 3,000 वर्षों तक छिपी रही क्योंकि इसे चट्टानों और मलबे से ढक दिया गया था। नए म्यूजियम में हावर्ड कार्टर और उनकी टीम द्वारा तूतनखामुन के मकबरे में खोजी गई सभी कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी। तूतनखामेन की कब्र का ताला 26 नवम्बर 1922 को हावर्ड कार्टर ने तोड़ा था। ब्रिटिश लार्ड कार्नार्वन ने 3000 साल पुरानी इस कब्र खोजने में लाखों पाउंड खर्च किए थे। ताला टूटने के बाद सबसे पहले वे ही अंदर गए। कब्र के प्रवेश द्वार पर कोई शिलालेख नहीं मिला, लेकिन स्थानीय मजदूरों ने फुसफुसाया कि जो राजा की नींद तोड़ेगा, मौत उसके पंखों से आएगी। लगभग 5 महीने बाद 5 अप्रैल 1923 को लार्ड कार्नार्वन की रहस्यमयी मौत हो गई। करीब सुबह 6 बजे लार्ड कार्नार्वन की चीखें होटल के हाल में गूंजीं। उसी रात 1:55 बजे काहिरा शहर में अचानक बिजली गुल हो गई थी।, लेकिन सबसे चौंकाने वाली खबर इंग्लैंड से आई। हैम्पशायर में लार्ड की पालतू कुत्ती 'सूसी' ने तीन बार भौंका और मर गई। कार्नार्वन के अलावा 4 लोग और मारे गए। इनमें शामिल थ। ममी का एक्स-रे करने वाले- आर्चिबाल्ड डगलस रीड, अज्ञात बीमारी के चलते उनकी मौत हो गई थी। कब्र की खुदाई में शामिल पुरातत्वविद्-ह्यू एवेलिन व्हाइट, आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने खून से दीवार पर लिखा था कि मैं श्राप के अधीन हूं और मुझे मरना ही होगा। हावर्ड कार्टर की टीम के सदस्य-आर्थर माचेन्थ, कब्र की खोज के दो साल बाद अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने से मौत हो गई।

इसे बनाने में करीब एक अरब डॉलर से ज्यादा की लागत आई है

पाक ने अफगान शरणार्थियों की वापसी के लिए तोरखम सीमा फिर से खोली

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अफ़गान शरणार्थियों की स्वदेश वापसी के लिए उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तोरखम सीमा को फिर से खोल दिया है। यह जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। प्रांत के खैबर जिले के डिप्टी कमिश्नर बिलाल राव ने मीडिया से शनिवार को कहा कि आज सुबह सीमा पार से परिचालन फिर से शुरू किया गया जिससे उन अफगान परिवारों को वापस भेजा जा सके जो हफ्तों से पाकिस्तान में इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सैकड़ों अफगान नागरिक आव्रजन केंद्र पर पहुंच चुके हैं।

अमेरिका के साथ अप्रत्यक्ष वार्ता के माध्यम से समझौता संभव: ईरान

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने कहा कि तेहरान, अमेरिका के साथ सीधी बातचीत में दिलचस्पी नहीं रखता है लेकिन अप्रत्यक्ष वार्ता के माध्यम से समझौता किया जा सकता है।

अराघची ने शनिवार को कतर के अल जजीरा को दिए गए साक्षात्कार में ईरान के परमाणु कार्यक्रम से संबंधित चिताओं का समाधान करने के लिए वार्ता की तत्परता दिखाई। उन्होंने कहा कि हम वाशिंगटन के साथ प्रत्यक्ष वार्ता करने के इच्छुक नहीं हैं लेकिन हम अप्रत्यक्ष वार्ता के माध्यम से समझौता कर सकते हैं। अपने परमाणु कार्यक्रम की शांतिपूर्ण प्रकृति को दोहराते हुए अराघची ने कहा कि ईरान के यूरेनियम संवर्धन को रोका नहीं जा सकता है और जो युद्ध से प्राप्त नहीं किया जा सकता है वह राजनीति के माध्यम से भी प्राप्त नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि देश का 400 किलोग्राम भंडार, जिसमें 60 प्रतिशत संवर्धित यूरेनियम है, अभी भी ईरान के बमबारी वाले परमाणु संयंत्रों के मलबे के नीचे दबा हुआ है और उसे किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारे परमाणु सुविधाओं में संरचनाओं एवं उपकरणों दोनों मामले में हमें बहुत नुकसान हुआ है लेकिन हमारी तकनीक बरकरार है।

रूस ने लॉन्च की 'खाबरोवस्क' पनडुब्बी

पनडुब्बी पोसेइडान नामक परमाणु ड्रोन से लैस होगी, तटीय शहरों को एक झटके में कर सकती है खाक

मास्को। रूस ने एक और शक्तिशाली हथियार के रूप में अपनी नई परमाणु पनडुब्बी 'खाबरोवस्क' लॉन्च की है। यह पनडुब्बी पोसेइडान नामक परमाणु ड्रोन से लैस होगी, जिसे 'डूम्सडे मिसाइल' भी कहा जाता है क्योंकि यह तटीय देशों को पूरी तरह नष्ट करने की क्षमता रखती है। इस ऐतिहासिक लॉन्चिंग समारोह में रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलोउसव और नौसेना प्रमुख एडमिरल अलेक्जेंडर मोइसयेव मौजूद थे।

सेवरोडविंस्क के सेवमाश शिपयार्ड में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान बेलोउसव ने कहा आज हमारे लिए एक महत्वपूर्ण दिन है भारी परमाणु-संचालित मिसाइल क्रूजर 'खाबरोवस्क' लॉन्च किया जा रहा है। सेवमाश शिपयार्ड वही स्थान है जहां भारत के आईएनएस विक्रमादित्य एयरक्राफ्ट कैरियर का भी निर्माण और पुनर्निर्माण किया गया था। रूस के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह पनडुब्बी अत्याधुनिक अंडरवाटर हथियारों और रोबोटिक सिस्टम्स से लैस है, जो रूस की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा और वैश्विक जलक्षेत्रों में उसके राष्ट्रीय हितों की रक्षा करेगी। रूसी समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 'खाबरोवस्क' का डिजाइन रूबिन डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है और यह आधुनिक नौसेना अभियानों के लिए विकसित की गई है। यह एक परमाणु-संचालित अंडरवाटर ड्रोन है, जो अत्यधिक गहराई और लंबी दूरी तक जा सकता है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में घोषणा की थी कि पोसेइडान का सफल परीक्षण किया गया है। इस ड्रोन में लगाया गया न्यूक्लियर पावर प्लांट पारंपरिक सबमरीन रिएक्टर से 100 गुना छोटा है। रूस की सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने इस हथियार को डूम्सडे मिसाइल करार दिया, जबकि रूसी संसद की रक्षा समिति के प्रमुख अंद्रेई कार्तापोलोव ने कहा कि यह ड्रोन पूरे तटीय देशों को खत्म करने में सक्षम है। विशेषज्ञों का कहना है, इस लॉन्च के साथ रूस ने संकेत दिया है कि वह भविष्य की अंडरवाटर युद्ध तकनीक में दुनिया से कई कदम आगे बढ़ चुका है।

इस ड्रोन में लगाया गया न्यूक्लियर पावर प्लांट पारंपरिक सबमरीन रिएक्टर से 100 गुना छोटा है

रूसी संपत्तियां जब्त करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

बेलग्रेड। रूस में सोशलिस्ट पार्टी आंदोलन के संस्थापक, सर्बियागास के पर्यवेक्षी बोर्ड के अध्यक्ष और सर्बिया में रूसी ऐतिहासिक सोसायटी शाखा के प्रमुख अलेक्जेंडर वुलिन ने कहा कि यूरोपीय संघ उस स्थिति में रूसी संपत्तियों को जब्त करने की हिम्मत नहीं करेगा जब उसे कड़ी प्रतिक्रिया मिलने की आशंका होगी।

उन्होंने ए बातें आरआईए नोवोस्ती एक साक्षात्कार में कही। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेएन ने सितम्बर में रूस की ज़ब्त संपत्तियों का उपयोग करके यूक्रेन को एक नया ऋण आवंटित करने का प्रस्ताव रखा था। सुलेएन के अनुसार, यूक्रेन तभी ऋण चुकाएगा जब रूस हर्जाना भरेगा। हालांकि यूरोपीय संघ में इस ऋण पर आम सहमति नहीं है। अक्टूबर में, रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़ुखारोवा ने कहा कि रूस द्वारा क्षतिपूर्ति के लिए यूरोपीय संघ के प्रस्ताव वास्तविकता से परे हैं और उन्होंने जर्मनी पर लंबे समय से रूसी संपत्तियों को ज़ब्त करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर मास्को की फ्रीज संपत्ति जब्त की गई तो वह निश्चित रूप से बहुत ही कठोर जवाब देगा। सर्बिया के पूर्व उप प्रधानमंत्री रहे वुलिन ने कहा कि अगर वे पूरे इतिहास में रूसी उपनिवेशों को लूटते रहे हैं तो उन्होंने रूस की संपत्ति क्यों नहीं ज़ब्त की? जो लोग उनसे कमज़ोर थे, वे भी रूस को लूटेंगे अगर उन्हें लगता है कि उन्हें इसकी सज़ा नहीं मिलेगी। वे रूसी संपत्ति ज़ब्त करेंगे या नहीं यह सिर्फ़ जवाबी शक्ति पर निर्भर करता है।

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108